दैनिक
आदित्यवर्ण तमसः परस्तात्
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...
www.navpradesh.com | रायपुर, सोमवार 12 अप्रैल 2021, अमावस्या, विक्रम संवत-2077 वर्ष-10 अंक-64 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

बंगाल में खेला करने का दम भरने वाली दीदी के पास पहले ही खिलाड़ियो का टोटा है। ऊपर से दुबर पर दो आषाढ़ वाली कहावत चरितार्थ हो गई है। वे खेल के मैदान में तो हैं लेकिन व्हील चेयर पर है। फुटबाल पर किक नहीं मार पा रही है उसे हाथों से फेंककर बास्केटबाल खेल रही है। वाकई बंगाल में दीदी गजब का खेला कर रही है। इधर उनके चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने भी बहुत बड़ा खेला कर दिया। उन्होने भाजपा की जीत की संभावना जता कर बंगाल के शेष 4 चरणों के मतदान में टीएमसी का खेला और बिगाड़ दिया है।

रेमडेसीवीर की आपूर्ति सुनिश्चित करने वरिष्ठ अधिकारियों जाएंगे हैदराबाद और महाराष्ट्र

हवाई मार्ग के साथ रेल से छत्तीसगढ़ आने वालों के लिए 72 घंटे के भीतर की आरटीपीसीआर निगेटिव रिपोर्ट होगी जरूरी

■ बिना निगेटिव रिपोर्ट के आने वालों की होगी जांच, क्वारेंटाईन सेंटर या आइसोलेशन में रखे जाएंगे

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हवाई मार्ग के साथ रेल मार्ग से अन्य राज्यों से छत्तीसगढ़ आने वाले यात्रियों के लिए आरटीपीसीआर टेस्ट की 72 घंटे के भीतर की निगेटिव रिपोर्ट को अनिवार्य करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने बिना निगेटिव रिपोर्ट के आने वाले यात्रियों की जांच और उन्हें एसओपी के अनुसार क्वारेंटिन, कोविड केयर सेंटर या अस्पताल में रखने की व्यवस्था भी करने कहा। उन्होंने प्रदेश में रेमडेसीवीर इंजेक्शन की सुचारू आपूर्ति के लिए मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं कि इस दवाई का उत्पादन करने वाली कम्पनियों के साथ समन्वय के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को हैदराबाद और महाराष्ट्र भेजा जाए। मुख्यमंत्री ने ड्रग एसोसिएशन के अध्यक्ष से चर्चा कर उनसे अन्य राज्यों से रेमडेसीवीर इंजेक्शन की आपूर्ति बढ़ाने को कहा। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण से उत्पन्न परिस्थितियों पर चिकित्सा विशेषज्ञों से वीडियो कॉन्फ्रेंस से चर्चा के बाद ये निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल संचालकों, चिकित्सा विशेषज्ञों और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से चर्चा कर कोविड-19 के इलाज में आ रही दिक्कतों, ऑक्सीजन और जरूरी दवाईयों की आपूर्ति के संबंध में जानकारी ली।

महाराष्ट्र से लगी सीमा पर कड़ाई से जांच

छत्तीसगढ़ में कोविड-19 के मरीजों की बढ़ती संख्या चिंताजनक है। इस चुनौती का यदि हम योजनाबद्ध तरीके से सामना करेंगे तो अवश्य सफल होंगे। इसके लिए छत्तीसगढ़ की महाराष्ट्र से लगने वाली सभी सीमाओं पर यात्रियों की कड़ाई से जांच की जाए। एयरपोर्ट के साथ ही रेलवे स्टेशनों में भी छत्तीसगढ़ आने वाले यात्रियों की जांच की व्यवस्था की जाए। आवश्यकतानुसार यात्रियों को क्वारेंटाईन सेंटर और आईसोलेशन में रखने की व्यवस्था भी की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार गांवों में भी संक्रमण फैल रहा है। इसे रोकने के लिए प्रदेश के बाहर से आने वालों की जांच कराना आवश्यक है। गांवों में क्वारेंटाईन सेंटर स्थापित करने के लिए राज्य शासन द्वारा निर्देश जारी किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने प्राईवेट अस्पतालों के संचालकों से कहा कि कोरोना मरीजों का बेहतर से बेहतर इलाज करें। इसके लिए राज्य सरकार भी जरूरी सहयोग देगी।

छत्तीसगढ़ सर्वाधिक वैक्सीनेशन करने वाला राज्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ टेस्टिंग के मामले में बड़ी आबादी वाले कई राज्यों से आगे है। प्रदेश में रोज 40 से 50 हजार टेस्ट किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ सर्वाधिक वैक्सीनेशन करने वाला राज्य भी है। यहां की 13 प्रतिशत आबादी को कोरोना से बचाव का पहला टीका लगाया जा चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जल्दी ही चार और जिलों में आरटीपीसीआर ■ शेष पृष्ठ 6 पर

खास-खबर

देश में कोरोना मृतकों का आंकड़ा 1.70 लाख के करीब

नई दिल्ली (वार्ता)। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है और पिछले 24 घंटों के दौरान 839 कोरोना मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 1.70 लाख के करीब पहुंच गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार इस बीच देश में 1,52,879 नये मामले दर्ज किए गए। इसके साथ ही संक्रमितों की संख्या एक करोड़ 33 लाख 58 हजार 805 हो गयी है।

बंगाल चुनाव के लिए 71 अतिरिक्त सीएपीएफ कंपनियां तैनात की

नई दिल्ली (वार्ता)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव में निरंतर हिंसा के मद्देनजर गृह मंत्रालय ने राज्य में शांति पूर्ण ढंग से चुनाव कराने के लिए तत्काल प्रभाव से केन्दीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की अतिरिक्त 71 कंपनियों की तैनाती का निर्णय लिया है। गृह मंत्रालय ने शनिवार को यह फैसला लिया। गृह मंत्रालय ने राज्य में हिंसा की हालिया घटनाओं को ध्यान में रखते हुए भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के अनुरोध के बाद यह कदम उठाया है। केन्द्र ने राज्य में स्वतंत्र और शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए पहले ही सीएपपीएफ की 1,000 कंपनियों को तैनात किया है, जिन्हें केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों के रूप में जाना जाता है।

नक्सली मारा गया

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग की कई नक्सली घटनाओं में शामिल रहे एक इनामी नक्सली को पुलिस बल ने मार गिराया है। दंतेवाड़ा पुलिस अधीक्षक अभिषेक पल्लव ने बताया कि आज कटेकल्याण थाने से जिला रिजर्व पुलिस का एक दल गश्त पर था। इसी दौरान गादम और जंगपाल जंगलों के बीच पुलिस बल की नक्सलियों से मुठभेड़ हुई।

लोकवाणी : बजट न्याय की अवधारणा को आगे बढ़ाने वाला : सीएम बघेल

■ छत्तीसगढ़ के नये बजट में सभी वर्ग के लोगों का हित शामिल जन-जन का विकास हमारा मुख्य ध्येय

■ राजीव गांधी किसान न्याय योजना के नए बजट में 5 हजार 703 करोड़ रूपए का प्रावधान

■ किसानों को 5 हजार 900 करोड़ रूपए के ब्याज मुक्त ऋण वितरण का लक्ष्य

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लोकवाणी की 17वीं कड़ी में कहा कि छत्तीसगढ़ का बजट न्याय की अवधारणा को आगे बढ़ाने वाला है। इसमें कोरोना काल के सबक ग्लोबल इंसानियत तथा लोकल संसाधनों से स्थानीय लोगों के सशक्तीकरण पर जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 'नया बजट-नए लक्ष्य' विषय पर श्रोताओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में इस वर्ष सभी वर्ग के लोगों के हित को ध्यान में रखकर बजट पेश किया गया है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना का उद्देश्य प्रदेश में विभिन्न फसल लेने वाले किसान भाइयों को किसी न किसी तरीके से सशक्त बनाना है। पहले साल हमने 2500 रूपए प्रति क्विंटल की दर से धान का भुगतान किया। दूसरे साल समर्थन मूल्य पर खरीदी के नियम के अनुसार समर्थन मूल्य का भुगतान किया और राजीव गांधी किसान न्याय योजना के माध्यम से धान, मक्का, गन्ना आदि ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मुख्यमंत्री ने बीजापुर में नक्सली हिंसा में शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बीजापुर में नक्सली हिंसा में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि यह घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। इस घटना में सीआरपीएफतथा राज्य पुलिस बल के हमारे साथी हताहत हुए हैं। जिन वीर जवानों की शहादत हुई है, उन्हें मैं अपनी ओर से तथा राज्य की 2 करोड़ 80 लाख जनता की ओर से सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। हमारे सुरक्षा बल के जवान बहुत ही बहादुरी के साथ नक्सलवादियों से लड़े और वीर गति को प्राप्त हुए। हमारा संकल्प है कि इन अमर शहीदों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा।

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर लघु वनोपज क्रय करने वाले राज्यों में छत्तीसगढ़ प्रथम

मुख्यमंत्री ने कहा कि चालू सीजन के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 112 करोड़ की लागत के 4 लाख 74 हजार क्विंटल लघु वनोपज का संग्रहण किया गया है। ट्राईफेड नई दिल्ली द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर लघु वनोपज क्रय करने वाले राज्यों में छत्तीसगढ़ का प्रथम स्थान है। नए बजट में हमने घोषित किया है कि राज्य के अनुसूचित क्षेत्रों में कोदो, कुटकी एवं रागी को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अन्य लघु वनोपज की भांति उपार्जित किया जाएगा।

भूमिहीन श्रमिकों को नियमित आय से जोड़ने नवीन न्याय योजना

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने आगे कहा कि ग्रामीण कृषि भूमिहीन श्रमिकों की सहायता हेतु नवीन न्याय योजना का उद्देश्य भूमिहीन श्रमिकों को नियमित आय सुनिश्चित करना है। हमने न्याय को जरूरतमंद तबकों की आय से जोड़ा है क्योंकि एक निश्चित आय मिलने से ही किसी व्यक्ति का जीवन संवारा जा सकता है।

वैश्विक महामारी से निपटने में सहयोग करे

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना या कोविड-19 की दूसरी लहर के देश-दुनिया और प्रदेश में बढ़ते प्रकोप के विषय में मेरा मानना है कि इस वैश्विक महामारी से निपटने के लिए हमें बहुत संयम, धीरज, सावधानी तथा कड़े सुरक्षा उपायों की जरूरत है। राज्य सरकार द्वारा स्थिति का मुकाबला करने के लिए जांच, उपचार, टीकाकरण तथा जागरूकता अभियान चलाने जैसी सारी व्यवस्थाएं की गई हैं। सावधानी बरतने में कोताही करने से न सिर्फव्यक्ति बल्कि उसका परिवार और उसके संपर्क में आने वाले अनेक लोग कोरोना संक्रमण का शिकार हो जाते हैं। इसलिए मैं आप सबसे अपील करता हूं कि जितना अधिक संभव हो उतना अधिक घर पर रहें। अलग-अलग जिलों में जिस तरह से नियंत्रण के प्रयास जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे हैं, उसमें सहयोग प्रदान करें। पात्रता के अनुसार टीका लगाने में किसी भी तरह का भ्रम नहीं रखें।

जीवनरक्षक रेमडेसिविर के एक्सपोर्ट पर रोक

देश में हालात सुधरने तक लागू रहेगा फैसला

नई दिल्ली (ए.)। कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए जीवनरक्षक कहे जा रहे रेमडेसिविर इंजेक्शन के निर्यात पर केंद्र सरकार ने रोक लगा दी है। भारत सरकार में देश में हालात सुधरने तक के लिए इस रोक का ऐलान किया है। बीते कुछ दिनों में रेमडेसिविर इंजेक्शन की कमी देखी जा रही थी। ऐसे में सरकार का यह फैसला अहम है। केंद्र सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि देश में 11 लाख से ज्यादा एक्टिव केस हैं और इसके चलते इलाज में रेमडेसिविर इंजेक्शन की मांग बढ़ गई है। आने वाले दिनों में इस मांग में और इजाफा हो सकता है। ऐसे में सरकार ने भविष्य की चुनौतियों ने से निपटने के लिए इंजेक्शन के एक्सपोर्ट पर रोक का फैसला लिया है। एक्सपोर्ट पर रोक का यह ■ शेष पृष्ठ 6 पर

कंपनियों को इंजेक्शन की जानकारी देना होगा

सरकार ने रेमडेसिविर इंजेक्शन तैयार करने वाली कंपनियों के लिए यह जरूरी किया है कि वे इंजेक्शन की संख्या के बारे में अपनी वेबसाइट्स पर जानकारी दें। इसके अलावा डिस्ट्रिब्यूटर्स के बारे में भी जानकारी दें। इसके अलावा ड्रग इंस्पेक्टर्स को आदेश दिया गया है कि वे स्टॉक को चेक करते रहें और कालाबाजारी के मामलों पर पूरी नजर रखें। इसके अलावा फार्मास्युटिकल डिपार्टमेंट को घरेलू मैन्युफैक्चरर्स से बात करने को कहा गया है ताकि उत्पादन में इजाफा किया जा सके। इसके अलावा सभी निजी और सरकारी अस्पतालों से भी समन्वय बेहतर करने पर फोकस किया जा रहा है ताकि इंजेक्शन की उपलब्धता में कमी न होने पाए।

बिलासपुर में 14 से 21 अप्रैल तक रहेगा टोटल लॉकडाउन

■ कलेक्टर ने जारी किया आदेश

बिलासपुर। कोरोना के संक्रमण को देखते हुए बिलासपुर जिले में भी लॉकडाउन का आदेश जारी हो गया है। जिला कलेक्टर डॉ सारांश मित्तर ने आदेश में कहा है कि 14 अप्रैल को सुबह 6:00 से 21 अप्रैल की रात 12:00 बजे तक पूरे इलाके को कंटेंटमेंट जोन घोषित किया गया है। इस दौरान बिलासपुर जिले की सभी सीमाएं पूर्ण तहसील रहेंगी।इस दौरान सभी तरह के दफ़्तर बंद रहेंगे और ज़िले में शराब दुकानें भी नहीं खुलेंगी। कलेक्टर के आदेश में कहा गया है कि कोविड-19 के पॉजिटिव मामलों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी के कारण जिला बिलासपुर में सार्वजनिक आवागमन एवं अन्य गतिविधियों पर कड़े प्रतिबंध लगाया जाना जरूरी हो गया है। उन्होंने आदेश में कहा है कि 14 अप्रैल से 21 अप्रैल तक बिलासपुर जिला अंतर्गत संपूर्ण क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन घोषित किया जाता है। इस दौरान बिलासपुर जिले की सभी सीमाएं पूरी तरह सील रहेंगी। इस दौरान केवल मेडिकल दुकानों को अपने निर्धारित समय में खुलने की अनुमति होगी ।

देशवासियों से टीका उत्सव को सफल बनाए पीएम मोदी की अपील

नई दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से कोरोना महामारी के खिलाफ देश भर में चलाये जा रहे अभियान के तहत आज से शुरू किये जा रहे टीका उत्सव को पूरी तरह सफल बनाने का आग्रह किया है। श्री मोदी ने रविवार को ट्विट कर लोगों से कहा, आज से हम सभी, देशभर में टीका उत्सव की शुरुआत कर रहे हैं। कोरोना के खिलाफ लड़ाई के इस चरण में देशवासियों से मेरे चार आग्रह हैं। प्रधानमंत्री ने नमो ऐप पर अपने चारों आग्रह के बारे में विस्तार से लिखा है।

कोरोना के खिलाफ और तेज होगी जंग

देश में अगले 10 दिनों में इस टीके को मिल सकती है हरी झंडी

■ जून तक उपलब्ध हो सकता है स्पूतनिक वी

नई दिल्ली (ए.)। देश के कई राज्यों में कोरोना वायरस वैक्सीन की कमी के शिकायत के बीच एक राहत की भी खबर है। इस साल अक्टूबर के अंत तक भारत को पांच और टीके मिल सकते हैं। जिससे काफी हद तक वैक्सीन की कमी की शिकायत दूर हो सकती है। बता दें कि देश में फिलहाल कोरोना वायरस के लिए दो वैक्सीन कोविशिल्ड और कोवैक्सीन को इमरजेंसी इस्तेमाल के लिए मंजूरी मिली हुई है। इन दोनों टीकों का निर्माण भी भारत में ही हो रहा है। सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया है कि इस साल तीसरी तिमाही तक कोरोना वायरस के पांच और टीके भारत में हो सकते हैं। ये पांच टीके हैं स्पूतनिक वी (डॉ रेड्डी के सहयोग से) जॉनसन एंड जॉनसन वैक्सीन (बायोलॉजिकल ई के साथ), नोवावैक्स ■ शेष पृष्ठ 6 पर

कुल 20 टीके पाइप लाइन में

सूत्रों ने बताया कि देश में लगभग 20 टीके ऐसे हैं जो कि क्लीनिकल और प्री-क्लीनिकल ट्रायल में हैं। इन टीकों में स्पूतनिक वी वैक्सीन पहले नंबर पर है और उम्मीद है कि अगले 10 दिन के भीतर इमरजेंसी इस्तमाल मिलने की भी संभावना है। टीके के 850 मिलियन खुराक के प्रोडक्शन के लिए स्पूतनिक वी ने देश की कई कंपनियों के साथ समझौता भी किया है।

कई राज्यों में टीके की किल्लत

बता दें कि भारत में फिलहाल कोरोना वायरस की दूसरी लहर जारी है। पिछले कुछ दिनों से एक लाख से ज्यादा केस सामने आए रहे हैं। केस बढ़ने के साथ-साथ वैक्सीन की भी डिमांड बढ़ गई है। महाराष्ट्र समेत एक दो और राज्य टीके किल्लत को लेकर केंद्र सरकार से और वैक्सीन की मांग की है। महाराष्ट्र ने कहा कि उसके पास मुश्किल से तीन दिन के लिए टीके बचे हैं और कुछ सेटंर तो बंद भी हो गए हैं।

कॉँग्रेस नेता, पावर लिफ्टर, उद्योगपति, विश्वविद्यालय की महिला अधिकारी, पत्रकार के भाई एवं भाभी की मौत से सहमा शहर

भिलाईनगर/नवप्रदेश। कोरोना का कहर इस्पात नगरी के लिए अनियंत्रित हो चुका है। शहर के वरिष्ठ कॉँग्रेसी मंगा सिंह, पावरलिफ्टर के.एस.अनिलजीत, उद्योगपति वरिष्ठ भाजपा नेता सुमन कथुरिया, युनिवर्सिटी की वित्तीय महिला अधिकारी ज्योत्सना शर्मा, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार की भाभी व वरिष्ठ पत्रकार के भाई की मौत से शहर सहमा हुआ है। कोरोना से पूरा शहर हाहाकार हो रहा है। शासन प्रशासन के सभी संसाधन पूरी तरह फेल हो चुके हैं। छत्तीसगढ प्रदेश कॉँग्रेस कमेटी कौमी एकता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं बीएसपी ट्रक टेलर एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रियदर्शनी नगर पश्चिम नेहरू नगर मंगा सिंह का आज सुबह इलाज के दौरान हाईटेक अस्पताल स्मृतिनगर में निधन हो गया। वे पिछले दिनों अस्वस्थ हुए थे तो एम्स रायपुर में उनका ईलाज चल रहा था। तबीयत ठीक होने के उपरांत वे घर आ गये थे। फिर तबीयत बिगडने पर उन्हें हाई टेक अस्पताल स्मृतिनगर में भर्ती किया गया जहाँ उन्होंने आज सुबह दम तोड़ दिया। नेहरू नगर निवासी उद्योगपति सुमन कथूरिया का शनिवार की संध्या उपचार के दौरान रायपुर के निजी अस्पताल में निधन हो गय। वे शहर के प्रमुख उद्योगपति एवं वरिष्ठ भाजपा नेता थे। कल देर रात भारतीय पावरलिफ्टिंग के राष्ट्रीय प्रशिक्षक एवं वीर हनुमान अवॉर्डी के.एस.अनिलजीत कोरोना के कारण निधन हो गया। भारतीय पावरलिफ्टिंग एवं बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के संयुक्त सचिव एवं अंतर्राष्ट्रीय निर्णायक कृष्णा साहू ने बताया कि भारतीय पावरलिफ्टिंग टीम के कोच, वीर हनुमान सिंह अवॉर्डी तथा छत्तीसगढ़ बॉडी बिल्डिंग के महा सचिव के एस अनिल जीत का श्री नारायण अस्पताल में इलाज के दौरान कल रात्रि निधन हो गया वह कोरोना से ग्रसित थे, 6 अप्रैल को उन्हें इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। छत्तीसगढ़ और भारत देश के लिए पॉवर लिफ्टिंग और बॉडी बिल्डिंग में अनिल जीत का निधन अपूरणीय क्षति है। इस्पात नगरी के सभी खेल समितियों एवं संगठनों के द्वारा अनिल जीत के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई है। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की वित्तीय अधिकारी ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मनेंद्रगढ़, पीजीएम और मध्यप्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में महसूस किए गए हल्के भूकंप के झटके

पेंड्रा/मनेन्द्रगढ़ /नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की सीमा से लगे दो जिलों में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं, कोरिया जिले के मनेन्द्रगढ़ और बैकुण्ठपुर में भूकंप के झटके लोगों ने महसूस किए हैं, ये भूकंप के झटके आज 12 बजकर 52 मिनट पर आए हैं। वहीं मध्यप्रदेश के अनूपपुर में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं, 12.54 मिनट पर झटके महसूस किए गए हैं। झटके लगभग 5 सेकंड के लिए महसूस किए गए हैं। हालांकि इस भूकंप में किसी भी प्रकार की जनधन की हानि की खबर नहीं मिली है। इधर सूत्रों के अनुसार आज दोपहर में गौरेला के कई हिस्सों में भूकंप के हल्के झटके लगने से लोग भयभीत हो गए। पेंड्रा में भी झटके महसूस किए गए। मरवाही, सिवनी, परासी, भर्री-डाँड़ में 12 बजकर 54 मिनट में 2 सेकंड के लिए भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। खबर लिखे जाने तक कोई जनहानि की सूचना प्राप्त नहीं हुई है। वहीं अनूपपुर में भी हल्के झटके महसूस किए गए। राज नगर में भूकंप के झटके लगे जोकि लगभग 5 सेकंड तक रहे।

11_Nav pradesh Page_02 Bhilai Page.qxd 11/04/2021 8:42 PM Page 1

न्यूज गैलरी

अब शादी/तेरहवीं/अंत्येष्टि व कार्यक्रमों में अधिकतम 20 लोगों को अनुमति

दुर्ग (नव प्रदेश)। जिले में कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम हेतु शादी, तेरहवीं, अंत्येष्टि एवं अन्य कार्यक्रम हेतु कार्यालय अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी दुर्ग से पूर्व में जो अनुमति जारी गई थी, जिसके अनुसार 50 लोगों को शामिल होने की अनुमति दी गई थी, जिसे संशोधित कर अब अधिकतम 20 लोग कर दिया गया है। अतः 20 लोगों के साथ पूर्व में जारी अनुमति प्रभावशील होगी।

अपना मोबाइल नंबर और पता सही लिखे अन्यथा ट्रेसिंग में होगी दिक्कत

दुर्ग (नव प्रदेश)। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने आम नागरिकों से अपील की है कि टेस्टिंग के दौरान भरे गए फॉर्म को काफी सावधानी से भरे। इसमें मोबाइल नंबर और एड्रेस चेक कर लें, कई बार मोबाइल नंबर गलत होने की वजह से या एड्रेस सही नहीं दिए जाने की वजह से ट्रेसिंग में दिक्कत होती है। इससे मरीज को बचाने का अमूल्य समय नष्ट होता है। साथ ही प्रशासनिक अमले को भी काफी दिक्कत आती है। टेस्टिंग के बाद ट्रेसिंग टीम को मरीजों को लोकेट करने में न्यूनतम समय लगे इसके लिए सही एड्रेस और मोबाइल नंबर होना बहुत आवश्यक है कलेक्टर ने अपील की है कि टेस्टिंग के दौरान सैंपल देने के दौरान सभी नागरिक इस बात का विशेष ध्यान दें कलेक्टर नागरिकों से अपील की है कि कोरोना के लक्षण उभरते ही टेस्ट कराएं ताकि इलाज जल्द शुरू किया जा सके।

नगर निगम आयुक्त ने लिया वैक्सीनेशन सेंटर का जायजा

रिसाली (नव प्रदेश)। मैत्री नगर रिसाली हनुमान मंदिर प्रांगण में चल रहे कोविड-19 वैक्सीनेशन सेंटर का निरक्षण कर जायजा रिसाली निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे जी व जोन आयुक्त रमाकांत साहू जी* ने किया व जनता को जागरूक करने के लिए विशेष रूप से *प्रकाश सर्वे जी* से मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ। *वेक्सीनेशन शिविर में लगातार लोगो को जागरूक व जनसेवा में विशेष रूप से समाजसेवी पप्पू चंद्राकर जी व मनीष यादव(बंटी)* रिसाली निगम क्षेत्र में ततपर है *शिविर में मुख्य रूप से एल.एल चंद्राकर जी 86 वर्ष, एवं केवल कृष्ण शर्मा जी 87 वर्ष भी वेक्सीनेशन के लिए पहुचे*। निरीक्षण के दौरान टीका लगाने आए हुए नागरिकों से मुलाकात कर उनका हाल चाल जाना साथ ही सभी को कोरोना वायरस से बचने के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने का निवेदन किया। कोविड-19 वैक्सिनेशन में लगे हुए डॉक्टरों से विस्तृत चर्चा कर वैक्सिनेशन की जानकारी भी ली।

कोविड संक्रमण से संबंधित सहायता के लिए इन नम्बरों पर कर सकते हैं संपर्क

दुर्ग (नव प्रदेश)। जिले के निगम क्षेत्र में होम आइसोलेशन के दौरान सहायता के लिए इन नंबरों से संपर्क किया जा सकता है। कोविड-19 मरीजों को दवाई वितरण- दुर्ग निगम के लिये 7999331245, भिलाई निगम के लिये 9425512559, रिसाली निगम के लिए 9754396851, 9109380115 और चरौदा निगम के लिये 9826429698 से संपर्क किया जा सकता है। कोविड-19 मरीजों के अंतिम संस्कार के लिए- दुर्ग निगम के लिये 8319766619, 8839311108, भिलाई निगम के लिये 8839211151, रिसाली निगम के लिए 7828216065, 9893526715 और चरौदा निगम के लिये 9977716688, 9907148292, 9300714327 से संपर्क किया जा सकता है। होम आइसोलेशन डॉक्टरी सलाह/संपर्क के लिए- दुर्ग निगम के लिये 07882215152, भिलाई निगम के लिये 0788-2320077,07882328413 रिसाली निगम के लिए 07882328412 और चरोदा निगम के लिये 07882215153 से संपर्क किया जा सकता है। जिला प्रशासन कंट्रोल रूम के लिए- 0788-2210772/73/74/75/78 से संपर्क कर सकते हैं।

निधन

ए रामाराव

भिलाईनगर (नव प्रदेश)। न्यू तेलुगु नगर जोन-3 वार्ड-31 खुर्सीपार निवासी ए रामाराव (62 वर्ष) का निधन हो गया. उनका अंतिम संस्कार रामनगर मुक्तिधाम में 11 अप्रैल को 1 बजे किया जाएगा. वे श्रीनिवास के पिता थे।

राम लखन सिंह

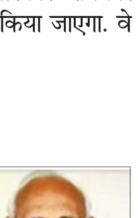

भिलाईनगर (नव प्रदेश)। क्षत्रिय कल्याण सभा भिलाईनगर के संस्थापक सदस्य, भिलाई इस्पात संयंत्र के ऑक्सीजन प्लांट 01 के सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रबंधक राम लखन सिंह का 10 अप्रैल की रात्रि 11 बजे के करीब उनके गृहग्राम-सेमरौल, पोस्ट-मंगारी, जिला-गाजीपुर उत्तर प्रदेश में निधन हो गया, वे 90 साल के थे। उनका अंतिम संस्कार 11 अप्रैल को सुबह 10 बजे गंगा नदी के तट पर किया गया। वे सतीश चंद्र सिंह, नगर निगम भिलाई के वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के.के.सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, श्रीमती सुनीता सिंह के पिता थे। स्व.रामलखन सिंह के निधन पर क्षत्रिय कल्याण सभा भिलाईनगर ने शोक व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रध्दांजलि दी है।

एस अनिल कुमार

भिलाई (नव प्रदेश)। नगर पालिक निगम भिलाई नगर के प्रथम पार्षद,भिलाई नायर समाजम् सेक्टर 8 के पूर्व अध्यक्ष,भिलाई अयप्पा सेवा संघम सेक्टर 2 के अध्यक्ष,भिलाई इस्पात संयंत्र कर्मी सेक्टर 10 सडक 8 निवासी श्री एस अनिल कुमार का निधन हो गया। रामनगर मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। वे अपने पीछे इंदिरा (पत्नी), स्नेहा (पुत्री), श्याम (दामाद), शुभम (पुत्र) सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए।

सुरेन्द्र पाण्डेय

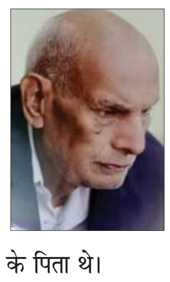

भिलाईनगर (नव प्रदेश)। भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा संचालित भिलाई विद्यालय सेक्टर 2 के सेवानिवृत्त प्राचार्य सुरेन्द्र पाण्डेय का आज सुबह 2 बजे के करीब सेक्टर 9 चिकित्सालय में निधन हो गया। वे 84 साल के थे। उनका अंतिम संस्कार रामनगर मुक्तिधाम में किया गया। वे दिवाकर पाण्डेय, दिनेश पाण्डेय, सरोज मिश्रा के पिता थे।

कोविड नियंत्रण | कोविड के बेहतर इलाज व बचाव के लिए समर्पित है बीएसपी मेडिकल टीम

बीएसपी मेडिकल टीम ने कसी कमर

नव प्रदेश संवाददाता

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग, संयंत्र के कार्मिकों व अधिकारियों के कोविड के बचाव व इलाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आज बीएसपी के मुख्य चिकित्सालय जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र कोविड केयर में दिन-रात जुटा हुआ है। बीएसपी प्रबंधन ने भिलाई बिरादरी को कोविड के बेहतर इलाज प्रदान करने तथा इससे बचाव हेतु समग्र प्रयास किया है। संयंत्र के मेडिकल टीम की कोशिशों ने भिलाई बिरादरी के जीवन बचाने मे अहम भूमिका निभाई है।

बीएसपी के निदेशक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता के निर्देशों तथा कार्यपालक निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ एस के इस्सर तथा सीएमओ द्वय डॉ प्रमोद बिनायके व डॉ रविन्द्रनाथन के मार्गदर्शन तथा डॉ त्रिनाथ दास, डॉ ए डी बैनर्जी, डॉ सोनाली त्रिवेदी के नेतृत्व में कोविड के इलाज हेतु बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री राकेश तथा कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) श्री एस के दुबे की टीम ने संसाधन जुटाने में अहम भूमिका अदा की है। कोरोना के बढ़ते केस को देखते हुए अपने मेडिकल टीम के माध्यम से संयंत्र प्रबंधन ने अपने कार्मिकों व अधिकारियों हेतु सुविधाओं में निरन्तर वृद्धि कर रही है। इसकी विस्तृत जानकारी इस प्रकार हैः-

कोविड बेड में वृद्धि

बीएसपी के मेडिकल टीम ने शासन से कोरोना इलाज की सहमति मिलते ही कोविड मरीजों के इलाज हेतु बेड की संख्या में भारी वृद्धि की है। डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल न होते हुए भी आज बीएसपी का जेएलएन हॉस्पिटल प्रदेश का सर्वाधिक कोविड बेड वाले अस्पतालों में से एक बन चुका है। आज जेएलएन हॉस्पिटल में कोविड इलाज हेतु 537 बेड की व्यवस्था की गई है। इसे और अधिक बढ़ाने का प्रयास भी जारी है। दुर्ग जिले के कलेक्टर डॉक्टर सर्वेश्वर नरेन्द्र भूरे के दिशानिर्देशों ने इन प्रयासों को अंतिम रूप देने में महत्वपूर्ण रोल अदा किया है।विदित हो कि कोविड हेतु प्रदेश के रायपुर एम्स तथा मेडिकल कॉलेज में वर्तमान में प्रत्येक में 500 बेड की व्यवस्था है।

ऑक्सीजन बेड बढ़ाये गये

बीएसपी अस्पताल ने कोविड के बढ़ते खतरे को गंभीरता से लेते हुए ऑक्सीजन बेड में भी भारी वृद्धि की है। वर्तमान में 270 बेडस् में सेंट्रल ऑक्सीजन सप्लाई सिस्टम से ऑक्सीजन प्रदान किया जा रहा है। अन्य बेडस् में ऑक्सीजन सिलेंडर्स के माध्यम से ऑक्सीजन आपूर्ति की जा रही है। उल्लेखनीय है कि ऑक्सीजन बेड में वृद्धि करने हेतु मेडिकल टीम द्वारा आंतरिक संसाधनों का प्रयोग कर वार्ड में पाइप्ड ऑक्सीजन की सुविधा सुनिश्चित की गई। इस कार्य को करने मे श्री शाहिद अहमद एवं श्री बलवीर सिंह की टीम ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पाइप्ड ऑक्सीजन की सुविधा को अन्य वार्ड में भी विस्तार करने हेतु अन्य राज्य से विशेषज्ञ बुलाये गये है।

आईसीयू बेड की अतिरिक्त व्यवस्था

जेएलएन अस्पताल के नियमित आईसीयू में उपलब्ध बेड के अतिरिक्त कोविड के बेहतर इलाज हेतु आईसीयू बेड की संख्या बढ़ाई गयी है। ए-3 वार्ड को सभी सुविधाओं के साथ आईसीयू में परिवर्तित किया गया है। इसी प्रकार स्टेप डाउन आईसीयू खोलने की भी तैयारी की जा रही है। पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध होने पर इसे चालू किया जाएगा। स्टाफ उपलब्ध कराने हेतु राज्य सरकार से गुजारिश की गई है। वर्तमान में अस्पताल में 42 से अधिक आईसीयू बेड की सुविधा उपलब्ध है। बीएसपी प्रबंधन ने विभिन्न नॉन-रेसिडेंसियल भवनों का निरीक्षण कर इन भवनों में अतिरिक्त बेड की सुविधा उपलब्ध कराने के प्रयासों में तेजी लाई है।

टेस्टिंग की सुविधा में बढ़ोत्तरी

डॉ नीली कुजूर के नेतृत्व में बीएसपी के समर्पित टेस्टिंग टीम द्वारा जेएलएल अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 350 कोविड टेस्टिंग किया जा रहा है। अब तक लगभग 27000 कोविड टेस्टिंग किया जा चुका है। विदित हो कि टेस्टिंग किट राज्य शासन द्वारा प्रतिदिन के आधार पर उपलब्ध कराया जाता है और इसी के अनुरूप ही बीएसपी अस्पताल में टेस्टिंग की जा रही है। वर्तमान में चेस्ट वार्ड के अतिरिक्त मनोचिकित्सा विभाग के भवन में भी कॉन्टैक्ट टेऊसिंग हेतु अलग से आरटीपीसीआर टेस्टिंग की सुविधा प्रारंभ किया गया है।

पाटन में कोविड नियंत्रण पर कलेक्टर ने की समीक्षा

नव प्रदेश संवाददाता

दुर्ग। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने आज पाटन ब्लाक में कोविड नियंत्रण के चल रहे कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि जिन मरीजों को होम आइसोलेशन में रहने में असुविधा है, उनके लिए 25 बेड का कोविड केअर सेंटर पाटन के ट्राइबल होस्टल में आरम्भ करें। उन्होंने कहा कि जिन गांव में कोविड के अधिक मरीज आ रहे हैं वहां कंटेंटमेंट बनाकर व्यापक सर्वे का कार्य कर लक्षण वाले मरीजों का चिन्हांकन करें। कलेक्टर ने वैक्सीनेशन कार्य की भी समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल 45 वर्ष से अधिक के 70 प्रतिशत से अधिक लोगों का टीका हो चुका है। लगभग 40 हजार लोगों को टीका लग चुका है और अभी 15000 लोगों को टीका लगाया जाना शेष है। कलेक्टर ने व्यापक मुहिम चलाकर टीकाकरण कार्य को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में मितानिन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं स्थानीय अमला मिलकर सघन अभियान छेड़े तथा टीकाकरण कार्य को पूरा करें। उन्होंने कहा कि हर पंचायत में एक पल्स ऑक्सीमीटर तथा साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के पास के पल्स ऑक्सीमीटर से लक्षण वाले मरीजों की पहचान कर इनका प्रिजप्टिव ट्रीटमेंट आरंभ कर दिया जाए। जिन ग्राम पंचायतों में कोविड के अधिक मामले आ रहे हैं उन्हें कंटेनमेंट जोन बनाने पर भी बैठक में चर्चा हुई। इसके अलावा शिक्षा विभाग का अमला भी लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करेगा।

ट्रेन से आ रहे यात्रियों के लिए मत्वपूर्ण निर्देश जारी

दुर्ग (नव प्रदेश)। कोरोनावायरस के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम हेतु जिला प्रशासन द्वारा ट्रेनों से आने वाले समस्त यात्रियों का शत-प्रतिशत कोविड टेस्ट जाना अनिवार्य किया है। जिसके अनुसार समस्त ट्रेनों से पहुंचने वाले यात्रियों का कोविड टेस्ट स्टेशन में किया जाना अनिवार्य किया गया है। ट्रेन से आने वाले छोटे बच्चों का कोविड टेस्ट उनके पालकों की सहमति के आधार पर किया जाएगा। ट्रेन से पहुँचने वाले यात्री के पास यदि तीन दिन पूर्व का कोविड (आरटीपीसीआर टेस्ट) का नेगेटिव रिपोर्ट होने पर उन्हें घर जाने की अनुमति होगी तथा सात दिवस के होम आइसोलेशन में रहना अनिवार्य होगा। यात्री का कोविड टेस्ट पाजिटिव आने पर स्वास्थ विभाग द्वारा जारी एस.ओ.पी के अनुरूप उन्हें तत्काल क्वॉरेंटाइन सेंटर अथवा कोविड केअर सेंटर भेजा जाएगा।

तकिया पारा और उरला में निगम अमला ने की कारवाही

मटन व्यापारी और किराना दुकानदार ने किया लॉकडाउन का उल्लंघन

नव प्रदेश संवाददाता

दुर्ग। जिला कलेक्टर सर्वेश्वर नरेंद्र भूरे के निर्देशानुसार पूरे दुर्ग शहर में संपूर्ण लॉकडाउन लागू है कोरोना संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए शासन जिला प्रशासन नगर निगम जिला चिकित्सालय सभी वर्ग के लोग प्रयासरत हैं परंतु आम नागरिक और व्यापारी वर्ग गंभीरता से नहीं ले रहे हैं इसके चलते जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन और निगम प्रशासन के अधिकारी और कर्मचारी लगातार लॉक डाउन का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्यवाही कर रहे हैं इस दिशा में नगर पालिक निगम दुर्ग का अमला पुलिस बल के साथ तकिया पारा और उरला वार्ड में व्यवसाय करने वाले दो व्यापारियों पर 500--500 रु. का जुर्माना कर कार्यवाही किए तथा चेतावनी दिए कि दोबारा पकड़े जाने पर लाइसेंस निरस्त कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लॉकडाउन के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले तकिया पारा के मोहम्मद कुरेशी द्वारा मटन विक्रय किया जा रहा था। उसी प्रकार उरला वार्ड में रौनक किराना दुकान द्वारा सामान बेचा जा रहा था आयुक्त हरेश मंडावी के निर्देशानुसार नगर निगम का अमला पुलिस बल के साथ पहुंचकर दोनों व्यापारियों के खिलाफ कार्यवाही कर ?500-500 का जुर्माना कर चेतावनी दिया गया। दोबारा नियमों का उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नया बस स्टैण्ड के चार बस ट्रवल्स सील

लॉकडाउन का उल्लंघन करते मिले ट्रवल्स बुकिंग आफिस

नव प्रदेश संवाददाता

दुर्ग। आयुक्त हरेश मंडावी के निर्देशानुसार लॉकडाउन का उल्लंघन करने वाले बनया बस स्टैण्ड के चार बस बुकिंग ट्रवल्स कार्यालय को निगम अमले ने सील कर दिया। पूरे जिला में लॉकडाउन का आज पांचवां दिन है। नया बस स्टैण्ड में बस ट्रवल्स वाले आफिस खोलकर बस बुक कर रहे थे इसकी शिकायत मिल रही थी। आज आयुक्त के निर्देश पर अतिक्रमण प्रभारी शिव शर्मा, सहा0 राजस्व निरीक्षक निशांत यादव, शशिकांत यादव, भुवन दास साहू, ईश्वर वर्मा, शोएब अहमद, विनीत वर्मा, लवकुश शर्मा महेन्द्र सोनटके की टीम ने चारों ट्रवल्स में सील करने की कार्यवाही किये।

सभी ट्रवल्स पर होगी कानूनी कार्यवाही

नगर पालिक निगम दुर्ग के नया बस स्टैण्ड दुर्ग के मनीष ट्रवल्स दुकान क्रं0 5 व 6, नवीन ट्रवल्स क्रं0 13 व 14, मनोज ट्रवल्स क्रं0 19, तथा पायल ट्रवल्स क्रं0 12 व 13 के द्वारा बुकिंग आफिस को खोलकर बस बुक किया जा रहा था। जो लॉकडाउन के नियम का उल्लंघन था। सूचना मिलने पर आयुक्त श्री मंडावी के निर्देशानुसार सील बंद की कार्यवाही कर पंचनामा बनाया गया। आयुक्त ने कहा लॉकडाउन में सभी प्रकार की सेवाएँ बंद की गई है परन्तु बस ट्रवल्स वाले लॉकडउान का उल्लंघन किया है इनका पंचनामा बनाया गया है जिन पर लॉकडाउन की घारा के अनुसार कानूनी कार्यवाही की जाएगी। सभी बस ट्रवल्स वालों से अपील है कि नियमानुसार उन्हें केवल ऑनलाईन बुकिंग करने अधिकृत किया गया है।

गाइडलाइन की शर्त पर मिल्क वेंडर को छूट, बेच सकेंगे दूध

भाटापारा (नव प्रदेश)। लॉकडाउन के दिनों में मिल्क शॉप संचालक, दुकान के बाहर काउंटर लगाकर दूध का विक्रय कर सकेंगे। स्ट्रीट मिल्क काउंटर और ग्वालों को भी निर्धारित समय सीमा में ही कारोबार संचालन की अनुमति होगी। यह बड़ी राहत, जिला प्रशासन ने आज शाम से चालू हो रहे लॉकडाउन के दौरान देने का फैसला लिया है। ट्रेन और सड़क मार्ग से दी जाने वाली इस सुविधा से एक बड़ा वर्ग दूध के लिए निश्चिंत रहता आया है लेकिन कोरोना संक्रमण जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों में एक-एक कर लॉकडाउन के, जिलों के फैसले से, दूध उत्पादक, संकट में आ चुके हैं।

चंदूलाल चंद्राकर कोविड हॉस्पिटल में आज 30 बेड बढ़े, हर दिन इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने युद्ध स्तर पर काम किया जा रहा

दुर्ग (नव प्रदेश)। कोरोना पीड़ित मरीजों के उपचार के लिए संचालित चन्दूलाल चंद्राकर कोविड हॉस्पिटल का कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे आज आकस्मिक निरीक्षण किया। बढ़ते मरीजो की संख्या को ध्यान में रखकर यहां आज ही 30 और बेड बढ़ाये गए हैं। कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त श्री ऋतुराज रघुवंशी भी उपस्थित थे। कलेक्टर ने यहां के प्रभारी अधिकारियों से वस्तुस्थिति की जानकारी ली और इसके आधार पर सुविधाओं में और इजाफा करने कहा। यहां आईसीयू केअर एवं ऑक्सीजन बेड में और विस्तार करने कहा। उन्होंने वेंटिलेटर सपोर्ट की अतिरिक्त व्यवस्था के साथ ही ऑक्सीजन बेड की संख्या भी बढ़ाते रहने कहा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अभी उपचार करा रहे मरीजों की संख्या, उनके स्वास्थ्य की स्थिति, रिक्त बेड की संख्या, सामान्य स्थिति के मरीज व क्रिटिकल पेशेंट की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि वस्तुस्थिति पर लगातार नजर बनाए रखें। मरीजों का सबसे बेहतर उपचार सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मरीजों की बेहतर तरीके से काउंसिलिंग होती रहे। भोजन की व्यवस्था अच्छी बनी रहे ताकि मरीज को रिकवर होने में आसानी हो सके। उन्होंने कहा कि मरीजों के पैरामीटर पर लगातार नजर रखें। उन्हें तबियत में सुधार के संबंध में आश्वस्त करते रहें ताकि उनका मनोबल ऊंचा रह सके। इसके अलावा साफ-सफाई की व्यवस्था की भी उन्होंने समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मरीजों की बेहतरी के लिए जो भी बेहतर किया जा सकता है वो करें, इसके लिए पूरा सहयोग दिया जाएगा।

कंट्रोल रूम का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

समय पर मेडिसिन पहुंचे, फीडबैक पर तुरंत हो कार्रवाई

■ हर मरीज की हो प्रभावी निगरानी- कलेक्टर

नव प्रदेश संवाददाता

दुर्ग। विज्ञान विकास केंद्र में स्थापित कंट्रोल रूम में होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों के स्वास्थ्य की 24 घण्टे मॉनिटरिंग जा रही है। कोरोना से पीड़ित होम आइसोलेशन में रह रहें मरीजों की निगरानी सलाह एवं आपात स्थिति में सेवा देने के लिए सिविल लाईन स्थित विज्ञान विकास केंद्र में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम में नियुक्त अमला इन मरीजों की 24 घंटे निगरानी कर रहा है। कंट्रोल रूम में हो रहे कार्यों की व्यवस्था और संचालन की जानकारी लेने कलेक्टर ने यहां का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने कंट्रोल रूम प्रभारी अधिकारी एवं उपस्थित अमले से यहां हो रहे कार्यो की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि जो भी मरीज होम आइसोलेशन में रह रहें है उनके स्वास्थ्य की नियमित जानकारी लेवें। उन्हें किसी प्रकार की तकलीफ होने पर नजदीकी अस्पताल पहुंचाने के लिए समन्वय करें। उन्हें मेडिसिन लेने की एवं अन्य एहतियातन सलाह देते रहें। उनका हौसला भी बढ़ाये जिससे उन्हें शीघ्र स्वस्थ्य होने में मदद मिल सके। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान प्रभावित मरीजों के लिए बनाए गए मेडिसिन किट का भी निरीक्षण किया।

डयूटी में अनुपस्थित हुए तो होगी त्वरित कार्रवाई-कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान कंट्रोल रूम प्रभारी अधिकारी ने बताया कि कुछ कर्मचारी डयूटी में लापरवाही दिखा रहे हैं। इस पर कलेक्टर ने कहा कि जिसकी डयूटी लगाई गई है। उन्हें संवेदना के साथ कार्य करना होगा। अनुचित कारण के डयूटी से नदारद होने पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। यहाँ अधिक डेटा एंट्री आपरेटर की आवश्यकता पर उन्होंने कहा कि ऑपरेटर शीघ्रताशीघ्र उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

अभी 13 हजार से अधिक मरीज होम आइसोलेशन में- अभी 13 हजार से अधिक मरीज होम आइसोलेशन में हैं। इन सभी को मेडिकल किट दी गई है। चिकित्सक इनके संपर्क में है। मरीजों को सलाह दी जाती है कि ऑक्सिजन लेवल पर नजर रखें।

प्रदेश में बदते कोरोना मरीजो को लेकर भाजपा ने जताई चिंता

भाटापारा (नव प्रदेश)। भाजपा के जिला मंत्री महाबल दास बघेल मंडल अध्यक्ष मनेदर सिंह पूर्व जनपद उपाध्यक्ष परस देवांगन संजय सिंह चौहान राजा शर्मा महिला मोर्चा अध्यक्ष नीरा देवी साहू महामंत्री चंद्रकला साहू ज्योति वर्मा ने प्रदेश में बढ़ रहे कोरोना महामारी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के द्वारा मार्च माह में ही प्रदेश के लोगों को टीकाकरण के लिए भेजे गए वैक्सीन का सही समय पर उपयोग करती तो आज प्रदेश की तीन चौथाई आबादी को टीका लग गया होता तथा और ना ही कोराना महामारी इतने बड़े स्तर पर प्रदेश में बड़ी होती परंतु प्रदेश सरकार तो पहले करोना वैक्सीन टीके की गुणवत्ता पर ही सवाल उठाते रहीतथा टीकाकरण शुरू करवाने में हील हवाला करती रही।

दैनिक नव प्रदेश — प्रदेश के साथ पूरा देश...

राजधानी

रायपुर, सोमवार, 12 अप्रैल 2021

न्यूज गैलरी

लॉक डाउन की अवधि में घर में रहें, सुरक्षित रहें : विधायक जुनेजा

रायपुर। विधायक एवं छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष श्री कुलदीप जुनेजा ने इस लॉक डाउन की अवधि में सभी लोगों से अपील की है के प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। प्रशासन का सहयोग करें।उन्होंने कहा कि बहुत ही आवश्यक काम हो, आपातकालीन परिस्थिति हो तभी घर से निकले अन्यथा कोई भी घर से बाहर ना निकले। श्री जुनेजा ने लोगों को मास्क लगाने एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने कहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जो करोना है उसकी स्थिति भयावह है इसका असर बच्चों पर भी पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अपने बच्चों और माता - पिता सहित अन्य सदस्यों को भी घर में ही रहने कहें। घर पर रहकर हीअपने परिवार की सुरक्षा करें।

राजधानी में 6 नया कंटेनमेंट जोन घोषित

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रायपुर द्वारा कोविड-19 के रोकथाम एवं नियंत्रण की दृष्टि से राजधानी में 6 और नए कंटेनमेंट जोन बनाए गए हैं। ये कंटेनमेंट जोन शहीद राजीव पांडेय नगर, खुशी वाटिका अमलीडीह, बरडिया विहार राजेंद्र नगर, ग्राम छपरीद विकासखंड आरंग, वार्ड क्रमांक-2 बीरगांव और शहीद नगर बीरगांव में बनाए गए है। इन सभी कॉन्टेन्टमेंट जोन में 5 से अधिक नया कोरोना पॉजिटिव केस पाए गए हैं।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी ने राज्यपाल सुश्री उइके का जन्म दिवस मनाया

रायपुर। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी छत्तीसगढ़ राज्य शाखा रायपुर के अध्यक्ष माननीया राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके का जन्म दिवस 10 अप्रैल को एक यादगार रूप में राज्य सचिव प्रदीप कुमार साहू एवं रेडक्रॉस की टीम जिला संगठक डॉ.शैलेन्द्र गुप्ता, गुरूशरण साहू , पी.एन.साहू नेत्र सहायक अधिकारी, रेडक्रॉस कांउसलर्स एवं वालेटियर्स आकाश गिरी गोस्वामी, चन्द्रकांत गजपाल, लोकेश कुमार बाघमार, खोमन लाल साहू, मोनिका सिन्हा, यामिनी सिन्हा, खोमश्वर यादव, खुश्बु सिन्हा ने उपस्थित होकर वृद्धाआश्रम में मास्क एवं फ्ल वितरण कर जन्म दिवस को सादगी पूर्ण मनाया गया राज्य सचिव प्रदीप कुमार साहू ने अपने हाथों से रानी बगीचा धमतरी में निवासरत कुष्ठ रोगियों एवं उनके परिजनों को मास्क एवं फ्ल वितरण किया गया साथ ही साथ कोविड-19 से बचने व सावधानी के संबंध में जागरूक किया गया। इस अवसर पर बुजुर्गों ने छत्तीसढ़ के राज्यपाल एवं अध्यक्ष इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी सुश्री अनुसुईया उइके के सुखद भविष्य व दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए आर्शिवाद प्रदान किया गया ।

एमआईसी सदस्य ने मंगल बाजार सामुदायिक भवन परिसर में पहुंचकर टीकाकरण कार्य का अवलोकन किया

रायपुर । नगर निगम रायपुर के दानवीर भामाशाह वार्ड क्रमांक 26 के पार्षद एवं एमआईसी सदस्य सुन्दर जोगी ने शासन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रारम्भ किये गये 45 वर्ष आयु अथवा उससे अधिक आयु के नागरिकों को कोरोना टीकाकरण के अभियान की प्रशासनिक व्यवस्था का प्रत्यक्ष अवलोकन वार्ड नम्बर 26 के तहत आने वाले मंगल बाजार सामुदायिक भवन परिसर में पहुंचकर किया एवं वार्डवासियों को अधिक से अधिक संख्या में पात्रता के अनुसार शीघ्र कोरोना टीका लगवाने एवं इस हेतु वार्ड एवं राजधानी शहर के अधिक से अधिक लोगों को समाज हित में जागरूक बनाने का अनुरोध किया 7 निगम एमआईसी सदस्य जोगी ने इस अवसर पर सभी वार्डवासियों सहित समस्त राजधानीवासियों से रायपुर जिला प्रशासन के टोटल लॉकडाउन प्रोटोकॉल नियमों का पूर्ण व्यवहारिक पालन शत - प्रतिशत रूप से करने का अनुरोध जनजागरूकता अभियान वार्ड क्रमांक 26 में चलाते हुए किया।

रेलयात्रा करने वाले यात्रियों के कोविड टेस्ट के संबंध में दिशानिर्देश जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में रेलयात्रा के माध्यम से छत्तीसगढ़ आने वाले यात्रियों हेतु कोविड टेस्ट के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किया गया है। इस संबंध में राज्य के सभी संभागायुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टरों एवं पुलिस अधीक्षकों को दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। जारी दिशानिर्देशानुसार नोवेल कोरोना वायरस के नये वेरियन्ट के संक्रमण पर नियंत्रण के परिप्रेक्ष्य में रेलयात्रा के माध्यम से छत्तीसगढ़ आने वाले सभी ट्रेनों के सभी यात्रियों की कोरोना जांच अनिवार्य रूप से की जाएगी। रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पहुंचने से पूर्व 72 घंटे के भीतर कराये गये कोरोन जांच टेस्ट की निगेटिव रिपोर्ट होना अनिवार्य होगा। जारी दिशा-निर्देश के अनुसार ऐसे यात्री जिनके पास निर्धारित समयावधि की कोरोना जांच टेस्ट रिपोर्ट नहीं होगी, उनकी कोविड टेस्ट जांच रेलवे स्टेशन पर की जाएगी।

निधन

पन्नालाल गौतम

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रेसक्लब के विशेष आमंत्रित सदस्य दैनिक स्वदेश समाचार पत्र समूह के पन्नालाल गौतम का शनिवार एम्स हास्पिटल में उपचार के दौरान निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार आज किया जाएगा। प्रेस क्लब परिवार के सदस्यों ने स्व. गौतम को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। ज्ञातव्य है कि स्व. गौतम ने अपने पत्रकारिक जीवन का सर्वाधिक हिस्सा दैनिक स्वदेश की सेवा में दिया था। जबलपुर मध्यप्रदेश निवासी स्व. गौतम ने अपना कैरियर दैनिक युगधर्म से शुरू किया था।

राज्य में बनने वाली आक्सीजन का 80 प्रतिशत आक्सीजन गैस के रूप में राज्य के अस्पतालों को पहले मिलेगा

मुख्यमंत्री के निर्देश पर महामारी अधिनियम के तहत अधिसूचना जारी

■ अत्यंत आवश्यक स्थिति में उद्योगों को प्रदान की जाने वाली 20 प्रतिशत आक्सीजन भी अस्पतालों को प्रदान की जायेगी

नवप्रदेश संवाददाता

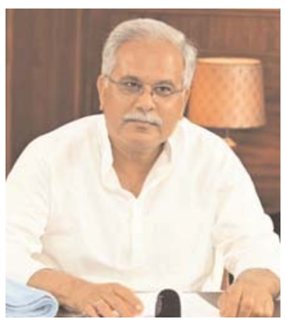

रायपुर। राज्य में उत्पादित होने वाली आक्सीजन का 80 प्रतिशत अब मेडिकल आक्सीजन गैस के रूप में राज्य के अस्पतालों को प्रदान किया जायेगा । राज्य में कोरोना संक्रमण की स्थिति को देखते हुए अस्पतालों में आक्सीजन की आवश्यकता को देखते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा महामारी अधिनियम के तहत इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी हैं ।

आदेश में यह भी कहा गया हैं कि अत्यंत आवश्यक स्थिति में उद्योगों को प्रदान की जाने वाली 20 प्रतिशत आक्सीजन भी अस्पतालों को प्रदान की जायेगी । स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव श्री सी आर प्रसन्ना द्वारा जारी आदेश में कहा गया हैं कि समस्त आक्सीजन गैस उत्पादन करने वाली संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि आक्सीजन गैस का उत्पादन निरंतर बिना रुकावट के अपनी पूर्ण क्षमता के साथ फैक्ट्री में किया जाए । राज्य के सभी संभाग आयुक्तों और जिला कलेक्टरों को इसे लागू करने के लिए सक्षम प्राधिकारी बनाया गया हैं।

संक्रमितो की संख्या 14098 पहुंची

■ उपचार के दौरान 97 की हुई मृत्यु, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव सर्वाधिक प्रभावित

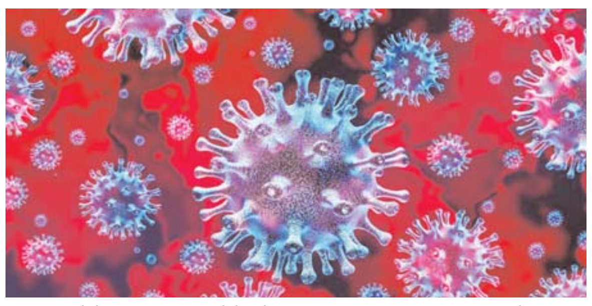

रायपुर। शहर सहित प्रदेश में इन दिनों कोरोना संक्रमितों की संख्या में एकाएक बढ़त के कारण हालात गंभीर हो गये हैं। प्रदेश में एक के बाद एक जिला कलेक्टरों द्वारा लॉक डाउन लगाया जा रहा है। वहीं कोरोना संक्रमितों की जान बचाने के लिए उपयोग में आने वाला प्रमुख इंजेक्शन रेमडेसीविर की कमी के चलते मारा मारी की स्थिति है। निजी अस्पतालों में भी उक्त इंजेक्शन उपलब्ध नहीं है। मेडिकल कॉम्प्लेक्स में जिन दुकानों में इंजेक्शन है वहां भी स्थिति आज भर बिक्री की बची है। कोरोना संक्रमितों की संख्या में लगातार वृद्धि के कारण रायपुर में 3797 मरीज कोरोना वायरस होने के कारण सरकारी एवं निजी अस्पतालों में मरीजों को जगह फुल होने का हवाला देते हुए भर्ती करने से इंकार किया जा रहा है। कोरोना वायरस कोविड-19 के द्वितीय चरण में गत 24 घंटे में पहली बार कोरोना संक्रमितों की संख्या 14098 पहुंची है। उपचार के दौरान 97 मरीजों की मृत्यु हुई। शनिवार रात 8 बजे जारी बुलेटिन के अनुसार विगत 24 घंटे में सर्वाधिक रायपुर 3797, दुर्ग 2272 एवं राजनांदगांव में 978 मरीज कोरोना संक्रमित दर्ज किये गये हैं। प्रदेश की राजधानी रायपुर की स्थिति इन दिनों काफी गंभीर है। वर्तमान परिस्थितियों के मद्देनजर कलेक्टर रायपुर द्वारा 10 दिवसीय लॉकडाउन लगाया गया है। कोरोना सेंटर के अनुसार प्रदेश में अब तक सर्वाधिक 4,32,776 कोरोना मरीज दर्ज किये गये हैं। अस्पताल से डिस्जार्ज होने वाले 107,830 मरीज है वही अब तक होम आईसोलेशन एवं हास्पिटल से डिस्जार्च होने वाले मरीजों की संख्या 2,34309 है। प्रदेश में 24 घंटे में होम आईसोलेशन से डिस्जार्च होने वाले मरीज 4603 एवं 24 घंटे में अस्पताल से डिस्जार्च होने वाले मरीज 65 है। सक्रिय मरीज 85860 है। जबकि 50,156 का कोरोना टेस्ट किया गया है।

जिलेवार कोरोना संक्रमितों के मामले निम्नानुसार है :-

दुर्ग-2272, राजनांदगांव-978, बालोद-385, बेमेतरा-381, कबीरधाम-538, रायपुर-3797, धमतरी-384, बलौदाबाजार-717, महासमुंद-533, गरियाबंद-193, बिलासपुर-895, रायगढ़-480, कोरबा-429, जांजगीर-चांपा-493, मुंगेली-198, पेण्ड्रागौरेला मरवाही-78, सरगुजा-194, कोरिया-138, सूरजपुर-235, बलरामपुर-68, जशपुर-250, बस्तर-149, कोण्डागांव-28, दंतेवाड़ा-28, सुकमा-14, कांकेर-229, बीजापुर-10, अन्य राज्य से 4 एवं नारायणपुर से एक भी मरीज नहीं पाया गया है।

होम आइसोलेशन के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

रायपुर। कलेक्टर डॉ एस. भारतीदासन के निर्देश पर रायपुर जिले में होम आईसोलेशन के दौरान किसी भी सहायता के लिए संपर्क करने कंट्रोल रुम स्थापित किया गया है। फ़ोन नं- 7880100313, 7880100314, 7880100315, 7566100284, 7566100283, 7566100285 है। होम आइसोलेशन वाले मरीजों को आपात स्थिति में हॉस्पिटल पहुंचाने हेतु एम्बुलेंस व्यवस्था हेतु सहायक नोडल अधिकारी श्री ए.ओ. लॉरी उप संचालक रोजगार फोन नं- 94063-46840, श्री डी.के. सिंह उप संचालक मत्स्य पालन विभाग फोन नं- 88397-78979 बनाया गया है। इसी तरह श्री कुन्दन सिंह डी.पी.एम., फोन नं- 86760-56184 सुबह 6 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक, श्री विक्रम सिंह, डी.पी.एम फोन नं- 91791-13793, श्री शिवेन्द सिंह डी.पी.एम., फोन नं- 98930-61946 ,दोपहर 12:00 बजे से शाम 06:00 बजे तक, श्री एच.आर. देवांगन, सहा. मत्स्य अधि.रायपुर फोन नं- 83193-82779, सुश्री अनुभूति देवांगन, सहा. मत्स्य अधि.रायपुर फोन नं- 86691-22430, श्रीमती सोनल सोनी, शिक्षक, फोन नं- 88399-24004, श्री प्रकाश दीवान, व्याख्याता, फोन नं- 98271-75990,शाम 6 बजे से रात 12 बजे तक, श्री सी.एल शर्मा सहा. परियोजना अधि. साक्षर भारत फोन नं- 98279-58846, श्री लोकेश वर्मा प्रभारी पढ़ना बढ़ना अभियान फोन नं- 9977-451981, श्री समर अब्बासी, सहायक शिक्षक, फोन नं-90396-58761,रात 12 बजे से सुबह 06 बजे तक की अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

संसाधनों की कमी नहीं होने देंगे, दृढ़ इच्छाशक्ति से करें मुकाबला : सीएम बघेल

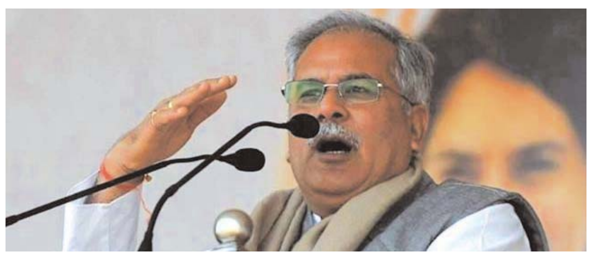

छत्तीसगढ़ में कोरोना से निपटने अब तक राज्य में 850 करोड़ आवंटित

रायपुर। कोरोना महामारी की शुरुआत से अब तक कोरोना नियंत्रण के विभिन्न उपायों के लिए छत्तीसगढ़ सरकार ने विभिन्न मदों से 853करोड़ रूपए से अधिक राशि का आवंटन किया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रशासनिक अमले से अपील की है कि वह दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ पीड़ित मानवता की सेवा करे। शासन -प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ संसाधनों की व्यवस्था और मानीटरिंग करेंगे। किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी।

उल्लेखनीय है कि विगत एक वर्ष में कोरोना से निपटने के लिए मुख्यमंत्री सहायता कोष से समस्त 28जिलों को 73.53 करोड़ रूपये आवंटित किए गये हैं ।इसके अलावा 300करोड़ रू.जांच,दवा तथा अन्य उपभोग्य सामग्रियों के लिए ,192करोड़ रू.स्टेट डिजास्टर रिलीफ़ फंड,185 करोड़ रू.नाबार्ड सहायता ,25करोड़ रू.लोक निर्माण विभाग,78करोड़ रू.केंद्र-राज्य शामिलाती सहायता के शामिल हैं।इस प्रकार जांच से लेकर कोविड अस्पतालों के विकास तक ,मरीजों की देखभाल ,दवा ,पोषण से लेकर मैदानी व्यवस्थाओं तक सभी कार्यों के लिए आर्थिक सहायता दी गई है।

मुख्यमंत्री बघेल ने मुख्यसचिव यथा अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्वास्थ्य)को निर्देश दिए हैं कि वे निरंतर मॉनीटरिंग करें । नियंत्रण और राहत के उपाय युद्ध स्तर पर सुनिश्चित किए जाएं। मैदानी स्तर पर पूर्ण सख्ती हो लेकिन जनता को सहानुभूति, सद्व्यवहार तथा सहयोग के साथ ही परिस्थितियों का सामना करने को तैयार किया जाए।सतत जनजागरण से संक्रमण की रोकथाम की जाए।

मंत्री रूद्रगुरू ने जिले के कलेक्टर्स समेत वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

जनप्रतिनिधि, समाज प्रमुख, समाज सेवी संगठन एवं व्यापारी संघ के प्रमुख हुए बैठक में शामिल

रायपुर। आज लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ग्रामोद्योग मंत्री गुरु रूद्र कुमार ने अपने प्रभारी जिले कोंडागांव, कांकेर और नारायणपुर के कलेक्टर्स के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले में कोविड-19 की स्थिति और वैक्सीनेशन को लेकर समीक्षा बैठक की। इस बैठक में उन्होंने जिले में चल रही कोरोना टेस्टिंग के आंकड़ों व अलक्षणिक मरीजों की ट्रेसिंग के संबंध में चर्चा की। मंत्री गुरु रूद्र कुमार जी ने बढ़ते मामलों को देखते हुए अस्पताल में बेड्स, वेंटिलेटर की संख्या बढ़ाने और ऑक्सिजन सप्लाई की स्थिति पर भी चर्चा की एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री गुरु रूद्र कुमार ने जिलेवार समीक्षा करते हुए संक्रमण के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए आगामी कार्य-योजना पर विस्तृत चर्चा की। साथ ही कोविड-19 के टीकाकरण को लेकर भी चर्चा की गई और अधिकारियों को अधिक से अधिक लोगों का टीकाकरण कराने के निर्देश दिए। बैठक में कोविड-19 संक्रमण के रोकथाम के लिए जिले में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी मांगी।

मंत्री गुरु रुद्र कुमार ने कहा कि नारायणपुर में वैक्सीनेशन की संख्या बढ़ाने की जरूरत है। यहां अन्य जिलों की तुलना में सबसे कम वैक्सीनेशन हुआ है। इसके लिए मंत्री गुरु रूद्र कुमार ने वैक्सीनेशन की गति को बढ़ाने के लिए तीन दिवस के भीतर जिला प्रशासन से रिपोर्ट मांगी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जहां कोविड-19 के मरीजों की संख्या कम है। वहां जिला प्रशासन निश्चित होकर ना बैठे सतर्क रहें और अन्य जिले से पहुंच रहे लोगों की लगातार जांच करते रहे। इसके साथ जिले के बॉर्डर पर बैरिकेट्स लगाने के भी निर्देश दिए हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई इस बैठक में कांकेर कोंडागांव नारायणपुर के अधिकारियों जनप्रतिनिधि प्रमुख समाज सेवी संगठन एवं व्यापारी संघ के प्रमुखों के साथ साथ कांकेर जिले के प्रभारी सचिव अंकित आनंद और कोंडागांव-नारायणपुर जिले के प्रभारी सचिव एवं एनएचएम की एमडी डॉक्टर प्रियंका शुक्ला जी मौजूद थी।

लॉकडाउन के दौरान सांई बाबा अस्पताल की ओर से एम्बुलेंस की विशेष सुविधा उपलब्ध

रायपुर-दुर्ग। कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकरण को देखते हुए विशेष पहल के अंतर्गत लॉकडाउन के दौरान साईं बाबा अस्पताल द्वारा एम्बुलेंस की विशेष सुविधा चालू की गई है। लॉकडाउन के दौरान आम जनता की तकलीफ़ को देखते हुए साईं बाबा आई हॉस्पिटल ने अस्पताल लाने तथा वापस पहुँचानें की यह सुविधा रायपुर तथा दुर्ग-भिलाई के आम लोगों के लिए शुरू की है जिसका विशेष उद्देश्य है की उपचार में किसी भी तरह की देरी न हो।

सामान्यतः आँखों की समस्याओं के लिए आम लोग लॉकडाउन के दौरान बाहर आने जाने की समस्या के कारण उपचार नहीं करवा पाते और यह समस्या देरी की वजह से बढ़ जाती है। खासकर बुजुर्गों के लिए आँखों संम्बंधित उपचार में देरी बहुत तकलीफ्देय हो जाती है। कई ऐसे बुजुर्ग होते हैं जिनका परिवार शहर से बाहर होने की वजह से आँखों संम्बंधित चिकित्सा सेवाएँ उन्हें तत्काल उपलब्ध नहीं हो पाती।

इन्ही सभी कारणों को देखते हुए साईं बाबा अस्पताल ने हेल्प एज समूह के सहयोग से नई पहल के अंतर्गत एम्बुलेंस की विशेष घर पहुँच सेवा की शुरुआत की है जिसके अंतर्गत मरीज़ को बिना किसी रोक टोक के घर से लाने तथा इलाज के पश्च्यात घर तक वापस पहुंचाने की सुविधा प्रदान की जा रही है। एम्बुलेंस सुविधा के अंतर्गत सुरक्षा हेतु सभी कोविद प्रोटोकॉल का पालन किया जाता है इसलिए यह संम्पूर्णतह सुरक्षित है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के लोगों ने कोरोना को हराने में झोंकी ताकत

■ कंटेनमेंट जोन का सर्वे कर रही टीम

■ कार्यकर्ता एवं सहायिका टीकाकरण के लियें कर रहीं प्रेरित

रायपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के सहयोग से घर-घर सर्वे का काम शुरु कर दिया हैं । टीम कांटेक्ट ट्रेसिंग साथ साथ घर घर सर्वे और 45 वर्ष से अधिक के लोगों को टीकाकरण कराने के लियें प्रेरित कर रही है । साथ ही इस दौरान लोगों को टीकाकरण के लिए जागरुक भी किया जा रहा है। टीकाकरण के लिए योग्य लोगों की रजिस्टर पर इंट्री कर नजदीकी के शासकीय स्वास्थ्य केंद्र पर टीकाकरण के लिए भी भेजा जा रहा है । जानकारी देते हुए पर्यवेक्षक रीता चौधरी ने बताया महिला एवं बाल विकास की कार्यकर्ताऐं एवं सहायिकाऐं अपने क्षेत्र में कोरोना के बढते संक्रमण को रोकने के लिये युद्धस्तर पर अपनी सेवाऐं दे रही है । महिला एवं बाल विकास की इस परियोजना में नगर निगम रायपुर के तीन ज़ोन आते हैं, जिसमें कुल छह वार्ड आते है । जोन एक में ठक्करबापा वार्ड, बाल गंगाधर तिलक वार्ड, नेताजी कन्हैयालाल बाजारी वार्ड, वही ज़ोन आठ में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम वार्ड, रामकृष्ण परमहंस वार्ड और ज़ोन दो में दानवीर भामाशाह वार्ड आता है । पर्यवेक्षक चौधरी ने कहा कार्यकर्ता एवं सहायिका क्षेत्र मे सर्वे के साथ साथ कंटेनमेंट जोन में ट्रेसिंग का काम भी कर रही हैं । कार्यकर्ता और सहायिका वैक्सिनेशन की मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) तक हितग्राहियों को वैक्सिनेशन कराने के लिये प्रेरित भी कर रही है । जिनकी आयु 45 वर्ष से ऊपर हैं उनको पर्ची वितरण कर रही है। उनको सामुदायिक भवन तक टीकाकरण करवाने के लिए ला भी रही है क्षेत्र के समस्त सामुदायिक भवन में टीकाकरण का कार्य किया जा रहा है जिसमें कार्यकर्ता एवं सहायिका घर घर पर जाकर जागरुक भी कर रही हैं ।

समस्त गतिविधियों की रिपोर्ट ज़ोन को प्रेषित की जा रही है । आंगनवाडी कार्यकर्ता श्रीमती लक्ष्मी तिवारी बताती है ''हम अपने क्षेत्र में कांटेक्ट सर्विलास का कार्य कर रहे है , यह कार्य आसान नही है लोग जानकारी देने में हिचक रहे है खुलकर नही बताते है, कोरोनावायरस के संक्रमण से ग्रसित लोग अगर जानकारी खुलकर बताएंगे तो प्रशासन मुस्तैदी के साथ संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए तत्पर रणनीति बनाकर कार्य करेगा । लोगों को कोविड-19 से डरना नहीं लड़ना होगा । कोविड के प्रति फैले दुष्प्रचार को रोकना होगा कोविड-19 को छुपाना नहीं है डॉक्टर को दिखाना है समय पर ट्रेसिंग होने से या स्वयं जानकारी को साझा करने से कोविड-19 से स्वयं के जीवन और दूसरों के जीवन को भी बचाया जा सकता है। भ्रमण के दौरान टीम द्वारा कोरोना से बचाव और नियंत्रण के लिए सामाजिक व्यवहार अपनाने जैसे मास्क पहने, सामाजिक दूरी बनाए रखें ,सैनिटाइजर का उपयोग करने के बारे में भी जागरूक कर रही है। जिले शहरी इलाके नगर निगम क्षेत्रों में बढ़ते कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण के लिए लोगों को सर्दी-खांसी सहित किसी भी तरह के लक्षण नजर आने पर मेडिकल से दवाइयां नहीं लेते हुए जांच कराने की समझाइश भी दी जा रही है।

संपादकीय

बंगाल में ये कैसा खूनी खेला

बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान पहले चरण के मतदान से शुरू हुआ हिंसा का दौर चौथे चरण के मतदान तक खूनी खेला मे बदल गया है। चौथे चरण के मतदान के दौरान कूच बिहार में एक मतदान केन्द्र पर टीएमसी कार्यकर्ताओं ने अशांति फैलाने की कोशिश की जिन्हे ड्यूटी पर तैनात सीआरपीएफ के जवानों ने रोकने का प्रयास किया तो टीएमसी समर्थक गुंडो ने सीआरपीएफ के जवानों पर हमला कर दिया, नतीजतन सीआरपीएफ को हवाई फायरिंग करनी पड़ी। इस झड़प के दौरान 4 लोगों की मौत हो गई। अब इसे लेकर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी केन्द्रिय गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साध रही है और यह आरोप लगा रही है कि उनके निर्देश पर सीआरपीएफ के जवान हिंसा फैला रहे है। जबकि हकीकत यह है कि खुद ममता बेनर्जी ने अपनी चुनावी सभा के दौरान टीएमसी समर्थकों को सीआरपीएफ का घेराव करने के लिए उकसाया था। दरअसल तीन चरणों के मतदान में जो बंपर वोटिंग हुई है उससे ममता बेनर्जी को अपनी पार्टी की हार साफ नजर आ रही है इसलिए वे बौखलाकर अपना आपा खो चुकी है और अपने समर्थकों को हिंसा के लिए भड़का रही है। उन्होने तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रस्सी से बांध कर पीटने की भी बात कही है । इसी से स्पष्ट है कि ममता बेनर्जी अपना मानसिक संतुलन खो चुकी है और बंगाल के चुनाव को हिंसक बनाने पर उतारू है। टीएमसी के गुंडे जगह-जगह तोड़ फोड़ कर रहे है और भाजपा नेताओं और कार्यकार्ताओं पर हमले कर रहे है। भाजपा प्रत्याशियों को भी निशाना बना रहे है। इससे वहां तनावपूर्ण स्थिति बनती जा रही है। कूच बिहार की घटना के बाद चुनाव आयोग ने बंगाल में और अतिरिक्त सशस्त्र बल की तैनाती का फैसला किया है ताकि बाकी के चार चरणों का मतदान शांतिपूर्वक कराया जा सके, किन्तु दीदी के तेवर को देखते हुए यही लगता है कि वे बाकी बचे चरणों के मतदान के दौरान भी इस तरह की घटनाओं को अंजाम देने के लिए अपने समर्थकों को उकसा सकती है। उनके खिलाफ चुनाव आयोग को कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए। ममता दीदी को समझना चाहिए कि हिंसा के बल पर जीत हासिल नहीं की जा सकती। उन्हे लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा रखना चाहिए।

विचार

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

यह फैसला तर्कसंगत नहीं

सर्वोच्च न्यायालय की यह बात तो बिल्कुल ठीक है कि भारत का संविधान नागरिकों को अपने 'धर्म-प्रचार' की पूरी छूट देता है और हर व्यक्ति को पूरा अधिकार है कि वह जिसे चाहे, उस धर्म को स्वीकार करे। हर व्यक्ति अपने जीवन का खुद मालिक है। उसका धर्म क्या हो और उसका जीवन-साथी कौन हो, यह स्वयं उसे ही तय करना है। यह फैसला देते हुए सर्वोच्च न्यायालय की एक पीठ के अध्यक्ष न्यायमूर्ति रोहिंगटन नारीमन ने अश्विन उपाध्याय की एक याचिका को खारिज कर दिया। उस याचिका में उपाध्याय ने यह मांग की थी कि भारत में जो धर्म-परिवर्तन लालच, भय, ठगी, तिकड़म, पाखंड आदि के जरिए किए जाते हैं, उन पर रोक लगनी चाहिए। धर्म-परिवर्तन पर रोक के कानून देश के आठ राज्यों ने बना रखे हैं लेकिन 1995 के सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले का हवाला देते हुए इस याचिका में मांग की गई थी कि शीघ्र ही एक केंद्रीय कानून बनना चाहिए। न्यायमूर्ति नारीमन ने न सिर्फ इस याचिका को रद्द कर दिया बल्कि यह कहा है कि याचिकाकर्ता इस याचिका को वापस ले ले, वरना अदालत उस पर जुर्माना ठोक देगी। अश्विन उपाध्याय बिदक गए और उन्होंने अपनी याचिका वापस ले ली। अब वे गृह मंत्रालय, विधि आयोग, विधि मंत्रालय और सांसदों से अनुरोध करेंगे कि वे वैसा कानून बनाएं। मेरी समझ में नहीं आता कि अश्विन उपाध्याय जज की धमकी से क्यों डर गए? वे जुर्माना लगाते तो उन्हें जुर्माना भर देना था और अपने मुद्दे को दुगुने उत्साह से उठाना था। अगर मैं उनकी जगह होता तो एक कौड़ी भी जुर्माना नहीं भरता और जज से कहता कि माननीय जज महोदय आप यदि मुझे जेल भेजना चाहें तो भेज दीजिए। मैं सत्य के मार्ग से नहीं हटूंगा। मैं जेल में रहकर अपनी याचिका पर बहस करुंगा और अदालत को मजबूर कर दूंगा कि देशहित में वह वैसा कानून बनाने का समर्थन करे। जस्टिस नारीमन से कोई पूछे कि दुनिया में ऐसे कितने लोग हैं, जिन्होंने समझ-बूझकर, पढ़-लिखकर और स्वेच्छा से किसी धर्म को स्वीकार किया है ? एक करोड़ में से एक आदमी भी ऐसा नहीं मिलेगा। सभी आंख मींचकर अपने मां-बाप का धर्म ज्यों का त्यों निगल लेते हैं। जो उसे चबाते हैं, वे बागी या नास्तिक कहलाते हैं। जो लोग भी अपना धर्म-परिवर्तन करते हैं, क्या वे वेद या बाइबिल या जिन्दावस्ता या कुरान या ग्रंथसाहब पढ़कर करते हैं ? ऐसे लोग भी मैंने देखे जरुर हैं लेकिन वे अपवाद होते हैं। ज्यादातर वे ही लोग अपना पंथ, संप्रदाय, धर्म या पूज्य-पुरुष परिवर्तन करते हैं, जो या तो भेड़चाल, अंधविश्वास या लालच या भय या ढोंग के शिकार होते हैं। मैं अंतरधार्मिक, अंतरजातीय, अंतरप्रांतीय विवाहों का प्रशंसक हूं लेकिन उनके बहाने धर्म-परिवर्तन की कुचाल घोर अनैतिक और निंदनीय है। इसीलिए अदालत के मूल भाव से मैं सहमत हूँ लेकिन उक्त याचिका पर उसका फैसला मुझे बिल्कुल तर्कसंगत नहीं लगता। इस मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय की किसी नई और बड़ी पीठ को विचार करना चाहिए।

प्रेम शर्मा

कोरोना बेक, भगदड़ और चुनाव

> देश के आठ राज्यों से 80 प्रतिशत मरीज आते हैं, पर यह भी सच है कि जब हवाई, रेल और सड़क यातायात जारी हों, तब वहां से संक्रमण के अन्य जगह फैलने की आशंका नकारा नही जा सकता। पिछले वर्ष वुहान को अगर समय रहते अंतरराष्ट्रीय हवाई उड़ानों से अलग-थलग कर दिया गया होता, तो दुनिया इस महासंकट में न फंसती। अब ऐसे में क्या अपने देश में भी कुछ दिनों में यात्रागत निषेध लागू किए जाएंगे? पिछले वर्ष के 68 दिन लंबे लॉकडाउन का हश्र हम सब देख चुके है। अब अगर दोबारा लंबा लॉकडाउन लगा, तो क्या होगा ? फिलहाल दिल्ली, गुजरात, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तर प्रदेश सहित तमाम राज्यों के शहरों में रात्रि कर्फ्यू या साप्ताहिक बंदी का एलान किया गया है।लगभग समूचा मध्य प्रदेश लॉकडाउन की चपेट में है। लेकिन केवल दमोह विधानसभा के उपचुनाव के चलते यहाँ ढील है। मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली से बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश पहुंचने वाली सभी ट्रेनें खचाखच भरी हैं।

भले ही शीर्षक कुछ अलग लग रहा हो लेकिन वास्तव इस बॉत पर अब पूरे देश में चितंन हो रहा है। कोरोना के बेक होने से कुछ राज्यों का जनजीवन पूरी तरह अस्तव्यस्त हो चला है। एक बार फिर बिना डण्डे वाली पलायन का घटनाक्रम शुरू हो चुका है लेकिन इस महामारी के दूसरे काल चक्र के परिणामों के बीच चार राज्यों में हुए चुनाव और रैली के उपरान्त उत्तर प्रदेश के पंचायती राज चुनाव की भीड़ रैली और हलचल ने कोरोना के दूसरे चरण को इतने हल्के में लेने के लिए सरकार की योजनओं और सोच पर प्रश्न चिन्ह लगाना शुरू कर दिया है। निश्चित तौर पर भारत में पिछ्ले वर्ष इस अवधि के दौरान सामान्य मौतों और सामान्य संख्या के बाद जिस तरह से कोरोना के खिलाफ जंग छेड दी थी वह स्थिति आज नही दिखाई पड़ रही है।

वैक्सीन के दोनो डोज लेने के बाद भी कोरोना ग्रस्त होने के कारण वैक्सीन को लेकर भी जनमानस में संशय की स्थिति बन रही है। एक तरफ गाईड लाइन के पालन का दबाव तो दूसरी तरफ चुनावी रैली, बसों और ट्रेनों में बिना मास्क बिना सोशल डिस्टेसिंग के क्षमता से कई गुना यात्रियों की यात्राओं को देखकर ऐसा लगता है कि कोरोना को लेकर देश में दोहरी मानसिकता काम कर रह है। रात्रि का लॉकडाउन और दिन में बाजारों की धक्कामार भीड़ देखकर ऐसा लगता है कि कोरोना 19 का दूसरा चक्र मानों कोई खतरनाक खेल है और इससे बचने और बचाने के लिए आमजनमास और सरकारी व्यवस्था के बीच खेल चल रहा है। कोरोना संक्रमितों की बढ़ती संख्या से सभी चिकित्सालय फुल्ल हो चुके है। मेडिकल कालेज के कुलपति से लेकर उत्तर प्रदेश के हजार के करीब चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ कोरोना की चपेट में आ चुके है उत्तर प्रदेश की चिकित्सा व्यवस्था पूरी तरह से पटरी से उतरी हुई है। हालत इतनी बुरी है कि राजधानी के नामी गिरामी चिकित्सालय बलरामपुर चिकित्सालय के अधीक्षक तक को कोरोना पॉजीटिव होने पर आठ घन्टे बाद इलाज मिल पाया कि दूसरी तरफ श्यामाप्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय के एक चिकित्सक तो इलाज के अभाव में अपने पिता को खोनें के गम में डूबे पड़े है। राजधानी में ही मौतों का सिलसिला ऐसा बढ़ा कि शवों को जलाने के

लिए टोकन और दस दस घन्टे की वेटिंग शुरू हो गई। यानि हालत बहुत बुरे है। इसके सापेक्ष सरकार की व्यवस्था की बॉत करे तो सरकार बयानों तक सीमित नजर आ रही है। मुख्यमंत्री के चुनावी दौरे के चलते भी प्रदेश की प्रशासनिक इकाई कुछ सुस्त रही यही नही तेजी से कोरोना का संक्रमण फैलने के बाद भी उत्तर प्रदेश में कोरोना के इस दूसरे कालचक्र के आधा माह बीत जाने के बावजूद कोई विशेष प्रयास न शुरू होना कोरोना के इस संक्रमण काल के साथ सरकार का एक खेल सा लग रहा है। उत्तर प्रदेश की राजधानी की बॉत कर तो यहॉ तो स्थिति इतनी बद्तर हो चली है कि चिकित्सालय तक सील कर दिए गए है। कोरोना संक्रमण के आंकडे पुराने तमाम रिकॉर्ड ध्वस्त करते आगे बढ़ रहे हैं, तो यही समय है, हमें परस्पर सहयोग और संवाद की प्रक्रिया तेज कर देनी चाहिए। इसी दिशा में प्रधानमंत्री की ताजा पहल को देखा जाना चाहिए। संवाद के जरिए परस्पर विश्वास बढ़ाते हुए ही संघर्ष की बुनियाद तैयार होती है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों की बैठकों का विशेष महत्व है, जिनसे न सिर्फ कोरोना योद्धाओं, बल्कि आम लोगों का भी मनोबल बढ़ता है।

बेशक, ऐसी कोई जादू की छड़ी नहीं, जिसे घुमाते ही कोरोना का लोप हो जाए, लेकिन अगर हम सजग हुए, एक-दूसरे के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील हुए, तो हम इस जंग को जल्दी जीत लेंगे। इस सप्ताह की शुरुआत में ही प्रधानमंत्री ने देश में कोविड टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की थी, अब उन्होंने मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की है, तो समस्या की गंभीरता को समझा जा सकता है। लेकिन इस बीच जनमानस के बीच जो सवाल खड़े हो रहे है उनका जवाब सरकार को सतर्कता के साथ देना चाहिए। एक सवाल यह कि जि राज्यों में चुनाव हैं, क्या वहां कोरोना नहीं है ? क्या पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु में कोरोना नहीं है ? क्या चुनाव या चुनाव प्रचार के दौरान मास्क जरूरी नहीं है ? क्या रात में लॉकडाउन का कुछ फायदा मिलेगा ? क्या एक दिन छोड़कर एक दिन लॉकडाउन लगाएगी सरकार ? इन प्रश्नों के जबाब अब जनता ने तलाशने शुरू कर दिए है। प्रधानमंत्री के स्तर पर होने वाली बैठकों में न सही, मंत्री और अधिकारी स्तर की बैठकों में इन सवालों के जवाब खोजना अब जरूरी हो गया है। कई राज्य केन्द्र पर उपेक्षा का आरोप लगा रहे है। पिछ्ले दिनों महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश सहित कई अन्य राज्यों से जो अस्पतालों और मरीजों की तस्वीरें वायरल हुई वह खौफ पैदा करने वाली है। हम अगर पिछ्ले वर्ष के इन दिनों को याद करें। हर ओर लॉकडाउन था। अप्रैल, 2020 में कुलजमा संक्रमितों की संख्या 33 हजार ही थी, पर खौफ इतना कि लोग पैदल ही हजारों किलोमीटर पलायन कर रहे थे। 11 अप्रैल 2021 के प्रकाशित आंकडे की बॉत करे तो एक दिन में डेढ़ लाख केस मिलना और देश में कुल संक्रमितों की संख्या 1.32 करोड़ इनमें से 1.19 करोड़ का ठीक होना, 1,68,436 मौते होना कोई सामान्य क्रम नही है, अगर यही हाल रहा, तो हो सकता है कि मृतकों के मामले में शीर्ष पर चल रहा ब्राजील भी हमसे पीछे रह जाए। हालात इतने बदतर हैं कि महाराष्ट्र,उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ ने अपना पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पश्चिम बंगाल में सभी शीर्षस्थ नेताओं की रैलियां हो रही हैं, जिनमें भारी भीड़ कोरोना प्रोटोकॉल की धज्जियां उड़ाती देखी जा चुकी है। असम में इसी हफ्ते खत्म हुए चुनाव से पहले ऐसा ही हाल था। सवाल यह कि जनता के हित की दावेदारी करने वाले जिम्मेदार नेताओं ने जान-बूझकर मतदाताओं को इस खतरे में क्यों डाला ?

योगेश कुमार गोयल

न्यायिक व्यवस्था में मिसाल बनेंगे न्यायमूर्ति रमना!

> शीर्ष अदालत ने नवम्बर 2019 में अपने एक फैसले में कहा था कि जनहित में सूचनाओं को उजागर करते हुए न्यायिक स्वतंत्रता को भी दिमाग में रखना होगा और जस्टिस रमना पांच जजों की उस संवैधानिक पीठ का भी हिस्सा थे, जिसने उस दौरान अपने फैसले में कहा था कि भारत के मुख्य न्यायाधीश का कार्यालय सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत सार्वजनिक प्राधिकरण है। वे शीर्ष अदालत की पांच जजों वाली उस संविधान पीठ का भी हिस्सा थे, जिसने अरूणाचल प्रदेश में वर्ष 2016 में कांग्रेस की सरकार को बहाल करने का आदेश दिया था। उन्होंने जम्मू-कश्मीर प्रशासन को प्रतिबंध के आदेशों की तत्काल समीक्षा करने का निर्देश भी दिया था। विगत कुछ वर्षों में उनका सबसे चर्चित फैसला जम्मू कश्मीर में इंटरनेट बहाली का था।

महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की स्वीकृति के बाद न्यायमूर्ति नथालापति वेंकट रमना भारत के 48वें मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) होंगे। 64 वर्षीय जस्टिस रमना 24 अप्रैल को देश के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेंगे। दरअसल मौजूदा मुख्य न्यायाधीश एस ए बोबड़े का कार्यकाल 23 अप्रैल को पूरा हो रहा है और अपने उत्तराधिकारी के रूप में उन्होंने पिछले महीने न्यायमूर्ति एनवी रमना के नाम की सिफारिश की थी। नियमानुसार मौजूदा मुख्य न्यायाधीश अपनी सेवानिवृत्ति से एक महीने पहले केन्द्रीय कानून मंत्री को एक लिखित पत्र भेजकर नई नियुक्ति के लिए सिफारिश करते हैं। कानून मंत्री सही समय पर मौजूदा मुख्य न्यायाधीश से उनके उत्तराधिकारी का नाम मांगते हैं और मुख्य न्यायाधीश नियमानुसार प्रायः उच्चतम न्यायालय के सबसे वरिष्ठ जज के नाम की सिफारिश भेजते हैं। अनुशंसा पत्र मिलने के बाद कानून मंत्री इसे प्रधानमंत्री के समक्ष रखते हैं, जिनकी सलाह पर राष्ट्रपति नए मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करते हैं। चीफ जस्टिस ने कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद को लिखे पत्र में जस्टिस एनवी रमना को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के लिए सबसे उपयुक्त बताया था।

न्यायमूर्ति रमना की नियुक्ति को लेकर सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि उनके नाम की अनुशंसा जस्टिस बोबड़े द्वारा उस दिन की गई, जिस दिन उच्चतम न्यायालय के पैनल ने जस्टिस रमना के खिलाफ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज करने के फैसले को सार्वजनिक किया था। बहरहाल, राष्ट्रपति की स्वीकृति के पश्चात् अब जस्टिस एनवी रमना ही देश के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे। उनका कार्यकाल डेढ़ वर्ष से भी कम समय का होगा, वे 26 अगस्त 2022 को इस पद से सेवानिवृत्त होंगे। इस प्रकार वे महज 16 महीने तक ही इस महत्वपूर्ण पद पर रहेंगे। दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रह चुके न्यायमूर्ति रमना 17 फरवरी 2014 से सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में कार्यरत हैं और वरिष्ठता के आधार पर वह सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान न्यायाधीशों में जस्टिस बोबड़े के बाद दूसरे सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं।

27 अगस्त 1957 को आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के पोन्नवरम गांव में एक किसान परिवार में जन्मे न्यायमूर्ति रमन्ना ने विज्ञान और वकालत में स्नातक किया है। वकालत करने के बाद जीविकोपार्जन के लिए उन्होंने करीब दो साल तक एक तेलुगु दैनिक अखबार में संपादकीय कार्य किया और वकालत कैरियर की शुरूआत 10 फरवरी 1983 को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में एक वकील के तौर पर की। उसके बाद वे आंध्र प्रदेश के अतिरिक्त एडवोकेट जनरल भी बने। 27 जून 2000 को आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के स्थायी जज के तौर पर उनकी नियुक्ति हुई। 13 मार्च 2013 से 20 मई 2013 के दौरान न्यायमूर्ति रमना आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश भी रहे और 2 सितम्बर 2013 को पदोन्नति के बाद उन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। 17 फरवरी 2014 को न्यायमूर्ति एन वी रमना सर्वोच्च न्यायालय के जज बने। जस्टिस रमना आंध प्रदेश हाईकोर्ट के पहले ऐसे न्यायाधीश होंगे, जो भारत के मुख्य न्यायाधीश बनेंगे। हालांकि तेलुगू भाषियों की बात की जाए तो वे सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बनने वाले दूसरे ऐसे न्यायाधीश होंगे। जस्टिस एनवी रमना से पहले के सुब्बा राव भारत के चीफ जस्टिस रह चुके हैं। ब्रिटिश शासनकाल के दौरान 15 जुलाई 1902 को मद्रास प्रेसीडेंसी में जन्मे सुब्बा राव 30 जून 1966 से 11 अप्रैल 1967 तक देश के मुख्य न्यायाधीश रहे थे। जस्टिस रमना अपने अब तक के कार्यकाल में अपने कई महत्वपूर्ण फैसलों को लेकर काफी चर्चित रहे हैं लेकिन सर्वाधिक चर्चा में वह आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर रहे हैं। दरअसल मुख्यमंत्री रेड्डी ने उन पर आरोप लगाया था कि वह आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के साथ मिलकर सरकार गिराने का प्रयास कर रहे हैं। रेड्डी ने अमरावती जमीन घोटाले में भी जस्टिस रमना के परिवार के कुछ सदस्यों की भूमिका का आरोप लगाया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने आंतरिक जांच के बाद मुख्यमंत्री की इस शिकायत को खारिज करते हुए उनके आरोपों को झूठा, तुच्छ, आधारहीन और गलत करार देते हुए इसे न्यायपालिका को धमकाने का प्रयास बताया। न्यायमूर्ति रमना ने अपने अभी तक के कार्यकाल में देश की शीर्ष अदालत में कई हाई प्रोफाइल मामलों को सुनवाई की और उनके ऐसे कई फैसले काफी चर्चित रहे। ऐसे ही कुछ फैसलों में जम्मू-कश्मीर में इंटरनेट की बहाली, सीजेआई कार्यालय को सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत सार्वजनिक प्राधिकरण बताना, जम्मू-कश्मीर प्रशासन को प्रतिबंध के आदेशों की तत्काल समीक्षा करने का निर्देश देना इत्यादि शामिल थे।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

मुझे लगता है

मुझे लगता है किचन और गार्डेन का प्यार ही सच्चा प्यार है वे एक दूसरे को आगे बढ़ने अपने गुणों का विस्तार करने के लिए हर घड़ी प्रेरित करते रहते हैं। कभी किचन का प्यार खाद के रूप में गार्डन को तोहफ़ेमें जाता है तो कभी गार्डन नए नए तरह के तोहफ़े किचन को भिजवाता है। एक दूसरे के बिना ये दोनों ही कुछ अधूरे से लगते हैं।

- निभा चौधरी

अपनी हसीं पर अब

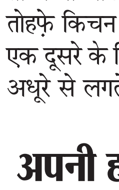

अपनी हसीं पर अब पाबंदी नहीं,खुद के लिए खिलखिलाना चाहती हूं। जो छूट गया ,वो दर्द की इन्तहा थी ,अब बिसराना चाहती हूं। बहुत हुआ अब रह का पत्थर नहीं,अपने वजूद पर इतराना चाहती हूं। मैं खुद में पत्थर की नीव हूं,यह तंगदिल को समझाना चाहती हूं।

- मीनू वौहरा

खास पाती

तुम्हें डर है कि मैं फकीरों

तुम्हें डर है कि मैं फकीरों और भिक्षुओं की बातें क्यों करता हूँ ?मुझे चिकने चेहरे और खिले हुए फूल क्यों नहीं नज़र आते कविताओ के लिए तो मेरी दोस्त सुनो !ये बस झोंका हैं हवा का आज हैं , कल नहीं होंगे ये दर्द , तकलीफकराहते चेहरे, मेरे हमदर्द हैं मुझे इन्हे चिकना और खुशनुमा बनाना है इन के संग मुस्कुराना है जानती हो तुम जब कोई रोते-रोते हँसकर वाह कहता है तब मैं , उस जैसा हो जाता हूँ उसका अपना हो जाता हूँ और अपनत्व से बड़ा कोई उपहार नहीं होता। - **केदार नाथ शब्द मसीहा**

रोको मत बस उड़ने दो

रोको मत बस उड़ने दो बचपन को जी लेने दो बागों से इनको कुछ अमिया तो चुन लेने दो रोको मत बस उड़ने दो बचपन को जी लेने दो नुक्कड़ पर जाकर इनको कुछ हाहाहीही करने दो रोको मत बस उड़ने दो बचपन को जी लेने दो ये लम्हा जो चला जाएगा लौटकर नहीं फिर आएगा इस बचपन को आँखों में कुछ रंग सपनों के भरने दो रोको मत बस उड़ने दो बचपन को जी लेने दो भीगने दो बारिश में इनको कागज़ की नाव चलाने दो रोको मत बस उड़ने दो बचपन को जी लेने दो। - **शिल्पी अग्रवाल**

अब न रुत ही है

अब न रुत ही है सुहानी न कोई मंज़र है हर तरफ खून, कि पानी न कोई मंज़र है रोज़ दादी से सुना करते थे बच्चे जिसको गुम वो दादी की कहानी न कोई मंज़र है पहले अठखेलियाँ करती थी नदी सागर सँग अब हुई नदिया सयानी न कोई मंज़र है पत्तों से धूप का छनकर चले आना अक्सर दश्त की वो निगेहबानी न कोई मंज़र है 'भवि' का अल्हड़पना है याद सभी को लेकिन वो न पहले सी दिवानी न कोई मंज़र है।

- शुचि 'भवि'

जिसे पत्थर समझ फेंकों वो चीजें

जिसे पत्थर समझ फेंकों वो चीजें रत्न होती हैं। हकीकत में जिसे चाहो वो बातें स्वप्न होती हैं। बड़ा सा एक कब्रिस्तान है छोटे से इस मन में, हजारों ख्वाहिशें हर रोज जिसमें दफ्न होती हैं।

- इति शिवहरे

डियर उम्मीद जगे रहना आखिरी सांस

डियर उम्मीद जगे रहना आखिरी सांस तक, उस हद तक जब सब की उम्मीद टूट जाए और तुम मेरे साथ बने रहना साथ देना हर उस मोड़ पर जहां मैं खुद अपना साथ छोड़ दूं, बस बने रहना मेरे साथ हर कठिन मोड़ पर, ताकि मैं फिर उठ खडा हो पाऊं।

- श्री कांत गुप्ता

बंगाल मे मुखयमंत्री के हार

बंगाल मे मुखयमंत्री के हार का भी रिकार्ड रहा है। पश्चिम बंगाल मे 1967 विधान सभा चुनाव मे मुख्यमंत्री प्रफुल्ल के हार के साथ ही बंगाल से कांग्रेस साफ ,2011 मे मुख्यमंत्री बुद्धदेव के साथ पूरी उनकी पार्टी की करारी हार हुई अब 2021 मे देखिये क्या होता है।

- एड. अरूण कुमार गुप्ता

रैलियां,जनसैलाब,ये जुड़ी जाती

रैलियां,जनसैलाब,ये जुड़ी जाती है कोरोना पतलून, ढ़ीली हो जाती है। महज लक्ष्य कुर्सी है मंत्रियों के गरीबी में आटा गीली हो जाती है। आपदा में भी , अवसर देखो उनके कोरोना भी भीगी बिल्ली हो जाती है । नेताओं का भीड़ से ऐसा नाता है कि बांछें उनकी खिली जाती है ।

- सुरेश वैष्णव

QUIZ TIME

1) 8839 फीट ऊंची अनाई मुडी किस पर्वत-श्रृखंला की सर्वोच्च चोटी है?
2) स्वीडिश कैमिस्ट जे.ए. अर्फ्वेडसन द्वारा 1817 में अविष्कृत किस तत्व का नाम ग्रीक शब्द 'स्टोनी' से व्युत्पन्न है?
3) मैमथ और मैस्टॅडॉन किस भू-स्तनपायी के पूर्वज थे?
4) 1907 में थॉमस हंट मॉर्गन द्वारा जिनेटिक अनुसंधान के लिए प्रयोग की वस्तु के रूप में प्रयुक्त पहला कीड़ा कौन-सा था?
5) 1930 में ब्रेडमैन ने किस अंग्रेज बल्लेबाज का 5 टैस्टों में 905 रनों का रिकॉर्ड तोड़ा था?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) पश्चिमी घाट (2) लीथियम (3) हाथी (4) फ्रूटफ्लाई / ड्रोसोफिला (5) वाल्टर हैमंड

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1621 - सिख गुरु तेग बहादुर का जन्म। 1801 - विलियम क्रे को कलकत्ता (अब कोलकाता) के फोर्ट विलियम कॉलेज में बंगाली भाषा का प्रोफेसर नियुक्त किया गया। 1861 - अमेरिका में गृह युद्ध की शुरुआत। दक्षिण के ग्यारह राज्यों ने जैफ़रसन डेविस के नेतृत्व में अमरीका से अलग परिसंघ बनाने की घोषणा के साथ आज़ादी की लड़ाई छेड़ दी। 1885 - मोहनजोदड़ो की खोज करने वाले प्रसिद्ध इतिहासकार राखलदास बनर्जी का जन्म। 1927 - ब्रिटिश कैबिनेट ने 21 वर्ष की महिलाओं को मतदान करने का अधिकार देने का समर्थन किया। 1928 - जर्मन विमान ब्रेमेन ने अटलांटिक महासागर के पूर्व से पश्चिम की ओर पहली सफल उड़ान भरी। 1945 - अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट की कार्यालय में मृत्यु, उप राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन राष्ट्रपति बने। 1946 - सीरिया पर फ्रांस का कब्जा समाप्त हुआ। 1955 - डॉ जोंस साक द्वारा विकसित पोलियो वैक्सीन को सुरक्षित और प्रभावी घोषित किया गया। 1961- सोवियत संघ ने पहले मनुष्य यूरी गैगरीन को अंतरिक्ष में भेजा। 1973- सूडान ने अपना संविधान बनाया। 1975- अमेरिका ने कंबोडिया में अपनी हार स्वीकार कर ली। कंबोडिया के गृह युद्ध में पांच साल तक हस्तक्षेप करने के बाद अमेरिका ने अपने आपको लड़ाई से अलग किया। 1978 - भारतीय रेलवे के 125 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देश की पहली डबल डेकर ट्रेन भसहगढ़ एक्सप्रेस बाम्बे (अब मुम्बई) के विक्टोरिया टर्मिनल से पुणे तक चलायी गयी।

11_Nav pradesh Page_05.qxd 11/04/2021 8:35 PM Page 1

दैनिक नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

■ न्यूज गैलरी

कोविड हास्पिटल में अतिरिक्त सुविधाएं बढ़ाये जाने को लेकर पालिका अध्यक्ष ने सौंपा कलेक्टर को ज्ञापन

गरियाबंद (नव प्रदेश)। जिला मुख्यालय में स्थित कोविड-19 हास्पिटल में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार को लेकर शनिवार को नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन ने कलेक्टर नीलेश क्षीर सागर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नपा अध्यक्ष मेमन ने कहा है कि जिले में कोविड-19 कोरोना का संक्रमण लगातार बढ़ने के कारण मरीजो की संख्या में लगातार वृध्दि हो रही है जिसके कारण जिला मुख्यालय कोविड हॉस्पिटल (लाईवलीहुड कॉलेज) में भर्ती मरीजो को आवश्यकतानुसार चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पा रहा है । जिसके कारण मरीजो को कई प्रकार की कठिनाईयों से गुजरना पड़ रहा है । उक्त परेशानियों को दृष्टिगत रखते हुए कोविड-19 हॉस्पिटल में अतिरिक्त सुविधाएं बढ़ाया जाना आवश्यक है । वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए कोविड हॉस्पिटल में आक्सीजन युक्त 100 बिस्तर की व्यवस्था तथा आईसोलेशन हेतु 500 बिस्तर की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा कोविड-19 से संक्रमित मरीजो को 24 घंटे भर्ती कराये जाने की सुविधा भी प्रदान की जाए।

1 फीट चौड़ाई से आठ लाख की नाली निर्माण कर बचत राशि की बंदरबांट

देवभोग (नव प्रदेश)। ग्राम पंचायत केकराजोर में 14 वें वित्त मद की गाइड लाइन के विपरीत नाली निर्माण कर बचत राशि को बंदरबांट करने का मामला इन दिनों सुर्खियों पर है। बावजूद इसके जनपद के जिम्मेदार अब तक गंभीर दिखाई नहीं पड़ रहे हैं। जानकारी अनुसार इस ग्राम पंचायत को बीते सत्र पर 14वें वित्त मद के तहत सरकार द्वारा 11 लाख रुपए आवंटित किया गया रहा। ताकि स्वच्छता पेयजल के साथ एक्शन प्लान में लिए गए कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जाए ।मगर अफसोस की बात है सरपंच सचिव ने पूरी नियम को धत्ता दिखाते हुए सिर्फ आठ लाख की नाली निर्माण कराने की बात कहकर बजट राशि को बंदरबांट कर लिया है। हालांकि बंदरबांट की राशि को तरह तरह का कार्य होना बताया जाता है। लेकिन जमीनी स्तर पर वह कार्य बिल्कुल भी नहीं हो पाया है ।इसके साथ सिर्फ 1 फीट चौड़ाई और 300 मीटर लंबाई की नाली पर 8 लाख खर्च नहीं होने का दावा भी किया जा रहा है। मतलब सरपंच सचिव द्वारा नाली निर्माण में भी कांटा मारी किए जाने का आरोप लगाया जा रहा है। जिसकी चर्चा गांव में आम हो गई है। सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि सरकार ऐसे फर्जीवाड़ा रोकने के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू की है। जिसमें कार्य की प्रगति फोटोग्राफ्स एफ टी ओ के माध्यम से संबंधित वेंडर के खाते में पैसा ट्रांसफर किया जाता है । लेकिन सरपंच सचिव तमाम हथकंडे अपनाकर वेंडर से सांठ गांठ करते हुए कागज पर काम दिखाकर आसानी से राशि आहरण कर लेते हैं। यह सबसे बड़ी विडंबना ग्रामीणों द्वारा बताया जाता है ।और ऐसे ही ग्राम पंचायत केकराजोर मैं भी हुआ है। जिसे लेकर सरपंच सचिव भी दबी जुबान में स्वीकार रहे हैं। और लीपापोती करने का भी भरसक प्रयास में लगे हुए हैं ।हालांकि बंदरबांट किए गए राशि को लेकर पंचायत के ग्रामीण पत्राचार के माध्यम से जिला पंचायत सीईओ से शिकायत कर जांच एवं कार्यवाही की मांग करेंगे क्योंकि सरपंच सचिव अपने स्वार्थ साधने के लिए गांव की मूलभूत सुविधा को दरकिनार कर आठ लाख का मलाईदार कार्य नाली निर्माण करा लिया है।

हमने आठ लाख की लागत से नाली निर्माण कराया है और बचत राशि इधर से उधर खर्च हुई है। - हंसराज यादव
सचिव ग्राम पंचायत केकरा जोर

तरौद में सामने आया बाल विवाह

प्रेम प्रसंग के चलते नाबालिक अपने गुरु को साक्षी मानकर बन गए थे पति पत्नी प्रशासन ने किया हस्तक्षेप

बालोद (नव प्रदेश)। बालोद ब्लॉक के ग्राम तरौद में आज उस वक्त प्रशासन हरकत में आ गई जब पता चला कि वहां चोरी-छिपे प्रेम प्रसंग के चलते धार्मिक आस्था से जुड़कर गुरु को साक्षी मानकर प्रेम विवाह कर लिया गया है। लेकिन दोनों ही लड़का और लड़की नाबालिक है। मामले की जानकारी मिलने के बाद प्रशासन की टीम गांव आ धमकी और दोनों पक्षों को बुलाकर काउंसलिंग की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी सीमा सिंह, सहित तहसीलदार रश्मि वर्मा व बाल संरक्षण से नरेंद्र साहू सहित बालोद थाने की टीम इस मामले को सुलझाने के लिए पहुंची थी। दरअसल में मामला बाल विवाह के साथ साथ प्रेम प्रसंग का भी था। लड़की इसी गांव से है। जिसकी उम्र 17 साल 2 माह है तो लड़का बलौदा बाजार का है ।जिसकी उम्र 19 साल 2 माह है। दोनों की अभी शादी की उम्र नहीं हुई है। 1 माह पहले ही दोनों की पहचान हुई थी। बलौदा बाजार का लड़का तरौद के ही एक ईंट भट्ठा में काम करता है। इस दौरान दोनों के बीच प्रेम प्रसंग हुआ जब परिजनों को इस बात की जानकारी हुई तो दोनों शादी करने के लिए राजी थे। तो परिजनों ने भी सहमति दे दी पर उम्र ना होने के बाद भी दोनों ने गुरु घासीदास बाबा के छवि चित्र के सामने उन्हें साक्षी मानकर मंगलसूत्र पहन लिया व चूड़ी भी पहना दी और पति-पत्नी की तरह रहने लगे। इस बात की जानकारी प्रशासन तक पहुंची। उम्र ना होने के चलते यह बाल विवाह का प्रयास माना गया और प्रशासन ने दोनों पक्षों को बुलाकर चेतावनी दी कि ऐसा नहीं कर सकते। जब उम्र होगी तभी वे साथ रह सकते हैं। तभी ये शादी मान्य होगी जिसके बाद दोनों पक्ष राजी हुए और लड़की को परिजन अपने घर ले गए तो वही लड़का अपने घर अपने परिवार के सदस्यों के साथ चला गया। जब उम्र होगी तब वे अधिकृत शादी करेंगे। बता दें कि इसके पहले भी दो और बाल विवाह रुकवाए गए थे। एक घटना ग्राम सिब्दि सुरेगांव थाना क्षेत्र में हुई थी तो दूसरी घटना बालोद के ओरमा में। हालांकि उन घटनाओं में शादी होने वाली थी।

निधन

तीजबती साहू

खरोरा (नव प्रदेश)। ग्राम लखना निवासी तीजबती साहू पति रामलाल साहू का आकस्मिक निधन हो गया जिनका अंतिम संस्कार ग्राम के मुक्तिधाम में किया गया 7 वे लखना के पूर्व सरपंच की माँ एवं उपसरपंच माखन साहू की चाची थी। अंतिम संस्कार मे कोविड का पालन करते हुए सिमित संख्या मे लोग शामिल रहे।

कोविड का अनुभव | **अस्पताल में सेवारत डाक्टरों ने बताया कैसे बचे संक्रमण से**

चिकित्सकों ने बताए कोविड अस्पताल के अपने अनुभव

नव प्रदेश संवाददाता

कवर्धा। कोविड महामारी के दौर में चिकित्सकों की सेवाओं ने लोगों को जीवन दान देने का काम किया है। अनेक प्रकरणों में देखा गया है कि कोरोना संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आने से उनके ही परिजन डरकर साथ छोड़ देते हैं ऐसे में मरीजों के सीधे संपर्क में रहकर उनकी देखभाल और उपचार का बीड़ा चिकित्सक व उनकी टीम द्वारा उठाया जा रहा है। कवर्धा के कोविड अस्पताल में सेवाएं देने वाले ऐसे ही चिकित्सकों ने मरीजों को लेकर अपने अनुभव साझा किया है।

कोविड हॉस्पिटल जब से आरम्भ हुई है तब से डॉ विवेक चंद्रवंशी अपनी सेवाएं यहां दे रहे हैं। हाल ही में इनकी ड्यूटी समय पर 3 गर्भवती कोरोना संक्रमित महिलाओं का प्रसव कराया गया। जच्चा-बच्चा स्वस्थ हैं और राहत भरी खबर यह है कि तीनों बच्चे कोविड नेगेटिव हैं। डॉ चन्द्रवँशी कहते हैं कि टीम वर्क का हमेशा फायदा मिलता है और कोरोना महामारी जैसे तनाव पूर्ण दौर में भी हम कोविड अस्पताल में समन्वय व सेवाभाव से कार्य कर रहे हैं , इसी का परिणाम है कि हम 3 सुरक्षित प्रसव कराने में सफल हो पाए।

डॉ आशीष मिश्रा कोविड अस्पताल में पिछले दिनों घटित एक वाकया याद करते हुए बताते हैं कि लगभग 60 वर्ष को बुजुर्ग को कोरोना संक्रमित होने व स्थिति काफी गम्भीर होने के कारण कोविड अस्पताल में भर्ती कराया गया। उक्त बुजुर्ग सांस नही ले पा रहे थे और उनकी इच्छा शक्ति भी काफी कमजोर पड़ने लगी थी। वे बार-बार अपने अंतिम समय होने और बच्चों से मिलने की जिद कर रहे थे। उस वक्त मैंने व मेरी मेडिकल टीम ने उन बुजुर्गवार की काउंसलिंग की, उन्हें जीवन के प्रति आशान्वित किया और हमें भी अपने बच्चों के जैसा समझकर इलाज में साथ देने के लिए निवेदन किया। तकरीबन 2 घण्टे के बाद उनकी स्थिति सामान्य होने लगी और खुशी बात यह रही कि पूर्ण स्वस्थ होकर दो दिन पहले ही वे अपने बच्चों के पास वापस घर लौट गए। डॉ मिश्रा कहते हैं कि किसी भी बीमारी या विपरीत शारीरिक परिस्थिति में मरीज के इच्छा शक्ति का बहुत प्रभाव पड़ता है।

हर व्यक्ति को कोरोना टीका लगाना जरूरी: डॉ. चंद्राकर

नव प्रदेश संवाददाता

जांजगरी चांपा। जिला कांग्रेस कमेटी जांजगीर चांपा के अध्यक्ष डॉक्टर चौलेश्वर चंद्राकर ने वैश्विक महामारी कोरोना के बढ़ते कदम पर चिंता जाहिर करते हुए जिला जांजगीर चांपा में कोरोना वैक्सीन की एक लाख शीशी अर्थात 10 लाख टीका की मांग केंद्र सरकार सहित छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार से की है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा है कि छत्तीसगढ़ का जिला जांजगीर चांपा एक ऐसा जिला है जहां सर्वाधिक संख्या में बाहर काम करने मजदूर पलायन करते हैं, उनकी संख्या लगभग एक लाख पचास हजार है ऐसे मजदूरों के फिर से घर वापसी का क्रम शुरू हो चुका है। बाहर में कमाने खाने गए हुए मजदूरों के फिर से वापसी के साथ कोरोना संक्रमण के बढने की संभावना को देखते हुए उनकी देखभाल अत्यंत आवश्यक है इसके साथ ही जिले में सघन टीकाकरण की आवश्यकता है। श्री चंद्राकर ने कहा कि जिला जांजगीर चांपा घनी आबादी वाला जिला है, यहां आबादी के अनुपात में वैक्सीन टीका की कमी है ऐसे में आने वाले समय में स्वास्थ सुविधाओं को सुचारू रूप प्रदान करते हुए जिले में लगभग एक लाख वैक्सीन शीशी की आवश्यकता है जिसकी आपूर्ति की जानी चाहिए। श्री चंद्राकर ने कहा कि वैक्सीन के एक सीसी से दस व्यक्तियों को टीकाकरण किया जा सकता है। इस लिहाज से एक लाख वैक्सीन सीसी की उपलब्धता से दस लाख लोगों को वैक्सीन टीकाकरण की पूर्ति की जा सकती है। इसके साथ ऐसे 45 वर्ष से कम उम्र को भी टीका लगना चाहिए। अपने पत्र में देश के प्रधानमंत्री से छत्तीसगढ़ में वैक्सीन की आपूर्ति में दिल खोलकर मदद करने की अपील की।

लॉकडाउन का पालन कराने पुलिस अधीक्षक ने किया फ्लैग मार्च

गुंडरदेही (नव प्रदेश)। गुंडरदेही नगर में बालोद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह मीणा के द्वारा आज गुंडरदेही नगर एवं अर्जुन्दा नगर में वज्र वाहन, बालोद टैफिक वाहन, थाना गुंडरदेही व अर्जुन्दा के पैट्रोलिंग वाहन के साथ अधकारियों व कर्मचारियों की मौजूदगी में फ्लैगमार्च किया गया। बड़े ग्राम पंचायत क्षेत्र में भी पुलिस का होगा फ्लैग मार्च जैसे नगरी क्षेत्र के अलावा ग्राम सिकोसा ,ग्राम लाटाबोड़ में भी फ्लैगमार्च, कलंगपुर , कचंदूर ,रनचिरई ,किया जाएगा। गुंडरदेही पुलिस अपना पेट्रोलिंग वाहन में समस्त क्षेत्रवासियों को घर से नहीं निकलने का अपील करते रहे और राज्य शासन जिला प्रशासन के गाइडलाइन का सख्ती से पालन कराने लगातार लाउडस्पीकर से मुनादी भी कर रहे हैं। आज 10:30 बजे से पुलिस थाना गुंडरदेही से होकर धमतरी चौक, सप्ताहिक बाजार, जनपद रोड, बघमरा पटरी बाजार, बस स्टैंड ,मस्जिद गली ,आधे घंटे में शहर को शांति कायम रखने नगर में कानून व्यवस्था संभालने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के साथ पुलिस प्रशासन के फ्लैगमार्च में एसडीपीओ दिनेश सिन्हा,डीएसपी प्रशांत सिंह पैकरा, यातायात प्रभारी बालोद व अन्य गुंडरदेही एसडीएम भूपेंद्र अग्रवाल , तहसीलदार अश्वन कुमार पूशाम, एवं पुलिस के अन्य स्टॉफउपस्थित रहे।

जिला खाद्यअधिकारी के खिलाफ शिकायत पर कार्यवाही नहीं

गरियाबंद (नव प्रदेश)। विगत दिनों जिले के जिस खाद्य अधिकारी हुलेश कुमार डड़सेना के विरुद्ध थाना सीटी कोतवाली गरियाबंद में एक महिला की शिकायत पर आईपीसी की धारा 354 , 509 ख के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है , उसे पहले ही कार्य में लापरवाही हठधर्मिता स्वेच्छाचारिता संबंधी नोटिस जारी किया गया है। इतना ही नहीं, विगत वर्ष मई माह में कलेक्टर द्वारा इनके समस्त प्रशासनिक कार्यों का प्रभार इनसे लेकर भुवनेश्वर चेलक सहायक खाद्य अधिकारी को सौंप दिया गया था। कलेक्टर गरियाबंद द्वारा , सचिव छत्तीसगढ़ शासन , खाद्य विभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर की ओर पत्र प्रेषित कर हुलेश कुमार डड़सेना खाद्य अधिकारी जिला गरियाबंद पर योग्य कार्यवाही की मांग की गई थी। इस पत्र में तत्कालीन कलेक्टर गरियाबंद द्वारा लेख किया गया था कि हुलेश कुमार डड़सेना खाद्य अधिकारी द्वारा आपातकालीन परिस्थितियों के बाद भी मुख्यालय में निवास नही करना हठधर्मिता ही नहीं अपितु छ.ग. शासन द्वारा जनहित में जारी अपील व निर्देश के विपरीत है। उनका यह कृत्य स्वेच्छाचारिता को दर्शाता है। इस पत्र के माध्यम से हुलेश कुमार डड़सेना के अन्यत्र स्थानांतर का अनुरोध किया गया था।

पक्षियों के लिए किया गया दाना एवं पानी का प्रबंध

खरोरा (नव प्रदेश)। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ रायपुर छत्तीसगढ़ द्वारा 9 अप्रेल 2021 को भरत देवांगन शासकीय माध्यमिक विद्यालय खरोरा के द्वारा जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड सुश्री शाहिना परवीन के कुशल नेतृत्व में रेंजर एवं गाइड ने भीषण गर्मी को मद्देनजर रखते हुए पक्षियों के लिए घोंसले व दाना पानी कि प्रबन्ध कर गाइड के पांचवे नियम (गाइड पशु पक्षियों का मित्र और प्रकृती प्रेमी होती है।)पालन करने का कार्य किया गया साथ ही साथ कोरोना वायरस को ध्यान रखते हुए स्वयं मास्क सिलकर व मास्क उपयोग कर दूसरों को भी मास्क वितरण कर मास्क अनिवार्यता व सोशल डिस्टेंस का पालन करवाने का कार्य किया जा रहा है इस पावन कार्य के लिए माननीय श्री सत्यनारायण शर्मा जी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भारत स्काउट्स एवं गाइड्स नई दिल्ली एवं वरिष्ठ विधायक पूर्व मंत्री छत्तीसगढ़ शासन माननीय, श्री विनोद सेवनलाल चंद्राकर जी राज्य मुख्य आयुक्त भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ एवं संसदीय सचिव छत्तीसगढ़ शासन ,श्री अशोक नारायण बंजारा जी जिला आयुक्त स्काउट एवं जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर ,श्री मृत्युंजय शुक्ला जी जिला सचिव जिला संघ रायपुर ने बधाई दी।

लॉकडाउन के दौरान दल्लीराजहरा में सज रहे जुए का फड़

बालोद (नव प्रदेश)। एक तरफजिला प्रशासन द्वारा जिले में सख्त लॉक डाउन लगाया है कंटेनमेंट जोन बनाकर लोगों को घर से भी बाहर निकलने के लिए मना किया गया है सब्जी से लेकर किराना दुकान बंद है वही दल्ली राजरा में 52 पत्ती की महफिल सज रही है जबकि पूरे जिले में धारा 144 भी लागू है ऐसे में 4 से अधिक लोग एक जगह इकट्ठा होकर जुआ खेलते नजर आ रहे हैं जुए की फड़ की शिकायत लगातार मिल रही है इसी दौरान शनिवार की देर रात को दल्ली राजहरा के वार्ड नंबर 23 में दल्लीराजहरा पुलिस एसआई धरम भुआर्य अपनी व अपनी टीम के साथ छापामार कार्रवाई की इस दौरान 7 लोगों को जुआ खेलते हुए पकड़े गए वहीं कई लोग फरार हो गए जुआड़ियों के पास से ताश की पत्ती के साथ 12360 रुपए नगद भी बरामद किया गया है। दल्लीराजहरा के वार्ड नंबर 23 उड़िया मोहल्ला में यह कार्रवाई की गई है वहीं आरोपियों के खिलाफ में धारा 188, 269 ,,270,, 34,,,13 जुआ एक्ट और धारा 51,60 आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के तहत कड़ी कार्यवाही की गई है इस पूरे खेल के मास्टरमाइंड कोई और ही बताया जा रहा है जो मौके से तत्काल फरार हो गया था काफी लंबे समय से वह जुआ का फड़ संचालित कर रहा है।

ब्लाक अध्यक्ष के आकस्मिक निधन से पार्टी कार्यकर्ताओं मे शोक

नव प्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। जिले मे जहां कांग्रेस की महिला जिलाध्यक्ष ममता राठौर के निधन से अभी पार्टी में दुख का बादल छटा भी नहीं था कि वहीं कांग्रेस नेता राजू ठाकुर काा बीती रात निधन हो गया। राजू ठाकुर को सांस लेने में तकलीफहोने पर उन्हें देर रात जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उनकी मौत हो गई । राजू ठाकुर छुरा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे। छुरा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता समद खान ने बताया कि रात में राजू ठाकुर को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी पहले उन्हें शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया उसके बाद तत्काल छूरा सामुदायिक केंद्र ले जाया गया डॉक्टरों ने हालत सीरियस होते देख उन्हें तत्काल गरियाबंद रेफर कर दिया । जहां इलाज के दौरान श्री ठाकुर की मौत हो गई । छुरा बीएमओ प्रजापति ने बताया कि मरीज का ऑक्सीजन लेवल बहुत कम था उन्हें सांस लेने में कठनाई हो रही थी । फिलहाल उनकी कोरोना टेस्ट रिपोर्ट नहीं आई है । दुल्ला गांव के निवासी 35 वर्षीय राजू ठाकुर लगातार दूसरी बार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष का दायित्व संभाल रहे थे । छुरा ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजीव ठाकुर के आकस्मित निधन से राजिम विधायक अमितेश शुक्ल ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि हमने आज एक और कर्मठ कार्यकर्ता खो दिया है जिसकी पूर्ति संभव नही है । उन्होंने ब्लाक कांगेस कमेटी के ब्लाक अध्यक्ष राजीव ठाकुर की कमी को अपूर्णीय क्षति बताते हुए श्रधांजलि अर्पित की है।

एक ही दिन में खरोरा क्षेत्र में 3 मरीजों की मौत

खरोरा (नव प्रदेश)। रायपुर जिले के खरोरा क्षेत्र में शनिवार को कोरोना से 3 लोगों की मौत हुई , इसमें ग्राम बेलदार सिवनी निवासी 23 वर्षीय युवक , 44 वर्षीय श्याम भक्त खरोरा व 48 वर्षीय रायपुर निवासी(मूलतः खरोरा के निवासी) के लोग शामिल हैं- । कोरोना रफ्तार की एक ही दिन में सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए क्षेत्र में 175 कोरोना संक्रमित भी मिले हैं। परिछेत्र में कुल 356 लोगो के टेस्ट में 175 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए जिस हिसाब से खरोरा परिछेत्र में हर दूसरा व्यक्ति कोरोना संक्रमित है । कोरोना जहां जनवरी तक बेसर था द्य वहीं मार्च में उसने मानो खरोरा क्षेत्र को ही अपना घर बना लिया हो । क्षेत्र में 9 और 10 मार्च को मिलाकर 356 लोगों का कोरोना टेस्ट किया गया । जिसमें 175 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। हिसाब से क्षेत्र में हर दूसरा व्यक्ति कोरोना संक्रमित है ।

अवैध शिकार के आरोप में 14 गिरफ्तार, पूर्व सरपंच और कोतवार भी शामिल

नव प्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। जंगली सुअर के अवैध शिकार के आरोप में 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियो में एक पूर्व सरपंच और एक कोतवार भी शामिल है। सप्ताहभर की जांच पड़ताल और धरपकड़ के बाद वन विभाग ने आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। वन विभाग की कस्टडी में खड़े ये वो 14 शिकारी है जिहोने 3 अप्रैल को पानी की तलाश में तालाब पहुंचे एक जंगली सुअर का शिकार किया और फिर उसके मास को आपस मे बांटकर खा गए। अगले दिन यानी 4 अप्रैल को सबसे पहले मामले की जानकारी उदंती अभ्यारण्य सीतानदी टाइगर रिजर्व के इंदागांव वनपरिक्षेत्र अधिकारी को लगी। रेंजर ने पड़ताल की तो पता चला कि घटनस्थल उनकी रेंज के बाहर देवभोग रेंज का है। इंदागांव रेंजर से जानकारी मिलने के बाद देवभोग रेंजर ने मामले की जांच पड़ताल शुरू की। सप्ताहभर की मशक्कत के बाद सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

वन विभाग की टीम को जांच में पता चला कि पहले 7 लोगो ने मिलकर जंगली सुअर का शिकार किया। फिर अन्य 6 लोगो ने उनके साथ मिलकर सुअर को काटकर उसका मास आपस मे बांट लिया। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी सरनाबहाल ओर घुमरापदर गांव के निवासी है। आरोपियो की निशानदेही पर वन अमले की टीम ने वारदात में उपयुक्त फरसा ओर सुअर के बाल जब्त कर लिए है। टीम ने मौके से सुअर के खून के सैंपल भी लिए है। सभी आरोपियो के खिलाफ वन्य प्राणी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है।

मामले का खुलासा एक वायरल वीडियो से हुआ। मगर अहम बात ये कि वीडियो वायरल करने वाला हरिराम भी मामले में आरोपी बनाया गया है। हरिराम ने सुअर को काटते वक्त एक वीडियो बनाया था जिसे उसी शाम उसने वायरल कर दिया था। हरिराम का दावा है कि वीडियो बनाने के पीछे उसका मकसद वन्य प्राणियों की रक्षा करना था। वही मामले के अन्य आरोपियो द्वारा उसपर शिकार में शामिल होने का आरोप लगाया गया है।

लॉकडाउन | **उक्त अवधि में गरियाबंद जिले की सभी सीमाएँ पूर्णतः सील रहेगी**

गरियाबंद जिला 13 से 23 अप्रैल तक कन्टेनमेंट जोन घोषित

- केवल मेडिकल दुकानों को अपने निर्धारित समय में खुलने की अनुमति होगी
- दुग्ध-वितरण तथा न्यूज हाकर द्वारा सामाचार पत्रों का वितरण प्रातः 06 00 बजे से प्रातः 08:00 बजे तक एवं संध्या 05:00 बजे से सध्या 06.30 बजे तक होगी
- सभी प्रकार की सभाएँ. जुलुस, सामाजिक, धार्मिक एवं राजनैतिक आयोजन पूर्णत प्रतिबंधित
- वैवाहिक समारोह व मृत्यु संबंधी कार्यक्रम में शामिल होने वाले व्यक्तियों की अधिकतम संख्या 10 तक सीमित

नव प्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ शासन एवं भारत सरकार द्वारा नोबेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के रोकथाम/नियंत्रण के संबंध में जारी गाइड लाइन अनुसार कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी निलेश कुमार क्षीरसागर द्वारा गरियाबंद जिला अन्तर्गत सम्पूर्ण क्षेत्र को 13 अप्रैल प्रातः 06:00 बजे से 23 अप्रैल 2021 प्रातः 06:00 बजे तक कन्टेनमेंट जोन घोषित किया गया है। इस आशय का आदेश आज जारी किया गया।

आदेश में कहा गया है कि वर्तमान में कोविड-19 प्रकरणों संख्या में लगातार वृद्धि होने के कारण उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुये जिला गरियाबंद में सार्वजनिक आवागमन एवं अन्य गतिविधियों पर कडे प्रतिबंध अधिरोपित किया जाना अत्यावश्यक हो गया है। अतएव दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144, आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 30, 34 सहपठित ऐपिडेमिक एक्ट 1897 यथासंशोधित 2020 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए , कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, द्वारा आदेश प्रसारित किया गया है। गरियाबंद जिला अन्तर्गत सम्पूर्ण क्षेत्र को दिनांक 13 अप्रैल 2021 प्रातः 06:00 बजे से 23 अप्रैल 2021 प्रातः 06:00 बजे तक कन्टेनमेंट जोन घोषित किया जाता है।

उपरोक्त दर्शित अवधि में गरियाबंद जिले की सभी सीमाएँ पूर्णतः सील रहेगी। उपरोक्त अवधि में केवल मेडिकल दुकानों को अपने निर्धारित समय में खुलने की अनुमति होगी। मेडिकल दुकान संचालक दवाओं की होम डिलवरी व्यवस्था को प्राथमिकता देगें। पेट्रोल पंप संचालको द्वारा केवल शासकीय वाहनों व शासकीय कार्य में प्रयुक्त वाहनों,अस्पताल/मेडिकल से इमरजेन्सी से संबंधित निजी वाहन/एम्बुलेंस तथा एल.पी.जी परिवहन कार्य में प्रयुक्त वाहन, बस स्टैण्ड से संचालित ऑटो/टैक्सी, विधिमान्य, एडमिट कार्ड/कॉल लेटर दिखाने पर परीक्षार्थी/ उनके अभिभावक, परिचय पत्र दिखाने पर मीडियाकर्मी/प्रेस वाहन/न्यूज पेपर हाकर, दुग्ध-वाहन तथा छत्तीसगढ़ में नही रूकते हुऐ अन्य राज्य से सीधे अन्य जाने वाले वाहन को पी.ओ.एल. प्रदान किया जायेगा। अन्य सभी वाहनों हेतु पी.ओ.एल. प्रदान करना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

11_Nav pradesh Page_06.qxd 11/04/2021 9:01 PM Page 1

रायपुर, सोमवार, 12 अप्रैल 2021

जमीन विवाद के चलते डंडे से मार कर गंभीर चोट पहुंचा आरोपी हो गया था फरार

कवर्धा। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक श्री शलभ कुमार सिन्हा के द्वारा जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया गया है, कि थाने में दर्ज प्रकरणों का निराकरण जल्द से जल्द कर आरोपियों के विरुद्ध उचित वैधानिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करें, जिससे अपराधों पर अंकुश लगाया जा सके और क्षेत्र अपराध मुक्त हो सके, इसी तारतम्य में प्रार्थी मोहित यादव निवासी सारंगपुर चौकी पोड़ी द्वारा दिनांक -29/03/2021 को रिपोर्ट दर्ज कराया कि मेरे पिता जी श्री जगुआ यादव को आरोपी नारायण यादव द्वारा जमीन विवाद को लेकर डंडे से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया है, कि रिपोर्ट पर थाना बोड़ला में अपराध क्रमांक 60/21 धारा 294 ,323,506(क्क)द्बश्चष् पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जगुआ यादव को गंभीर अवस्था में बोड़ला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसे गंभीर चोट लगी थी जिसका मेडिकल रिपोर्ट विवेचना के दौरान अस्पताल से प्राप्त होने पर प्रकरण में धारा 307 IPC जोड़ा गया। तथा आरोपी का पता तलाश कबीरधाम पुलिस अधीक्षक श्री शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री ऋचा मिश्रा तथा अनुविभागीय अधिकारी बोड़ला श्री निमितेश सिंह के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बोड़ला निरीक्षक श्री संतराम सोनी के दिशा निर्देश में चौकी पोड़ी प्रभारी सहायक उप निरीक्षक श्री संदीप चौबे के द्वारा टीम बनाकर किया जा रहा था, जिन्हें सफलता प्राप्त हुई और फरार आरोपी नारायण यादव जो उक्त घटना को अंजाम देकर पुलिस के डर से लगातार फरार था जिसका पता तलाश कर ग्राम बिजरहा से आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर रिमांड पर जेल भेजा गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी बोड़ला निरीक्षक श्री संतराम सोनी के दिशा निर्देश में चौकी प्रभारी पोड़ी सहायक उपनिरीक्षक श्री संदीप चौबे तथा चौकी पोड़ी पुलिस टीम का सराहनीय योगदान रहा।

मकान की दीवार में गिरी आकाशीय बिजली, मकान के नीचे से कुछ दूर बनी सुरंग

बीजापुर (नव प्रदेश)। जिला मुख्यालय के नगर पालिका वार्ड क्रमांक 12 सुभाष चंद्र वार्ड के आबादी वाले क्षेत्र में एक घर के दीवार पर गिरा आकाशीय बिजली पहली बारिश मे एक बड़ी घटना होने से बचे इस मकान में मौजूद सभी सदस्य व आसपास के निवासी क्योंकि जिस जगह पर आकाशीय बिजली गिरी है वह बड़ी संख्या मे बसावटी क्षेत्र होने के वजह से आसपास मकान बने हुए हैं,बाजू मे एक पेड़ है जिसपर अगर बिजली गिरने की स्थिति में पास के घर के ऊपर पेड़ गिरने की संभावना बढ़ी थी जिससे घरों में काफी नुकसान उठाना पड़ सकता था। लोगों की मान्यता बिजली कई हजार वाट का होता है जिसका अंदाजा नहीं लगा सकते जिससे गिरे जगह में भयावर स्थिति निर्मित होता है। जहां एक तरफ लोगों में खुशी था पहली बारिश को लेकर वहीं इस घटना से आसपास के लोगों में डर का माहौल बना हुआ है क्योंकि जिस जगह पर बिजली एक बार गिरती है दोबारा गिरने की संभावना शत प्रतिशत होता है।अंधविश्वास भूत प्रेत होने का मुख्य कारण बताया जाता है वही लोगों का मानना और कुछ लोगों का कहना था कि बसावट क्षेत्र के घरों में बहुत कम बिजली गिरता है।

राजस्थान महाराष्ट्र से सामान बेचने बेखोफ पहुंच रहे लोग कोई रोक टोक नही

कांकेर (नव प्रदेश)। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर को लेकर राज्य सरकार व जिला प्रशासन बेहद सतर्क दिख रहे है।और हर हाल में प्रशासन इस संक्रमण को लेकर बेहद सवेंदनशील दिख रहा है।शहर में बढ़ते संक्रमण को देख धारा 144 लागू कर दी गई है।और किसी भी प्रकार के सामाजिक धार्मिक जुलुस रैली पर आगामी आदेश तक प्रतिबंध लगा दिया है।और शहर के अलावा गामीण इलाकों में रोज़ाना कोविड 19 संक्रमण को लेकर अलग अलग वार्डो में कोरोना वैक्सीन लगाने सुरक्षित स्वास्थ्य होने के अलावा बाहर राज्य व अन्य जिले से आने वाले की सूचना प्रशासन को दिए जाने की बात की मुनादी रोज की जा रही है।लेकिन हद तो तब हो गई जब राजस्थान महाराष्ट्र जैसे राज्य से काँकेर पहुँचकर सामान बेच कर बिना परीक्षण के कोरोना जैसी गम्भीर बीमारी का न्यौता आमजनो को बांटा जा रहा है।

कोविड अस्पतालों और क्वारेंटाइन सेंटरों पर दें विशेष ध्यानः डॉ. महंत

■ स्पीकर व सांसद ने कलेक्टरों से की चर्चा

रायपुर/कोरबा। छत्तीसगढ़ राज्य विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत एवं कोरबा संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत ने अपने निर्वाचन क्षेत्रांतर्गत आने वाले चार जिलों के कलेक्टरों से टेलीफोनिक चर्चा की। कोरबा, कोरिया, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही एवं जांजगीर-चाम्पा जिले में बढ़ते कोरोना संक्रमण के मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए इसकी रोकथाम के लिए किए जा रहे तमाम उपायों और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। स्पीकर व सांसद ने कलेक्टरों के मार्गदर्शन में प्रशासनिक व स्वास्थ्य अमले के द्वारा की जा रही अब तक कार्यवाही पर संतोष व्यक्त कर कहा कि कोरोना संक्रमण के प्रति काफी सजग होने की जरूरत है क्योंकि यह पहले से काफी व्यापक पैमाने पर प्रसारित हो रहा है। उन्होंने कलेक्टरों से कहा कि कोविड के बढ़ते प्रभाव के कारण स्वास्थ्य सुविधाओं की हर संभव बेहतरी को लेकर सजग रहने की आवश्यकता है। कोविड अस्पतालों में विशेष प्रबंध किए जाएं। ईलाज के दर स्थानीय स्तर पर तय किए जाएं। शासन द्वारा निर्धारित दरों पर कोरोना जांच एवं सीटी स्कैन कराना सुनिश्चित करें। आपदा के इस दौर में आयुष्मान कार्ड को सभी अस्पताल व कोविड सेंटर में मान्य किया जाना उचित होगा ताकि नगदी के अभाव में भी किसी का उपचार न रुके। निजी अस्पतालों में भी जरूरत के हिसाब से कोविड मरीजों के लिए बेड आरक्षण सुनिश्चित किए जाएं। स्पीकर व सांसद ने कहा कि क्वारेंटाइन सेंटरों की भी पुख्ता तैयारी सुनिश्चित किए जाए ताकि लक्षण वाले मरीजों को दूसरे लोगों से पृथक रखकर संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। क्वारेंटाइन सेंटरों में आवश्यक सभी व्यवस्थाओं के साथ-साथ सुरक्षा की भी पुख्ता व्यवस्था की जाए। कोविड के नियमों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। टीकाकरण का कार्य निरंतर व तीव्र गति से जारी रहे। इन सबके मध्य शासकीय अमले का भी विशेष ध्यान रखा जाना उचित होगा। इन्होंने पुलिस और स्वास्थ्य अमले के द्वारा किए जा रहे कार्यों को भी सराहा और प्रशासन की ओर से सतत मार्गदर्शन देने के लिए कहा। लॉकडाउन के द्वारा शासन द्वारा स्कूली छात्र-छात्राओं, आगंनबाड़ी के हितग्राहियों के लिए प्रदाय की जाने वाली सामग्रियों का शत-प्रतिशत और निर्धारित मात्रा में वितरण कराना सुनिश्चित करने के लिए भी कलेक्टरों को कहा गया।

निजी अस्पतालों में तय हो उपचार की दरः साहू

मैनपुर/नवप्रदेश। जिला गरियाबंद में एवं अन्य जिला व छत्तीसगढ़ प्रदेश में अनियंत्रित होते कोरोना पर नियंत्रण को लेकर रूपसिंग साहू सामाजिक कार्यकर्ता एवं कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ युवा प्रकोष्ठ रायपुर संभाग ने टी एस सिंह देव जी स्वास्थ्य मंत्री एवं रेणु पिल्ले अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य सेवाएं एवं परिवार कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन महानदी भवन मंत्रालय अटल नगर नया रायपुर से मुलाकात कर एवं लिखित पत्र क्रमांक 205/206 दिनांक 09.04.2021 के माध्यम से अवगत कराते हुए आग्रह किया कि गरियाबंद जिले जैसे छत्तीसगढ़ प्रदेश में कोरोना के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त की और आवश्यक पहल एवं कार्यवाही के लिए कई सुझाव पत्र के माध्यम से कहा कि पूरे प्रदेश में कोरोना पर अंकुश लगाने को लेकर जो तैयारी पूर्व में होनी थी वह कहीं नहीं दिख रहा है जिसके कारण स्थिति भयानक चिंताजनक बनी हुई है अस्पतालों में बिस्तर की समस्या वेंटिलेटर और ऑक्सीजन सिलेंडर की कमी की पूर्ति तत्काल की जाना चाहिए ज्यादा उचित होगा श्री साहू ने कहा कि सरकारी और निजी भवनों में आवश्यकता अनुसार अस्थाई अस्पताल बनाया जाए एवं हर जिले व विकासखंड स्तर पर अस्पताल बनाया जाए जिसके साथ ही बाजार में दवाई महंगी दर पर बेचे जाने की शिकायत आम नागरिक एवं कोरोना बीमारी से पीड़ित मरीजों के परिजनों से लगातार शिकायतें मिल रहा है प्रदेश में कोरौना उपचार के नाम पर निजी अस्पतालों में अतिरिक्त राशि ली जा रही है इसकी एक निर्धारित दर व रेट तय किए जाने की निवेदन किया निजी अस्पतालों में नियंत्रण के लिए जल्दी ही छत्तीसगढ़ प्रदेश में एक कमेटी बनाने की जरूरत है।

प्रभारी मंत्री ने विडियो कांफ्रेंसिंग से जाना जिले में कोरोना के हालात

नव प्रदेश संवाददाता

कांकेर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री तथा कांकेर जिले के प्रभारी मंत्री श्री गुरू रूद्र कुमार ने विडियों कांफ्रेसिंग के माध्यम से आज विभिन्न समाज के प्रमुखों तथा व्यापारी संघ के पदाधिकारियों की बैठक लेकर कोरोना वायरस (कोविड-19) से बचाव के लिए शासन-प्रशासन का सहयोग करने की अपील किया। उन्होंने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए जनजागरूकता अभियान चलायें तथा कोविड-19 की गाईडलाईन का पालन करते हुए सभी लोंगो को मास्क लगाने एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए प्रेरित करें। कोविड-19 से बचाव एवं रोकथाम के लिए राज्य शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं, इस कार्य में आप सभी की भागीदारी भी आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न समाज के प्रमुखों से सीधी बातचीत भी किया एवं उनके सुझाव लिये। कलेक्टर चन्दन कुमार ने कोविड-19 के रोकथाम के लिए जिले में किये जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि अब तक 01 लाख 39 हजार 121 व्यक्तियों का टीकाकारण किया जा चुक है।

21 तक लॉकडाउन पुलिस ने निकाला फ्लेग मार्च

भाटापारा। रविवार की शाम 6 बजे से जिले में लाक डाउन लग गया है जो की 21 अप्रैल की सुबह 6 बजे तक रहेगा। जिला कलेक्टर के निर्देश के बाद स्थानीय प्रसाशनिक अधिकारीयो की उपस्थिति में पुलिस ने फ्लेग मार्च कर लोगो से अपने घरो में रहने और व्यसाईओ से अपने संस्थान बन्द रखने की अपील की गई। जिले में बढ़ती कोरोनावायरस प्रभावित लोगो की संख्या को देखते हुए जिला कलेक्टर सुनील कुमार जैन ने 11 अप्रैल से 21 अप्रैल तक कंटेन्मेंट क्षेत्र घोषित कर लॉकडाउन लगाने की घोषणा कर दी है । अभी वर्तमान में एक दिन में ही बदते बदते जिले में 600 से ऊपर कोरोना के मरीजो की संख्या के बाद लोगो की सुरक्षा की दृस्टि से लाक डाउन लगाया गया है। एसडीएम श्रीमती इंदिरा देवहरी ने बताया की कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़ती ही जा रही है जिस की रोकथाम के लिए लॉकडाउन जैसा कदम उठाया जा रहा है ।आज रविवार शाम 6 बजे के बाद से पूरा लाक हो जायेगा रविवार शाम 6 बजे से 21 अप्रैल प्रातः6:00 बजे तक पूरा क्षेत्र लाक डाउन रहेगा। इस दौरान पूरे जिले में धारा 144 लागू रहेगी तथा जिले की सभी सीमाएं पूर्ण सील रहेगी अति आवश्यक सेवाओं को छोड़कर सभी सेवाओं को बंद किया गया है इस बार किराना और सब्जी जैसे व्यापार को भी 10 दिनों के लिए लॉक कर दिया गया है इस दौरान किसी को भी किराने का सामान नहीं मिलेगा और ना ही कोई सब्जी खरीद पाएगा केवल अति आवश्यक सेवाओं को जैसे मेडिकल पेट्रोल पंप गैस एजेंसी इत्यादि चालू रहेंगी। एसडीएम श्रीमती इंदिरा देवहरी ने बताया की कलेक्टर के आदेश अनुसार मेडिकल दुकान वाले जितना संभव हो सके उतना होम डिलीवरी करनेंको कहा गया है।

शराब दुकानें भी रहेगी बंद

एसडीएम ने बताया की जिला कलेक्टर सुनील कुमार जैन ने शराब दुकानों को भी बंद करने का आदेश जारी किया है लॉकडाउन अवधि में पूरे समय शराब की दुकानें भी पूरी तरीके से बंद रहेंगी ।

सब्जी मण्डी और धान मंडी भी रहेगी बंद

सब्जी मण्डी और कृषि उपज मंडी भी 10 दिनो तक पूरी तरीके से बंद रहेगी गत वर्ष के लॉक डाउन में कुछ समय के पश्चात कृषि उपज मंडी को खोल दिया गया था परंतु इस बार जिला कलेक्टर सुनील कुमार जैन ने पूरे 10 दिनों तक कृषि उपज मंडी को भी बंद रखने का कड़ा निर्देश जारी किया है।

झाड-फुंक्क का झांसा देकर पैसा ऐंठ कर हत्या करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों ने अपने आपको सिद्धबैगा होने का दांवा कर किया, घटना को अंजाम

कवर्धा/नवप्रदेश। ग्राम बुधवारा निवासी सुरेश कौशिक की सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सहसपुर लोहारा में ईलाज के लिए लाते समय मृत्यु हो जाने से मृतक के परिवारजनों द्वारा गांव में जाकर स्वतः अंतिम संस्कार (कफन-दफन) कर दिया गया था। मृतक के शव के दफनाने के 05 दिन बाद दिनांक 06.01.2021 को मृतक के परिजन द्वारा मृतक के मृत्यु के संबंध में शंका होने एवं जांच हेतु आवेदन पत्र पुलिस चैकी बाजार चारभाठा में प्रस्तुत किया। प्रकरण में वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त निर्देशों के आधार पर विधिसंगत् कार्यवाही करते हुए कार्यपालिक मजिस्टेट्र के समक्ष मृतक सुरेश कौशिक के शव उत्खनन कार्यवाही कर शव का डॉक्टरो के संयुक्त टीम द्वारा पोस्टमार्टम किया गया। प्रकरण में घटना क्षेत्र थाना सहसपुर लोहारा का होने से प्रकरण की अग्रिम जांच कार्यवाही हेतु पुलिस अधीक्षक कबीरधाम द्वारा थाना सहसपुर लोहारा को सौंपा गया। प्रकरण में मर्ग जांच दौरान विशेषज्ञ डॉक्टरों से प्राप्त रिपोर्ट, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, गवाहों के कथन एवं जांच पर प्राप्त तथ्यों के आधार पर मृतक के मृत्यु के अज्ञात कारणों के संबंध में पुलिस अधीक्षक कबीरधाम के दिशा-निर्देश पर थाना प्रभारी सहसपुर लोहारा के नेतृत्व में टीम तैयार कर प्रकरण हर पहलू की बारिकी से जांच पड़ताल प्रारंभ की गयी। जांच के क्रम में पुलिस टीम को इस तथ्य की जानकारी हुई कि मृतक सुरेश कौशिक अपने मित्र रामफल कौशिक एवं उसके पिता हरिशंकर कौशिक के साथ ग्राम जगला जंगल में किसी बैगा से मिलने एवं झाड़-फुंक पुजा पाठ कराने गये थे। उसी दौरान रामफल एवं सुरेश की तबियत खराब हो गई।

जहां से ईलाज के लिए सहसपुर लोहारा लाते समय सुरेश की मृत्यु हो गई एवं रामफल को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जिसका निजी अस्पताला रायपुर में ईलाज कराकर डॉक्टरो के अथक मेहनत से बचाया गया। प्रकरण से संबंधी सभी तथ्यों एवं व्यक्तियों से पुछताछ जांच से सभी कड़ीयों को आपस में मिलाने पर प्रकरण चैकाने वाले तथ्य सामने आयें कि रामफल एवं सुरेश एवं उसके परिवार के साथ गांव वालों का आपसी सामंजस्य ठीक नहीं होने से झाड-फुंक्क के माध्यम से गांवो वालो से सामंजस्य ठीक करने का आश्वासन स्वंय को सिद्ध बैगा बताने वाले भजन से पूर्व परिचित सुंदर यादव निवासी जगला के माध्यम से जानकारी मिलने पर मृतक सुरेश एवं रामफल दिनांक 30.12.2020 को सुंदर के माध्यम से ग्राम जगला में सुंदर के घर में झांड-फुंक्क करने वाले भजन निवासी बालाघाट एवं उसके सहयोगी प्रमोद एवं विनोद सभी निवासी बालाघाट से मिले जहां आटा को इनके सामने हाथ की सफाई से लाल रंग में बदल कर भजन द्वारा अपने को सिद्ध बैगा बताकर प्रभाव एवं झांसे में लिया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कांग्रेस नेता, पावर लिफ्टर..

श्रीमती ज्योत्सना शर्मा का आज सुबह 5 बजे इलाज के दौरान बीएम शाह अस्पताल सुपेला में निधन हो गया। विश्वविद्यालय सूत्रों के मुताबिक वह भी कोरोना बीमारी से ग्रसित थी। आज शहर के वरिष्ठ पत्रकार टी.सूर्या राव के बड़े भाई व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि जोगेन्दर सिंह की छोटी भाभी का आज आकस्मिक निधन हो गया। शहर के प्रतिष्ठित नागरिकों का इस बीमारी के कारण लगातार निधन हो रहा है। इस परिस्थिति को देखते हुए जिले के सभी नागरिकों को अनिवार्य रूप से कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए। तभी स्वयं एवं समाज को इस महामारी से बचा पाएंगे। मंगा सिंह के निधन पर भिलाई शहर जिला कांँग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तुलसी साहू, पूर्व विधायक भजन सिंह निरंकारी, बी.डी.कुरैशी, भिलाई विधायक देवेन्द्र यादव, छ.ग. प्रदेश कांँग्रेस कमेटी के महामंत्री अरूण सिंह सिसोदिया, वरिष्ठ कांँग्रेस नेत्री गुरमीत धनई, के.के.झा, मोहन लाल गुप्ता, संदीप निरंकारी, इन्द्रजीत सिंह छोटू, अनिल सिंह, मनोज पाण्डेय, योगेन्द्र पाण्डेय, मोहम्मद इरफान खान, अतुलचंद साहू, राकेश मिश्रा, सुमीत पवार, आदित्य सिंह, शरद मिश्रा, विनोद उपाध्याय, राजेश शर्मा, मनीष जग्यासी, ज्ञान चंद जैन, महिला कांँग्रेस की प्रदेश सचिव श्वेता मिश्रा, शहर अध्यक्ष सुभद्रा ड्क्षसह, भुनेश्वर साहू, मुकेश चन्द्राकर, हेमंत बंजारे, नीरज पाल, लक्ष्मीपति राजू, आशीष यादव सीजू एंथोनी, अमित उपाध्याय, बृजमोहन सिंहने शोक व्यक्त करते हुए भावभीनी श्रद्धांजली दी है।

देश में अगले 10 दिनों...

वैक्सीन (सीरम इंडिया के साथ मिलकर), जाइजस कैडिला का टीका और भारत बायोटेक का इंट्रानैजल वैक्सीन शामिल हैं।

जून तक उपलब्ध हो सकता है स्पूतनिक वी

टीके की उपलब्धता को लेकर एनआईए के टॉप सूत्रों ने कहा कि स्पूतनिक का टीका जून तक उपलब्ध होने की उम्मीद है। वहीं, जॉनसन और जॉनसन और कैडिला जाइडस अगस्त तक उपलब्ध हो सकते हैं। जबकि नोवैक्स सितंबर और इंट्रानैजल वैक्सीन अक्टूबर तक उपलब्ध हो सकता है। सूत्रों ने कहा कि सरकार वैक्सीन की उपलब्धता पर तेजी से काम कर रही है।

जीवनरक्षक रेमडेसिविर...

आदेश तब तक लागू रहेगा, जब तक देश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार थम नहीं जाती। सरकार का कहना है कि कई कंपनियां इस इंजेक्शन के उत्पादन में जुटी हैं और प्रतिदिन 38.80 यूनिट्स का उत्पादन किया जा रहा है। उत्पादन के इस आंकड़े और कोरोना के बढ़ते केसों के मद्देनजर सरकार ने एक्सपोर्ट पर रोक लगाना जरूरी समझा है। यही नहीं सरकार की ओर से रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी रोकने और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए भी कुछ ऐलान किए गए हैं।

लोकवाणीः बजट न्याय..

फसल लेने वाले लगभग 19 लाख किसानों को 5 हजार 628 करोड़ का भुगतान किया गया। इस साल हमने 20 लाख 53 हजार किसानों से 92 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी की है, जो प्रदेश के इतिहास में धान खरीदी का सबसे बड़ा कीर्तिमान है। इस वर्ष भी हमने राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत किसानों को नगद सहायता देने के लिए 5 हजार 703 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान रखा है। इसके अलावा चिराग योजना के तहत 7 आदिवासी बहुल जिलों और मुंगेली जिले के 14 विकासखण्डों में पोषण सुरक्षा व किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए 150 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान रखा गया है। किसानों को बिना ब्याज ऋण देने के लिए इतिहास में सबसे बड़ा लक्ष्य 5 हजार 900 करोड़ रूपए ऋण वितरण का रखा है, जिसके लिए बजट प्रावधान किया गया है। किसानों को रियायती तथा निःशुल्क बिजली देने के लिए 2 हजार 500 करोड़ रूपए का प्रावधान रखा गया है। वहीं सिंचाई पम्पों के ऊर्जीकरण पर लगभग 1000 करोड़ रूपए खर्च होंगे। सोलर पम्पों के लिए 530 करोड़ रूपए का प्रावधान है तो लगभग 35 हजार लंबित सिंचाई पम्प कनेक्शन देने का काम भी पूर्ण किया जाएगा, जिसमें करीब 350 करोड़ रूपए खर्च होंगे। उद्यानिकी फसलों के विकास के लिए अनुदान सहायता पर 495 करोड़ रूपए खर्च किए जाएंगे। किसानों की जेब में जो पैसा डाला जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में मछली पालन और लाख पालन को मिला कृषि का दर्जा

मुख्यमंत्री ने लोकवाणी में कहा कि मछली पालन और लाख पालन को कृषि के समकक्ष दर्जा देने से इस क्षेत्र में काम करने वाले लाखों लोगों को संबल मिलेगा। कृषि का दर्जा मिलने से इन्हें ब्याज रहित ऋण तथा विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल सकता है। हमने राज्य में उपलब्ध जल क्षेत्रों में से 95 प्रतिशत जल क्षेत्र का उपयोग 2 लाख से अधिक मछुवारा परिवारों को बेहतर आय दिलाने के लिए किया है।

मुख्यमंत्री ने कौशल्या मातृत्व योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सामाजिक एवं आर्थिक जनगणना में जो भी पात्र हितग्राही हैं, उन्हें इस योजना का लाभ मिलेगा। हमने यह देखा कि प्रथम संतान यदि बेटा-बेटी हो तो उसके लिए तो योजना है। लेकिन दूसरी संतान बेटी होने पर ऐसी कोई योजना नहीं थी, जिससे बेटियों के जन्म को प्रोत्साहन मिले। शहरी क्षेत्रों में पौनी-पसारी योजना की तर्ज पर एक कदम और आगे बढ़ते हुए अब ग्रामीण क्षेत्रों में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क की स्थापना का प्रावधान नए बजट में किया गया है। छत्तीसगढ़ के स्थानीय कृषि उत्पादों जैसे ढेकी का कूटा चावल, घानी से निकला खाद्य तेल, कोदो, कुटकी, मक्का से लेकर सभी तरह की दलहन फसलें, विविध वनोपज जैसे इमली, महुआ, हर्रा, बहेरा, आंवला, शहद एवं फूलझाडू इत्यादि व वनोपज से निर्मित उत्पाद तथा टेराकोटा, बेलमेटल, बांसशिल्प, चर्मशिल्प, लौहशिल्प, कोसा सिल्क तथा छत्तीसगढ़ी व्यंजनों जैसी सभी सामग्रियों को एक ही छत के नीचे विपणन की सुविधा प्रदान की जाएगी।

रेमडेसीवर की आपूर्ति...

टेस्ट की सुविधा शुरू हो जाएगी। इससे रोजाना सेम्पल जांच की संख्या बढ़ने के साथ ही जांच रिपोर्ट भी जल्दी मिलने लगेगी। उन्होंने कहा कि आरटीपीसीआर के साथ एंटीजन टेस्ट भी करने होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑक्सीजन का उत्पादन करने वाले संयंत्रों को पहले छत्तीसगढ़ के शासकीय और निजी अस्पतालों में ऑक्सीजन की आपूर्ति करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। निजी क्षेत्र के कुछ नये उद्योगों को भी मेडिकल ऑक्सीजन के उत्पादन की अनुमति दी गई है। इससे प्रदेश के सभी अस्पतालों में जरूरत के मुताबिक ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना मरीजों को इलाज में कम से कम आर्थिक बोझ पड़े, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी निजी क्षेत्र के अस्पतालों से चर्चा कर इलाज की दरों को पुनरीक्षित करें। उन्होंने कहा कि कोरोना के इलाज को भी डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना से सम्बद्ध करें। उन्होंने जरूरत के मुताबिक नये अस्पतालों को भी इलाज की अनुमति प्रदान करने को कहा। मुख्यमंत्री ने रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग के कलेक्टरों को ऑक्सीजन और आईसीयू सुविधा वाले बिस्तरों तथा वेन्टीलेटर की संख्या बढ़ाने के लिए विधायकों से विधायक निधि की राशि के माध्यम से सहयोग करने का आग्रह करने कहा।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)
जोन क्र. 10

क्रमांक 07/न.पा.नि./जोन-10/2021-22 रायपुर, दिनांक 09.04.2021

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक 10 में निम्न कार्य कराए जाने हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की गई है :-

Sr. No.	System Tender No.	Name of work/Description of work	Probable amount of contract
01	76069	रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड क्र. 55, नया वार्ड बाबू जगजीवन राम वार्ड क्र. 53 अंतर्गत देवपुरी स्थित देव नगर में हर्ष विला के पास सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	46.68 Lakh

इस हेतु विस्तृत जानकारी छत्तीसगढ़ शासन के ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
जोन क्रमांक- 10
नगर पालिक निगम, रायपुर

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

11_Nav pradesh Page_07.qxd 11/04/2021 8:47 PM Page 1

पुलिस ने पकड़ा अवैध कोयले से भरा पिकअप, लंबे समय से चल रहा अवैध कारोबार

नव प्रदेश संवाददाता

बैकुठपुर। कोरिया जिले के पटना थाना अंतर्गत दो कालरी क्षेत्र आते हैं जहां पहाड़ो में कोयला की 4 खदान संचालित है साथ ही कोल तस्करों द्वारा पहाड़ियों से भी अवैध कोयला निकाला जाता हैं जिस वजह से पटना थाना क्षेत्र के अंतर्गत आए दिन कालरी से कोयला लेकर जा रहे ट्रक व पहाड़ियों से अवैध कोयला चोरी होती है और यह आज से नहीं लंबे समय से चली आ रही है समय समय पर कार्यवाही भी होती है फिर भी यह अवैध काम नहीं रुकता, रात्रि गश्त के दौरान पटना पुलिस ने अवैध कोयला से लदी एक पिकअप को पकड़ा और उसे जब्ती कर थाने ले आई पर सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि पिकअप को पकड़ने के बावजूद पुलिस जानकारी देने से बच रही है, कई पत्रकार थाने गए पर किसी ने इसकी जानकारी नहीं दी थाना प्रभारी से कई पत्रकारों की मुलाकात नहीं हुई लोगों ने फोन लगाया तो भी उनसे बात नहीं हुई पर समझ में यह नहीं आया कि आखिर कार्यवाही जब हुई है तो फिर जानकारी क्यों नहीं दी जा रही जिसे लेकर चर्चाएं आम थी की पुलिस कार्यवाही की जानकारी छुपा रही है आखिर क्यों।

मिली जानकारी अनुसार विगत कई वर्षो से जिले के कई छेत्रो में अवैध कोल खदान से कोयला निकालने का यह अवैध कारोबार का काला खेल चल

रहा जिसमे अवैध कोयले के व्यापार के लिए पटना ,चिरमिरी व मनेन्द्रगढ़ गढ़ बना है जब कि पटना क्षेत्र में हाल ही में वन विभाग ने जंगल मे अवैध कोयला 150 बोरी जब्त किया था किन्तु कोयला निकालने वालो तक नही पहुँच सके , वही हाल ही में सूरजपुर जिले में भी जब्त हो चुका कोयला पटना क्षेत्र का ही बताया जा रहा ,जिले में अवैध कोयले का कारोबार क्षेत्र बढ़ रहा है कई दल मिलकर कोयले का अवैध कारोबार कर रहे हैं जिसे लेकर कोयला चोरी में भी प्रतिस्पर्धा देखी जाती है हर जगह पर अच्छे कामों में प्रतिस्पर्धा दिखती है पर पटना थाना में कोयला चोरी में ही प्रतिस्पर्धा देखी जाती है यहां पर कई दल अलग-अलग काम कर रहे हैं और एक दूसरे को नुकसान पहुंचाने के साथ अपना मुनाफा बढ़ाना चाहते हैं अवैध कोयले का कारोबार करने वाले ही अपवाह फैला रखे है की पुलिस को भी लाभ है क्योंकि सभी दल उनसे पूछ कर व सहमति लेकर काम कर रहे है यह बात कितनी सही है ये तो वही जाने जिससे पुलिस की छवि खराब हो रही है और लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास भी खत्म हो रहा है एक बार फिर पटना पुलिस ने अवैध कोयले से भरा पिकअप पकड़ा तो लगा कि चलो कोई अच्छा थाना प्रभारी आये है और वह कोयले के कारोबार पर अंकुश लगायेंगे पर हाल ही में कोयले से भरी पिकअप थाने में खड़ी है पर कोई भी पुलिस वाला इसकी जानकारी देने को तैयार नहीं है ऐसा क्यों और किस लिए हो रहा है यह तो पुलिस वाले ही जानेंगे।

न्यूज गैलरी

पेट्रोल पंप पर लोगों की भीड़, बाजार में सुबह से ही ट्रैफिक जाम के हालात

कोरबा (नव प्रदेश)। शहर में 24 घंटे बाद 10 दिन के लिए सब कुछ बंद हो जाएगा। इस बात से परेशान लोग रविवार को सुबह से ही बाजारों में जरूरत का सामान खरीदते नजर आए। ट्रांसपोर्ट नगर, इतवारी बाजार, कोसाबाड़ी चौक, निहारिका जैसे इलाकों में पेट्रोल पंप पर भारी भीड़ नजर आई। कलेक्टर के नए आदेश के मुताबिक सिर्फसरकारी और मेडिकल इमरजेंसी से जुड़ी गाड़ियों को ही पेट्रोल मिलेगा। ऐसे में इमरजेंसी में जरूरत को देखते हुए लोग गाड़ियों में एक्सट्रा पेट्रोल भरवाते दिखे। जिले में 12 अप्रेल की शाम 3 बजे से सख्त लॉकडाउन लगाया जा रहा है। ऐसा पहली बार होगा, जब लोगों को पेट्रोल भी नहीं मिलेगा। ऊर्जाधानी समेत जिले में औसतन हर दिन 500 कोरोना मरीज मिलने के बाद एक बार फिर से पूरे जिले को लॉकडाउन करने का फैसला किया गया है। 12 अप्रेल की शाम 3 बजे के बाद केवल दूध, दवा, गैस और केवल सरकारी गाड़ियों को ही पेट्रोल-डीजल ही मिलेगा। बेवजह बाहर घूमने पर लोगों की गाड़ियां जब्त करने के साथ ही उन पर एफआईआर भी की जाएगी। रविवार की सुबह से ही शहर के इतवारी बाजार, सीतामणी बाजार और ट्रांसपोर्ट नगर रोड में भी हर थोड़ी देर में ट्रैफिक जाम होता रहा। बड़ी तादाद में लोग बाजार में पहुंचे थे। चूंकि 10 दिनों तक सब्जियां भी नहीं मिलेंगी, इसलिए लोग सब्जी खरीदते दिखे। चिकन, मटन मार्केट में भी लोगों की भीड़ थी। सोमवार शाम तक का लोगों के पास वक्त है कि वो आगामी 10 दिनों के लिए घर में जरूरत का सामान रखे।

मोहल्लेवासियों ने की नालियों की सफाई

किरंदुल (नव प्रदेश)। लौह नगरी किरंदुल में कुछ दिनों से शाम होते ही मौसम अपनी रुख बदलकर बेमौसम गर्मी की मौसम में इन दिनों काफी तेज बारिश हो रही हैं जो कही न कही इन दिनों हो रही तेज गर्मी को तो शिथिल कर रही है लेकिन वही दूसरी ओर इस कुछ घण्टे की हो रही बारिश नगर के कई घरों में घुस रही है तो वही दूसरी ओर मुख्य सड़क पर पानी का जमाव बनकर मिनी तालाब सा रूप धारण कर रही हैं वही वार्ड क्रमांक 01 शुभाष जनरल स्टोर्स के पास इस बेमौसम बारिश के वजह से नालियां जाम हो गई जिसे वहाँ के निवासी शुभाष हलधर, बीजू, शुशांत इन लोगो ने संयुक्त रूप से मिलकर जाम हुई नाली को रात्रि के समय जल निकासी नही हो पा रही थी उसकी निकासी हेतु उसे सभी ने मिलकर दुरुस्त किया और अंततः अभी उस नाली से अभी जल निकासी हो रही हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने बनाया 24×7 होम आइसोलेशन कंट्रोल रूम

रायगढ़ (नव प्रदेश)। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच स्वास्थ्य विभाग रायगढ़ ने होम आइसोलेटेड कोविड मरीज और उनके परिजनों के उचित देखभाल हेतु आपातकालीन स्वास्थ्य सहायता व परामर्श के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया है। यह कंट्रोल रूम 24×7 संचालित किया जा रहा है। इसमें 03 पालियों में चिकित्सकों की ड्यूटी लगायी गयी है। जिनके नंबर्स स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किए गए हैं। जिस पर होम आईसोलेशन के दौरान सहायता के लिये काल कर संपर्क किया जा सकता है। होम आईसोलेशन सहायता केन्द्र सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक 7647921193, 7647921146, दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक 7647921172, 7647921147, रात्रि 8 बजे से सुबह 8 बजे तक 7647921175, 7647921184 एवं 24×7 व्हाट्सअप्प पर परामर्श हेतु 7647921154, 7647921157 नंबर है। आपात काल एम्बुलेंस सेवा 108 एवं छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य हेल्प लाईन नंबर 104 है। किसी भी आपातकालीन स्थिति में लैंडलाइन नंबर 07762-232668, 07762-228000 संचालित है जिसमें संपर्क कर सकते है।

कन्टेनमेंट जोन की व्यवस्थाओं का कलेक्टर ने किया अवलोकन

कंटेनमेंट जोन में आवागमन प्रतिबंधित करने के दिये निर्देश

नारायणपुर (नव प्रदेश)। कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू ने आज नगर के बखरूपारा में स्थापित कंटेनमेंट जोन का दौरा कर कोरोना रोकथाम हेतु किये गये उपायों को देखा। कलेक्टर ने कन्टेनमेंट जोन में टेस्टिंग पूरी कर पॉजिटिव लोगों का तत्काल ईलाज चालू करने हेतु उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया और आवश्यक वस्तुओं की पूर्ति सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मेडिकल इमरजेंसी के अलावा किसी भी व्यक्ति को आने-जाने की अनुमति नहीं दी जाये।

एसडीएम ने बताया कि नगर के मुख्य बाजार, दुकानों, चौक-चौराहो में मास्क नहीं लगाने वालों पर चालानी कार्यवाही की जा रही है। वहीं दुकान के सामने ग्राहकों के बीच उचित दूरी बनाए रखने के लिए दुकानदारों को निर्देशित भी किया गया है। बखरूपारा में बीते दिन 14 मरीजों के कोरोना पॉजिटिव होने की पुष्टि होने के बाद क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया गया है। इस क्षेत्र में लोगों के आवागमन को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। केवल चिकित्सकीय कारणों से ही आवागमन की अनुमति दी जा रही है। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नीरज चंद्राकर, एसडीएम श्री दिनेश कुमार नाग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एआर.गोटा, सिविल सर्जन डॉ एमके सूर्यवंशी, नगर पालिका अधिकारी श्री मोबिन अली, टीआई श्री नवरंग, तहसीलदार श्री सुनील सोनपिपरे के अलावा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

गोठान के वर्मी कम्पोस्ट से लहलहा रही धान व सब्जी की फसल

तमनार ब्लाक के राबो गोठान का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

■ वर्मी कम्पोस्ट की क्वालिटी से मिल रही किसानों को अच्छी पैदावार और ज्यादा लाभ

नव प्रदेश संवाददाता

रायगढ़। गोठानों में बने वर्मी कम्पोस्ट की क्वालिटी इतनी बढिय़ा है कि इससे किसानों को एक तरफ जहां फसलों के उत्पादन में लागत कम हो रही है। इसी तरह उन्हें उत्पादन ज्यादा होने पर दोहरा लाभ भी मिल रहा है। यह कहना है तमनार ब्लाक के राबो, जिवरी व सरायपाली गोठान से वर्मी कम्पोस्ट लेने वाले किसानों का। इसे देखते हुए कलेक्टर श्री भीम सिंह ने राबो गोठान का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने गोठान समिति के कार्यों की तारीफ की।

गोठान पहुंचकर कलेक्टर श्री सिंह ने सबसे पहले वर्मी कम्पोस्ट पिट की जानकारी ली। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सविता भारती ने बताया कि यहां 30 कम्पोस्ट पिट और 10 बेड का निर्माण कराया गया है, जहां से अब तक गोठान समिति के महिला स्व- सहायता समूह द्वारा 65 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट बनाया गया है। इसमें से करीब 66 प्रतिशत वर्मी कम्पोस्ट की बिक्री हो चुकी है। इसी तरह अप्रैल में 100 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट आसपास के किसानों को बिक्री करने का टारगेट रखा गया है। इसी तरह जिवरी गोठान से 182 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट का उत्पादन और बिक्री किया गया। इससे महिला समूह को 70 हजार रुपए मिले। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्रीमती भारती ने बताया कि यहां पर गोबर के साथ पैरा, पेड़ों से गिरे पत्ते आदि को डालकर बनाया गया वर्मी कम्पोस्ट की क्वालिटी बहुत बढिय़ा है। सब्जी के साथ अन्य फसल उगाने वालों किसानों का अच्छा रिस्पांस आ रहा है। यही वजह है कि किसान वर्तमान में प्रयोग के तौर पर गोठान से वर्मी कम्पोस्ट ले रहे हैं और अपने फसलों पर उपयोग कर रहे हैं, जिसका बेहतर परिणाम उन्हें मिल रहा है। ग्राम आमापाली से श्री पेन सिंह राठिया ने धान की खेती में वर्मी कम्पोस्ट का प्रयोग किया। श्री पेन सिंह राठिया ने बताया कि यूरिया डालने से दूसरे दिन ही पौधों में हरा पन आ जाता था। इसके बाद पौधों में कीड़े लगने, बीमारी आने की दिक्कतें आती थी, लेकिन वर्मी कम्पोस्ट डालने से 10 से 12 दिनों में पौधों में हरा पन आता है। पौधे मजबूत होने के साथ रोग-प्रतिरोधक क्षमता भी अच्छी होती है। इससे किसी तरह की बीमारी नहीं और अलग से दवाई का छिड़काव नहीं करना पड़ता है।

कोरोना काल में संकट मोचक की भूमिका में मनरेगा

■ 15 हजार से ज्यादा परिवारों को मिला 100 दिन का रोजगार

नव प्रदेश संवाददाता

कोरबा। महात्मा गांधी राष्टीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 में 15,752 ग्रामीण परिवारों को 100 दिवस का रोजगार मिला है जो कि पिछले 04 वर्षो की यह सबसे बड़ी उपलब्धि कही जा सकती है। श्रीमति किरण कौशल कलेक्टर कोरबा के द्वारा मनरेगा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु विशेष प्रयास किये गये है, जिसके परिणाम उपलब्धियों के रूप में देखे जा रहे है। कुंदन कुमार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोरबा द्वारा कोरोना काल जैसी विषम परस्थितियों में ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए योजनाबध्द तरीके से विशेष प्रयास किये गये, जिसके परिणाम स्वरूप पिछले 04 वर्षो में सबसे ज्यादा 100 दिवस का रोजगार ग्रामीणो परिवारो को उपलब्ध कराया गया जो कि बड़ी उपलब्धि है। गौरतलब है कि वित्तीय वर्ष 2017-18 में 6789 परिवारों को , वर्ष 2018-19 में 9152 परिवारों को वर्ष 2019-20 में 8823 परिवारों को तथा वर्ष 2020-21 में 15752 ग्रामीण परिवारों ने 100 दिवस का रोजगार पूर्ण किया है।31 मार्च 2021 तक जनपद पंचायत करतला में 1312 परिवार जनपद पंचायत कटघोरा में 693 कोरबा में 2465, पाली में 4926 एव पोड़ी उपरोडा में 6356 परिवारों ने इस तरह जिले में कुल 15752 ग्रामीण परिवारो ने 100 दिवस का रोजगार पूर्ण किया है।उल्लेखनीय है कि वर्ष 2020-21 में जहॉ 100 दिवस पूर्ण रोजगार प्राप्ति से 15752 परिवारो को लाभ हुआ है।

बलरामपुर, रामानुजगंज तथा वाड्रफ नगर अनुभाग में सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक खुलेंगे दुकान

नव प्रदेश संवाददाता

बलरामपुर । कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव व रोकथाम हेतु शासन द्वारा हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिये गए हैं। वर्तमान में जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में धारा 144 लागू है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी बलरामपुर-रामानुजगंज के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बलरामपुर, रामानुजगंज तथा वाड्रफनगर द्वारा आदेश जारी कर सम्पूर्ण अनुभाग क्षेत्र बलरामपुर, अनुभाग क्षेत्र रामानुजगंज तथा वाड्रफनगर में संचालित विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठान/संस्थान, स्थायी/अस्थायी दुकानों के खुलने का समय प्रातः 06.00 बजे से दोपहर 02.00 बजे तक निर्धारित किया है। सभी प्रतिष्ठानों के संचालन के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोरोना से बचाव हेतु गाइडलाइन के शर्तो का पालन करना होगा। दोपहर 02 बजे के पश्चात विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठान/संस्थान व स्थानीय परिवहन जैसे ऑटो, रिक्शा बंद रहेंगे। अतिआवश्यक सेवाएं मेडिकल, पेट्रोल पम्प व जिले के अंतर्गत संचालित बस परिवहन सेवाओं को छूट प्राप्त रहेगी। साथ ही सम्पूर्ण अनुभाग क्षेत्र रामानुजगंज में प्रत्येक रविवार को प्रातः 06.00 बजे से रात्रि 08.00 बजे तक पूर्णतः लॉकडाउन रहेगा। लोगों को सोशल डिस्टेंस का पालन तथा मास्क का उपयोग अनिवार्य रहेगा। उक्त निर्देश के उल्लंघन पाये जाने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति/संस्थान के विरूद्ध नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

व के अंतिम संस्कार हेतु संयुक्त कलेक्टर दिनेश कुमार नाग नोडल अधिकारी नियुक्त

नारायणपुर (नव प्रदेश)। कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू ने कोविड-19 अथवा अन्य कारणों से जिला नारायणपुर के निवासी की अन्य जिले अथवा अन्य राज्यों में मृत्यु होने की स्थिति में शव को त्वरित जिले में लाने एवं अंतिम संस्कार हेतु संयुक्त कलेक्टर एवं एसडीएम श्री दिनेश कुमार नाग को जिला नारायणपुर हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। संयुक्त कलेक्टर श्री नाग का मोबाईल नंबर 94792-63731 है।

कोविड टीकाकृत 12 पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं मितानिन हुये सम्मानित

रायगढ़ (नव प्रदेश)। कलेक्टर भीम सिंह कल तमनार तहसील के दौरे के दौरान ग्राम पंचायत चितवाही, डोलेसरा, बजरमुड़ा, उरबा, लालपुर, कोड़केल, मिलुपारा, सराईपाली, मौहापाली, गौरबहरी, हिंझर एवं आमगांव में 45 वर्ष से ऊपर शत-प्रतिशत टीकाकरण के लक्ष्य को पूर्ण करने पर उक्त पंचायत के सरपंच, सचिव एवं मितानिनों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में तमनार विकासखण्ड के विभिन्न पंचायतों के सरपंच, सचिव, मितानिनों, जनप्रतिनिधियों व कर्मचारियों द्वारा जो जिम्मेदारी व जागरूकता का परिचय दिया है, वह काबिले तारीफ है। इससे दूसरे पंचायतों को भी प्रेरणा मिलेगी और हम 45 वर्ष से अधिक उम्र के अपने लोगों के टीकाकरण के लक्ष्य को जल्द प्राप्त कर सकेंगे।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच 45 वर्ष से अधिक लोगों के टीकाकरण को बढ़ावा देने पर प्रशासन का पूरा फोकस है। इसके लिये पूरा प्रशासनिक अमला प्रतिदिन टीकाकरण के लक्ष्यों की पूर्ति के साथ ही अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को टीका लगे इसके लिए हर सम्भव प्रयास कर रहा है। प्रशासनिक प्रयासों के साथ जनप्रतिनिधियों को भी अपने क्षेत्र में लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस मौके पर सीईओ जिला पंचायत डॉ. रवि मित्तल, घरघोड़ा एसडीएम श्री अशोक मार्बल, नायब तहसीलदार सुश्री अनुराधा पटेल सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। ग्राम चितवाही के सरपंच श्रीमती वेदमती सिदार एवं सचिव श्री महेन्द्र पटेल, ग्राम डोलेसरा के सरपंच-श्रीमती निराश्री पैकरा एवं सचिव श्रीमती संतोषी श्रीवास, ग्राम मौहापाली के सरपंच श्री सुबो राठिया एवं सचिव श्री टुकलाल नायक, ग्राम गौरबहरी के सरपंच श्रीमती मिथिला सिदार एवं सचिव श्री हेमसागर साव, ग्राम हिंझर के मितानिन श्रीमती विलासीन प्रधान, सरपंच श्री टिकेश्वर राठिया एवं सचिव श्री उग्रसेन नायक तथा ग्राम आमगांव के मितानिन कल्पना गुप्ता, सरपंच श्री लक्ष्मी सिदार एवं सचिव श्री पुरसेठ शामिल है।

कलेक्टर ने जिले के कोविड केयर सेंटरों का किया निरीक्षण

नारायणपुर (नव प्रदेश)। कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू ने आज जिले के कोविड केयर सेंटर जीएनएम नर्सिंग प्रशिक्षण केन्द्र और बालक बुनियादी शिक्षा परिसर गरांजी का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री साहू ने अधिकारियों से कहा कि वर्तमान में जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या कम है, किन्तु भविष्य को ध्यान में रखते हुए इन केन्द्रों की आवश्यकता हो सकती है।

होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों के लिए विकासखण्ड स्तर पर कन्ट्रोल रूम स्थापित

नव प्रदेश संवाददाता

बलरामपुर। जिले में पिछले कुछ दिनों में कोविड-19 के संक्रमित मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा देखा जा रहा है। बढ़ते संक्रमण को देखते हुए जिला प्रशासन गंभीरता से कोविड से बचाव एवं नियंत्रण के प्रयास के साथ ही संक्रमितों को होम आइसोलेशन में सभी स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने हेतु कारगर कदम उठा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी होम आइसोलेशन व्यवस्था की लगातार निगरानी कर रहे हैं तथा मरीजों की सहायता के लिए कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गई है। होम आइसोलेशन में रह रहे मरीज किसी भी आपात स्थिति में जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर बनाये गये कन्ट्रोल रूम से सहयोग ले सकते हैं । कन्ट्रोल रूम विकासखण्ड बलरामपुर के लिए 7772874843, 8770359310, रामानुजगंज के लिए 9754848263, वाड्रफनगर के लिए 9009063986, राजपुर के लिए 8839324637, शंकरगढ़ के लिए 7723090936 तथा कुसमी के लिए 6269818949 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

लॉकडाउन में अवसर कालाबाजारी रोकने हेल्पलाइन नंबर जारी करे प्रशासन

कलेक्टर की अपील बेअसर, लोगो को लूट रहे आलू-प्याज के व्यापारी

नव प्रदेश संवाददाता

कोरबा। जिला प्रशासन की सख्ती के बावजूद न तो लॉकडाउन का सही तरीके से अनुपालन हो रहा है न कालाबाजारियों पर रोक लग रही है। जिला प्रशासन की ओर से सख्ती के बावजूद बाजार में व्यापारी कालाबाजारी से बाज नहीं आ रहे हैं। प्रशासन द्वारा 12 अप्रैल से 10 दिवसीय लॉक डाउन की घोषणा के साथ ही ही आलू और प्याज तय दर से अधिक कीमत पर खुलकर बेचा जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस के फैलाव से बदलते माहौल के बीच जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चावल-दाल जैसी राशन सामग्रियों और सब्जियों के दाम बढ़ने तथा उनकी कालाबाजारी एवं जमाखोरी की अपुष्ट खबरों को कलेक्टर श्रीमती किरण कौशल ने गम्भीरता से लेते हुए लॉकडाउन के पहले दो दिन किसी भी परिस्थिति में अति आवश्यक चीजों को, सामान्य दिनों के दामों से अधिक दाम पर नहीं बेचने की अपील करते हुए कोरोना वायरस संक्रमण से लड़ाई में सभी व्यापारियों से अपना सहयोग देने की अपील की है और राशन, सब्जियों आदि की कालाबाजारी तथा जमाखोरी नहीं करने को कहा है। श्रीमती कौशल ने सभी व्यापारियों और राशन दुकानों में उपलब्ध सामग्रियों का स्टॉक निरीक्षण करने के निर्देश

प्रशासनिक अधिकारियों को दिये हैं। इसके बावजूद कालाबाजारी जारी है।

कालाबाजारी की सूचना देने के लिए जिला प्रशासन को एक हेल्पलाइन नंबर आम जनता के लिए जारी किया जाना चाहिए ताकि इस पर लगाम कसी जा सके। शनिवार को शहर के बाजार में जमकर भीड़ उमड़ी। सब्जी बाजार सहित अन्य दुकानों में खरीदारों की भीड़ ने सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ा दी। वहीं आलू व प्याज की मुनाफाखोरी की भी शिकायत सामने आई। शहर के कुछ व्यापारी प्रशासन के आदेश को ठेंगा दिखाते हुए आलू प्याज को ऊंचे दाम पर बेचने का गोरखधंधा शुरू कर दिया है। कुछ दुकानों में पिछले लॉक डाउन में प्रशासन की टीम ने दबिश देकर कारवाई की थी , बावजूद इसके कोरोना की सेकंड लहर में भी ग्राहकों को लूटने का काम किया जा रहा है।

खासकर इतवारी बाजार के आलू प्याज थोक विक्रेता कोरोना लहर में जमकर डुबकी लगा रहे हैं। सुबह से सड़क को कब्जा कर धंधा करना इनकी फितरत बन चुकी हैं। लॉक डाउन तो इनके लिए सोने पे सुहागा जैसे है। जैसे ही लॉक डाउन की सुगबुगाहट शुरू हुई और इधर आलू प्याज के दाम में बढ़ोतरी शुरू। अब फुटकर व्यापारियों को भी लगने लगा है कि कोरोना से लड़ाई लंबी चलेगी यानी लॉक डाउन लंबा चलेगा तो क्यों न रेट बढ़ाकर मुनाफा कमाया जाए। प्रशासन को पहले को तरह फिर सेट कर लेंगे। बताते चलें कि जिले में हर छोटे-बड़े बाजार, किराना दुकानों, सब्जी दुकानों में आज भी सुबह छह बजे से ऐसी भीड़ टूटी है कि शहर लगभग जाम हो गया। सुबह होने के साथ ही निहारिका, बुधवारी, इतवारी बाजार, मेन रोड सहित गली मुहल्ले के छोटे-बड़े किराना दुकानों में अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ है।

राज्य में रेमडेसीविर इंजेक्शन की कमी, महाराष्ट्र के संपर्क में राज्य सरकार

■ कंपनियों के रेट पर इंजेक्शन 900 रुपए से 4000 रुपए तक का मिलता

रायपुर/नवप्रदेश/ए.। विशेषज्ञों के मुताबिक, कोरोना के मरीजों को ऑक्जीजन लेवल डाउन होने पर रेमडेसीविर का इंजेक्शन लगाया जाता है। पहले 6 इंजेक्शन लगाए जाते हैं, इसके बाद 2 और फिर 4-5 दिन का कोर्स होता है। रेमडेसीविर को अलग-अलग दवा कंपनी बनाती है. कंपनियों के हिसाब से इंजेक्शन 900 रुपए से 4000 रुपए तक का मिलता है। लेकिन कोरोना के दूसरे लहर में मरीजों की संख्या में यकायक इजाफा होने से रेमडेसीविर की किल्लत हो गई है। न तो यह मेडिकल दुकानों में मिल रहे हैं, और न ही निजी अस्पताल में हालत यह है कि जिन दुकानों में उपलब्ध है, वहां इसको लेने के लिए लोगों के बीच मारामारी की स्थिति है।

राजधानी के कुछ ही मेडिकल दुकानों में उपलब्ध

रेमडेसीविर इंजेक्शन के महत्व को देखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन की ओर से राजधानी रायपुर में 12 मेडिकल दुकानों में उपलब्ध कराया गया है। लेकिन इन दुकानों में भी रेमडेसीविर इंजेक्शन मिलना मुश्किल है, क्योंकि इंजेक्शन की आपूर्ति ही नहीं के बराबर है. ऊपर बात करने पर वहां से भी आपूर्ति नहीं होने की जानकारी दी जाती है।

महाराष्ट्र सरकार के संपर्क में छत्तीसगढ़ सरकार

सूत्रों के मुताबिक़ तमाम दवा कंपनियों के कार्पोरेट ऑफिस महाराष्ट्र में है, ऐसी स्थिति में बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र सरकार ने इन दवा कंपनियों पर रेमडेसीविर की आपूर्ति को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार सहयोग की उम्मीद की है सूत्रों के अनुसार छत्तीसगढ़ की ओर से मुख्य सचिव और स्वास्थ्य सचिव ने महाराष्ट्र सरकार के नुमाइंदो से रेमडेसीविर की उपलब्धता को लेकर चर्चा की है। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से सहयोग करने का आग्रह किया है, जिससे कोरोना संक्रमितों की जान बचायी जा सके।

इंजेक्शन के लिए लोगों में अफरातफरी

रेमडेसीविर की किल्लत की खबरों के बीच रायपुर के व्यस्त मेडिकल कॉम्पलेक्स में पता किया तो यकीन करना मुश्किल था कि तमाम दुकानों के बीच केवल एक ही मेडिकल दुकान में रेमडसीविर उपलब्ध था, और वहां भी इंजेक्शन को लेने के लिए लोगों में आपाधापी मची थी। मास्क तो ठीक है, लेकिन सोशल डिस्टेंसिंग का कहीं कोई नामो-निशान नहीं था। लेने वाले भी मजबूर, दुकानदार भी मजबूर। लोग जिस कीमत में इंजेक्शन मिल रही थी बिना किसी बहस के उसे लेकर रवाना हो रहे थे, क्योंकि जब मरीज की जान बचानी तो को कीमत बेमायने हो जाती है।

■ न्यूज गैलरी

हवाई मार्ग से जगदलपुर पहुंचने वाले यात्रियों का कोरोना परीक्षण अनिवार्य

जगदलपुर । हवाई मार्ग से जगदलपुर पहुंचने वाले सभी यात्रियों का कोरोना परीक्षण अनिवार्य किया गया है। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ में आने से पहले पिछले 3 दिनों के भीतर एक नकारात्मक रिपोर्ट लेकर आना होगा। अन्यथा यात्रियों का अनिवार्य तौर एयरपोर्ट पर तत्काल परीक्षण किया जाएगा। कोरोना जांच की रिपोर्ट नकारात्मक होने पर यात्री को उसके गंतव्य के लिए छोड़ा जाएगा, अन्यथा रिपोर्ट सकारात्मक होने पर गंभीर लक्षण नहीं होने पर होम आइसोलेशन में या स्वयं के व्यय पर शासकीय क्वारन्टीन सेंटर में रहना होगा।

माओवादियों ने वाहनों में की आगजनी, फिल्टर प्लांट निर्माण में लगे थे वाहन

बीजापुर। वाटर फिल्टर प्लांट के निर्माण कार्य मे लगे वाहनों को दिन दहाड़े नक्सलियों ने आग के हवाले कर दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस बल घटना स्थल की ओर रवाना हो गई है। एसपी कमलोचन कश्यप ने बताया कि नैमेड थाना क्षेत्र के मिनगाचल नदी में बीजापुर नगर में पानी की आपूर्ति के लिए वाटर फिल्टर प्लांट का निर्माण किया जा रहा है । इस कार्य मे लगे वाहनों को नक्सलियों ने चालको को वाहन से उतार कर आग के हवाले कर दिया है । घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस बल को घटना स्थल के लिए रवाना कर दिया गया है।

वैक्सीन की कमी से टीकाकरण हो रहा है प्रभावित

कांकेर। जिला मुख्यालय के चार टीकाकरण सेंटर में से एक मात्र सेंटर में टीकाकरण किया गया। शहर में वैक्सीन नही होने से सभी जगह टीकाकरण कार्य बंद रहा। दोपहर 03 बजे वैक्सीन की 10 हजार डोज कांकेर पहुंची, रविवार को सभी 48 सेंटरों में टीकाकरण किया गया। जिले में वैक्सीनेशन के लिए 48 सेंटर बनाए गए हैं लेकिन पिछले सप्ताह भर से वैक्सीन की कमी के चलते आधे से अधिक सेंटरों में टीकाकरण नहीं हो पा रहा था। कांकेर में 10 हजार वैक्सीन का डोज पहुंचा है जबकि जरूरत 03 लाख डोज की है। 10 हजार वैक्सीन डोज पहुंचा है वह दो दिन ही चल पाएगा। इस बीच वैक्सीन पहुंचा तो ठीक नहीं तो फिर एक बार जिले में टीकाकरण प्रभावित होगा। टीकाकरण के नोडल अधिकारी डॉ. आईके सोम ने कहा बताया कि वैक्सीन की10 हजार डोज शनिवार को पहुंचा है। जो वैक्सीन पहुंचा है वह दो दिन ही चल पाएगा।

बिना अलग कमरा, टॉयलेट के नहीं दी जाएगी होम आयसोलेशन की सुविधा

धमतरी। कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य ने कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को ध्यान में रखते हुए यह निर्देश दिया है कि होम आयसोलेशन की सुविधा उन्हीं कोविड-19 धनात्मक मरीजों को मुहैया कराया जाए, जो शासन द्वारा जारी दिशानिर्देशों के नियमों का पालन करते हों। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि कोविड के उन्हीं मरीजों को होम आयसोलेट किए जाने की अनुमति दी जाएगी, जिनके घर में पृथक् से कमरा हो तथा दो अलग-अलग टॉयलेट हों, जिसका वह निजी तौर पर उपयोग कर सके। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिया है कि जिन लोगों को होम आयसोलेट किया गया है, उनके घर के सामने सूचना पर्ची अनिवार्य रूप से चस्पा करें, ताकि उन्हें चिन्हांकित कर उनका यथासंभव उपचार जारी रखा जा सके तथा अन्य व्यक्तियों के सम्पर्क में आने ना पाए।

मरार पटेल समाज ने मनाया महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश मरार पटेल समाज ने आज प्रदेशाध्यक्ष राजेन्द्र नायक पटेल के मागदर्शन में आज महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती कोविड 19 नियमों को पालन करते हुए पूरे प्रदेश में मरार पटेल समाज के लोगों ने घर में दीया जलाकर मनाया. प्रदेशाध्यक्ष राजेन्द्र नायक पटेल ने कहा देश की सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना में ज्योतिबा फुले का महत्वपूर्ण योगदान है. जाति प्रथा और छुआछूत के खिलाफ फुले ने महान काम किया था. महिलाओं की शिक्षा पर जोर देने वालों में ज्योतिबा फुले का नाम प्रमुख है. महान समाजसेवी एवं लेखक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर मरार समाज के समाज प्रमुखों ने नमन किया है। मरार पटेल समाज के युवाओं ने आज महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती सोशल मीडिया के माध्यम से अपने घरों में दिये जलाकर तथा वर्चुअल शामिल होकर धुम-धाम से मनाया और आने वाले वर्ष में इसकों वृहद आयोजन कर मनाने का संकल्प लिया है। महात्मा ज्योतिबा फुले का जन्म महाराष्ट्र के सतारा जिले में 11 अप्रैल 1827 को एक माली परिवार में हुआ था. उनका पूरा नाम ज्योतिबा राव गोविंद राव फुले था. उन्होंने जीवनभर छुआछूत को देश से खत्म करने के लिए अथक प्रयास किए. फुले ने बहिष्कृत समाज को समान अधिकार दिलाने के लिए 1873 में सत्यशोधक समाज की स्थापना की और जीवन पर्यंत संघर्ष किया. इसका उद्येश्य समाज में पिछड़े और उपेक्षित वर्ग को सामाजिक न्याय दिलाना था. सभी जाति के लोग सत्यशोधक समाज के सदस्य बने. फुले और उनकी पत्नी सावित्री बाई फुले ने 1848 में पुणे में लड़कियों के लिए पहले स्कूल की स्थापना की. इसके अलावा उन्होंने कई विद्यालय और अनाथालय खोले. ज्योतिबा ने कई किताबें भी लिखीं किसान का कोड़ा, धर्म तृतीय रत्न, इशारा और शिवाजी की जीवनी उनकी प्रमुख किताबें हैं. महाराष्ट्र में समाज सुधारक के रूप में फुले का बेहद सम्मान था. 1888 में विट्ठलराव कृष्णाजी वेंडेकर ने उन्हें महात्मा की उपाधि से संबोधित किया. इसके बाद वे महात्मा कहे जाने लगे. फुले ने समाज में ठुकराई गई महिलाओं को मुख्य धारा में लाने का भी काम किया. 28 नवंबर 1890 को ज्योतिबा फुले का निधन हो गया।

तांदुला परियोजना: बेखौफ होकर हो रहे गुणवत्ता विहीन कार्य

सुप्रीत शर्मा

बालोद/नवप्रदेश। ज़िलें के बालोद विकासखण्ड की तांदुला परियोजना अंतर्गत ग्राम जगतरा एवं बी जामगांव के समीप एक्वाडक्ट मरम्मत कार्य के लिए सरकार ने भले ही करोड़ो रूपए की स्वीकृति प्रदान की है लेकिन इस निर्माण कार्य को मापदंडो के अनुरूप नही किया जा रहा है। निर्माण कार्य की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित कराए जाने के दिशा-निर्देशों के बाद भी बेखौफ होकर गुणवत्ता विहीन कार्यो को अंजाम दिया जा रहा है। एक्वाडक्ट के मरम्मत कार्य में घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग भी किया जा रहा है जिससे लोगो में आक्रोश देखा जा रहा है और इस संबंध में जल्द ही निर्माण के गुणवत्ता की जांच कराए जाने की उच्च स्तरीय मांग की तैयारी की जा रही है। गौरतलब है कि जगतरा एवं जामगांव बी के समीप एक्वाडक्ट कई वर्षो से क्षतिग्रस्त था जिसकी मरम्मत कार्य के लिए पूर्ववर्ती सरकार द्वारा वर्ष 2018 में 285.88 लाख (रुपए दो करोड़ पचासी लाख अठ्ठासी हजार) रूपए स्वीकृत किए गए थे।

गुणवत्ताहीन सामग्री का हो रहा उपयोग

करोड़ो रुपए की लागत से कराए जा रहे मरम्मत कार्य मे गुणवत्ताहीन सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। नियमतः सरकारी निर्माण कार्यो में उपयोग होने वाली गिट्टी वांछित आकार की क्रस्ड मेटल के रूप में होनी चाहिए। रेत एकदम साफ व निर्धारित फाइननैस माड्यूल्स की तथा प्रयुक्त होने वाला सीमेंट फ्रैश होना चाहिए। लेकिन एक्वाडक्ट का उक्त मरम्मत कार्य नियमो के विपरीत गुणवत्ताहीन सामग्री से कराई जा रही है।

बगैर सूचना बोर्ड के मरम्मत का कार्य

बड़े स्तर पर जगतरा एवं जामगांव बी के समीप एक्वाडक्ट के मरम्मत का कार्य चल रहा है। मरम्मत के अलावा नए निर्माण भी किए जा रहे है। लेकिन निर्माण स्थल के पास कोई बोर्ड नहीं होने से निर्माण कार्य की कोई जानकारी नहीं हो नहीं हो पा रही है। निर्माणाधीन इस साइट का जब मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया तो कहीं भी सूचना बोर्ड लगा नहीं दिखा, जिससे की पता चल सके कि निर्माण कौन विभाग करा रहा है? संबंधित अधिकारी या ठेकेदार का क्या नाम है? निर्माण के मानक क्या हैं? वह कितने की लागत से बन रहा है? साइट की देखरेख करने वाले से पूछने पर उसने बताया निर्माण जल संसाधन विभाग द्वारा करवाया जा रहा है। लेकिन क्षेत्र के लोगों को इसकी जानकारी ही नहीं है।

सूचना बोर्ड लगाना अनिवार्य

नियमतः कोई भी शासकीय निर्माण होने पर सूचना बोर्ड लगाना अनिवार्य है। जिसमें निर्माण कार्य का नाम, स्वीकृति राशि, कार्य आदेश और कार्य पूर्ण करने का दिन, ठेकेदार व निर्माण एजेंसी का नाम, मोबाइल नंबर लिखा होता है। लेकिन कार्यस्थल पर न तो प्राक्कलन बोर्ड लगाया गया है और न ही प्राक्कलन के अनुरूप निर्माण किया जा रहा है। सूचना बोर्ड का न होना आखिरकार किस ओर इशारा करती है।

पानी सीमेंट रेशियों में नही ध्यान, न ही वाइब्रेटर मशीन का उपयोग

शटरिंग खोले जाने के पूर्व किया गया कंक्रीट कार्य हनीकॉम्ब रहित प्राप्त हो इसके लिए यह आवश्यक होता है कि पानी सीमेंट रेशियों पर नियंत्रण रखा जाये तथा वाइब्रेशन किया जावें। लेकिन मरम्मत कार्य मे न तो पानी सीमेंट रेशियों पर नियंत्रण रखा जा रहा है न ही वाइब्रेशन कराया जा रहा है। जिसके कारण सीमेंट कंक्रीट के कराए गए कार्यो में जगह-जगह हनीकॉम्ब देखे जा सकते है।

लीपापोती से हो रहा काम

शटरिंग खोले जाने के बाद यदि कही हनीकॉम्ब दिखाई देता है तो उसकी मरम्मत तत्काल 1:2 मसाले से प्रेशर के साथ किया जाना चाहिए। कंक्रीट कार्य तथा हनीकॉम्ब रिपेयर की तराई लगातार 28 दिन तक की जानी चाहिए। लेकिन यहां ऐसा बिलकुल भी नही किया जा रहा है। शटरिंग के खुलने के दो-तीन दिन बाद भी हनीकॉम्ब को रिपेयर नही किया जा रहा। कुछ जगहों पर सामान्य मसाला बनाकर हाथों से हनीकॉम्ब की लीपापोती की जा रही है।

हापर युक्त मिक्सर के बगैर कार्य

कंक्रीट कार्य हापर युक्त मिक्सर से ही किया जाना चाहिए। लेकिन कार्यस्थल में हापर युक्त मिक्सर सिर्फ दिखावें के लिए रखा गया है। कंक्रीट के सारे कार्य बिना हापर वाले मिक्सर से किया जा रहा है। हनीकॉम्ब रिपेयर के लिए हेण्ड मिक्सिंग मसाले से काम चलाया जा रहा है।

शटरिंग के लिए निम्न दर्जे की प्लाई का उपयोग ?

स्ट्रक्चरल कार्य मे उपयोग की जाने वाली शटरिंग स्टील अथवा उत्तम गुणवत्ता की प्लाई के रूप में होना चाहिए। लेकिन यहां गिनती की स्टील शटरिंग रखी गई है जो सिर्फ दिखाने के लिए है इसका उपयोग नही किया जाता। इसके स्थान पर निम्न दर्जे की प्लाई का शटरिंग के रूप में उपयोग किया जा रहा है।

परफेक्ट है उसकी रिपोर्ट भी है

एक्वाडक्ट के मरम्मत कार्य की गुणवत्ता को लेकर जब जल संसाधन विभाग के एसडीओ सीएम मोरवी से बात की गई तो उनका कहना था कि अभी तक जो काम हुआ है वो परफेक्ट है उसकी रिपोर्ट भी है। अभी जो मामला संज्ञान में लाया जा रहा उसको जाकर देखेंगे। ऐसा होगा तो उसको टाइट करेंगे। **एसडीओ सीएम मोरवी, जल संसाधन विभाग**

कोरोना के नाम पर गुटखा, गुडाखू व सिगरेट की कालाबाजारी

दंतेवाड़ा /नवप्रदेश। जिले में कोरोना की आड़ में थोक व्यापारियों ने मौके का फायदा उठाते गुटखा-गुडाखू एवं सिगरेट की कालाबाजारी शुरू कर दिया है। जिससे गुटखा एवं गूडाखू प्रेमियों को दोगुना से ज्यादा दाम देकर सामान खरीदना पड़ रहा है। दंतेवाड़ा जिले में रोजाना 50-60 कोरोना पाजिटिव मरीज मिल रहे हैं। अभी लॉकडाउन नहीं लगा है पर साप्ताहिक हाट बाजार आदि को बंद करने का फैसला प्रशासन ने लिया है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष मार्च अप्रैल में जब कोरोना ने दस्तक दी थी और पूरे देश में लॉकडाउन लगा था उस दौरान भी थोक व्यापारियों ने जमकर कालाबाजारी की थी। लोगों को कोराना का डर दिखाकर आवश्यक जरूरी सामानों के दामों पर बेतहाशा वृद्धि कर जनता को खूब लूटा था। बीते साल लॉकडाउन के समय 10 रूपए का एक डिब्बी गुडाखू 100 से 150 रूपए तक में बेची गई थी। इसी प्रकार गुटखा एवं सिगरेट के दाम भी चौगुना बढ़ा दिए गए थे।

जानकारी के मुताबिक एक पूड़ा राज गुटखा जिसमें 30 पीस गुटखा रहता है वह पहले 130 रूपए में मिलता था जो आज उसी पूड़े को 220 से 240 रूपए में थोक व्यापारी बेच रहे हैं। वहीं एक पेटी गुड़ाखू जिसमें 24 पैकेट होता है। एक पैकेट में 12 पिस गुडाखू होता है जिसकी कीमत दो दिनों पहले तक 03 हजार रूपए थी उसे बढ़ाकर 08 हजार रूपए कर दिया गया है। इसी प्रकार सिगरेट एवं बिड़ी के दामों में बढ़ोत्तरी कर दी गई है।

दसवीं व बारहवीं की बोर्ड परीक्षा रद्द, 66 मुख्य केंद्र के शिक्षकों को दी गई गोपनीय सामग्री

महासमुंद। दसवीं व बारहवीं की बोर्ड परीक्षा रद्द होने के बाद भी जिला मुख्यालय के समन्वयक केंद्र में नियमों का उल्लंघन करते हुए गोपनीय सामग्री का वितरण किया गया है । सुबह से शिक्षक गोपनीय सामग्री लेने के लिए जिला मुख्यालय के समन्वयक केंद्र आदर्श हायर सेकेंडरी स्कूल पहुंचे थे ।सामग्री लेने के लिए शिक्षकों की भीड़ लगी थी, सोशल डिस्टेंसिंग का खुले आम उल्लंघन देखने को मिला । सामग्री का वितरण शाम तक पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच गोपनीय सामग्रियों का वितरण हुआ । सामग्रियों का वितरण करने के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल के अधिकारी व कर्मचारी पहुंचे थे । पहले दिन तीन ब्लॉक के स्कूलों से आए शिक्षकों को सामग्री का वितरण किया गया है । आज दो ब्लॉक का वितरण किया जाएगा । बताया जा रहा है कि इस बार समन्वयक केंद्रों में प्रश्न-पत्र जमा नहीं रहेंगे । कोविड को देखते हुए प्रश्न-पत्रों को क्षेत्र के थाना व चौकियों में जमा किया जाएगा । जिला समन्वयक केंद्र प्रभारी एस चंद्रसेन ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल से ओदश जारी किया गया है कि रद्द कर दिया गया है, लेकिन सामग्री का वितरण नियत तिथि को ही किया जाएगा ।

रेलयात्रा करने वाले यात्रियों के कोविड टेस्ट के संबंध में दिशानिर्देश जारी

■ यात्रियों के उतरने से पूर्व 72 घंटे के भीतर कराये गये कोरोना जांच टेस्ट की निगेटिव रिपोर्ट होना अनिवार्य

■ रेलवे स्टेशनों में कोरोना जांच के संबंध में आवश्यक व्यबस्था सुनिश्चित करने दिशानिर्देश जारी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में रेलयात्रा के माध्यम से छत्तीसगढ़ आने वाले यात्रियों हेतु कोविड टेस्ट के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किया गया है। इस संबंध में राज्य के सभी संभागायुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टरों एवं पुलिस अधीक्षकों को दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। जारी दिशानिर्देशानुसार नोवेल कोरोना वायरस के नये वेरियन्ट के संक्रमण पर नियंत्रण के परिप्रेक्ष्य में रेलयात्रा के माध्यम से छत्तीसगढ़ आने वाले सभी ट्रेनों के सभी

यात्रियों की कोरोना जांच अनिवार्य रूप से की जाएगी। रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पहुंचने से पूर्व 72 घंटे के भीतर कराये गये कोरोन जांच टेस्ट की निगेटिव रिपोर्ट होना अनिवार्य होगा। जारी दिशा-निर्देश के अनुसार ऐसे यात्री जिनके पास निर्धारित समयावधि की कोरोना जांच टेस्ट रिपोर्ट नहीं होगी, उनकी कोविड टेस्ट जांच रेलवे स्टेशन पर की जाएगी। कोविड टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव होने पर उन्हें स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी एसओपी अनुसार संस्थागत क्वारेंटीन, कोविड केयर सेन्टर, अस्पताल में रखा जाएगा। रेलयात्रा में पॉजीटिव यात्री के कान्टेक्ट ट्रेसिंग हेतु निर्धारित एसओपी के अनुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

सख्त लॉकडाउन | जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में 10 चेकपोस्ट बनाए, वाहनों की भी हो रही चेकिंग

जिले के सीमा पर 500 से ज्यादा जवान संभाल रहे मोर्चा, अफसर भी अलर्ट

बालोद/नवप्रदेश। जिले में लॉक डाउन का व्यापक असर देखने को मिल रहा हैं। जिले के हर प्रमुख चौक-चौराहों मे पुलिस बल की तैनाती की गई हैं। जो घरों से बेवजह बाहर निकलने वालों पर नजर रख रहे हैं।। जिले में लॉकडाउन की पहली सुबह से ही पुलिस बल की तैनाती है। लॉकडाउन के मद्देनजर पुलिस की लगभग 500 जवान जिले के हर कोने मे तैनात किये गया है। जो लोगों की प्रत्येक तरह की गतिविधियों पर नजर रखें हुए है। जो बालोद नगर सहित जिले के ग्रामीण अंचलो मे अपना कार्य करते नजर आ रहें है। लॉकडाउन का उलंघन करने वालों पर कार्यवाही की जा रही हैं। जिले मे लॉकडाउन के बाद भी

जानबूझकर उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस द्वारा सख्त कार्रवाई की जा रही है।

वहीं जिले के सीमावर्ती इलाकों को भी सील किया गया है। 10 चेकपोस्ट बनाये गए हैं। जहाँ पर पुलिस विभाग द्वारा वाहनों की चेकिंग की जा रही है। जो लोगों की पूर्ण जानकारी के बाद ही लोगों को आने जाने के लिए छोड़ रहें है। जिले की सीमावर्ती क्षेत्रों में 10 चेक पोस्ट बनाये गए तो वही जिले के अंदर प्रमुख चौक चौराहों में 30 प्वाइंट बनाये गए हैं। जहां पुलिस व ट्रैफिक के जवान तैनात हैं। पेट्रोलिंग पार्टी के अलावा बालोद, गुंडरदेही, दल्लीराजहरा, गुरूर, डौंडीलोहारा एवं डौंडी थानों में 10-10 अतिरिक्त वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। ग्रामीण अंचलों में कोतवालों की भी ड्यूटी लगाई गई हैं. जो लापरवाही बरतने वालों की खबर प्रशासन को दे रही है वही मास्क ना पहनने वालों को भी चेतावनी दी जा रही है।

24 घँटे पुलिस बल अलर्ट

डीएसपी दिनेश सिन्हा ने बताया कि पुलिस प्रशासन द्वारा प्रॉपर दुरूस्त व्यवस्था इख्तियार किया गया हैं। बालोद जिले में विभिन्न जिलों के बॉर्डर सरहदी पॉइंट हैं। वहां पर 10 चेकपोस्ट तैयार किया गया है। जवानों की तैनाती की गई हैं। जिले में प्रवेश करने वाले लोगों को प्रॉपर पास और उनके वैलिड रिजन बताने के बाद ही उन्हें प्रवेश दिया जा रहा हैं। साथ ही इसके अलावा 40 फिक्स्ड ड्यूटी पॉइंट तैयार किये गए हैं। जहाँ पर 24 घंटे हमारे पुलिस बल की तैनाती की गई है। इसके अलावा 22 पेट्रोलिंग पार्टी तैयार किया गया है। जो जिले भर में घूमकर प्रॉपर एनाउंसमेंट के साथ लॉकडाउन के जो निर्देश हैं। उसके परिपालन के लिए लोगों को प्रेरित करने के साथ ही साथ उन्हें इसके बारे में बताया जा रहा है और लॉकडाउन का पालन करवाना सुनिश्चित किया जा रहा है।

बाहर से आने-जाने वालों पर खास नजर

सीमा क्षेत्र में दूसरे जिले से दूसरे राज्य में गए हुए लोग भी इक्का-दुक्का लौट रहे हैं ऐसे लोगों पर खास नजर रखी जा रही है जो जिस गांव से है उनकी भी सूचना दी जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा उनके स्वास्थ्य की निगरानी भी की जा रही है बाहर से आने वाले लोगों की कोरोना व तापमान जांच भी कराई जा रही है तो वहीं पास ना रखने वालों पर सख्ती बरती जा रही है कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए पूरी व्यवस्था बनाई गई है ताकि कहीं कोई लापरवाही ना हो लोगों से भी अपील की गई है कि लॉकडाउन को गंभीरता से लें। बेवजह घर से ना निकले जो भी नियम जारी किए गए उनका पूरी तरह से पालन करें।